हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

जिंदगी मुस्कुराई...

फोटोः हेमंत वर्मा

लोहे के कंटेनरों पर ग्रीन मैट

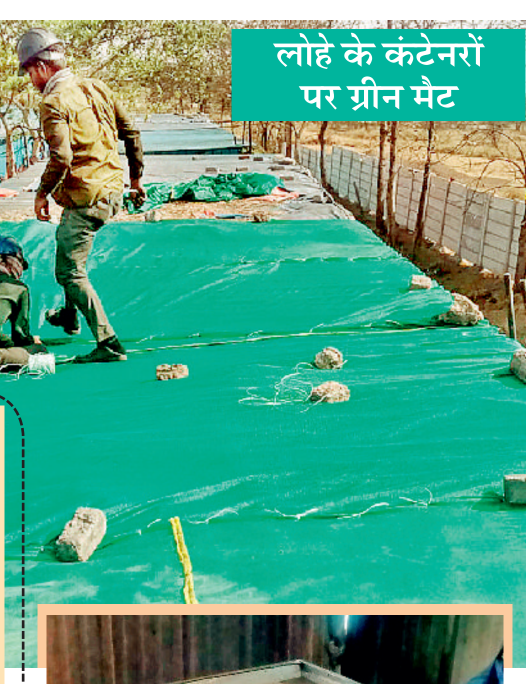

पत्रकारिता का असली सुख...

रायपुर/धरसींवा। जब 44 डिग्री पारा हो...लोहे के कंटेनरों में इंसानियत सिसक रही हो, तब एक खबर कैसे बदलाव की ठंडी बयार बन सकती है, यह हमने महसूस किया। झुलसा देने वाली गर्मी में लोहे के जिन कंटेनरों में मासूमों और मजदूरों की सांसें अटक रही थीं, वहां... हरिभूमि की खबर के बाद 'कूलर' की ठंडक और 'ग्रीन मैट' की छांव है। हमारे लिए यह सिर्फ एक खबर का असर नहीं, बल्कि उन चेहरों पर लौटी मुस्कान है, जो पत्रकारिता का असली सुख और कलम की सार्थकता बयां करती है। यह क्षण हमें हरिभूमि की जमीनी पत्रकारिता के लिए प्रेरणा देते हैं...धरसींवा श्रम समिति और श्रम विभाग के उन सभी जिम्मेदारों को धन्यवाद...जिन्होंने मजदूरों की दिक्कत महसूस की।

खबर का असर

हरिभूमि
रायपुर भूमि
आसमान से बरसती आग और लोहे के कंटेनरों में कैद जिंदगी

पहले की स्थिति

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹103903/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹126900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹138523/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand® Jewels
Pandri, Raipur

जोरदार धमाके की वजह से जवानों को संभलने का मौका तक नहीं मिला

75 किलो गन पाउडर को नष्ट करते वक्त हुआ धमाका, चार जवान शहीद

कांकेर-नारायणपुर सीमा में शनिवार को सुबह बारूदी विस्फोट में डीआरजी और बस्तर फाइटर के चार जांबाज जवान शहीद हो गए। कांकेर जिले के छोटेबेठिया थाना से उनकी टीम निकली थी। आत्मसमर्पित नक्सलियों की सूचना पर टीम गई थी। करीब 75 किलो गन पाउडर को नष्ट करने का प्रयास कर रही थी, उसी दौरान जोरदार धमाका हुआ और मौके पर तीन जवान शहीद हो गए। चौथे जवान ने इलाज के दौरान दम तोड़ा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

2 मई की सुबह लगभग 4 बजे थाना छोटेबेठिया से डीआरजी और बस्तर फाइटर की संयुक्त टीम निरीक्षक सुखराम वट्टी के नेतृत्व में रवाना हुई थी। आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों से सूचना मिली थी कि एक निश्चित स्थान पर नक्सलियों ने हथियार और विस्फोटक सामग्री का डंप कर रखा है। इसी सूचना के आधार पर टीम सर्च ऑपरेशन के लिए जंगल की ओर निकली थी। बताया जा रहा है कि जवान जैसे ही संदिग्ध स्थल के पास पहुंचे, वहां से 15-15 किलो के पांच बोरी गन पाउडर बरामद किया गया। बीडीएस टीम की सहायता से इस डंप को बाहर निकालकर सुरक्षित तरीके से नष्ट करने की तैयारी की जा रही थी। इस दौरान संभवतः अधिक तापमान एवं रासायनिक रिएक्शन के कारण गन पाउडर में जोरदार विस्फोट हो गया। जिसने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि डीआरजी और बस्तर फाइटर के चार जवान उसकी चपेट में आ गए। इस भीषण हादसे में निरीक्षक ▶▶| शेष पेज 6 पर

मौके पर ही तीन जवानों की जान गई, चौथे ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

छोटेबेठिया थाना का मामलाः नक्सलियों के डंप खोजने के दौरान हुई दुर्घटना

सुखराम वट्टी | कृष्ण कुमार कोमरा | परमानंद कोर्राम | संजय गढ़पाले

एक बीजापुर और तीन कांकेर जिला से शहीद

ब्लास्ट में शहीद हुए निरीक्षक 40 वर्षीय सुखराम वट्टी बीजापुर जिले के थाना भैरमगढ़ के ग्राम चिहका के रहने वाले थे और 2008 में सर्विस ज्वाइन किया था। आरक्षक 35 वर्षीय कृष्ण कुमार कोमरा पिता प्यारीलाल कोमरा कांकेर जिला के ग्राम लोहत्तर के निवासी थे और 8 नवंबर 2011 में सर्विस ज्वाइन किया था। बस्तर फाइटर के आरक्षक 29 वर्षीय संजय गढ़पाले कांकेर जिला के चारामा थानांतर्गत के ग्राम हाराडुला के थे और 2022 में सर्विस में थे। बस्तर फाइटर के आरक्षक 29 वर्षीय परमानंद कोर्राम कांकेर जिला के ग्राम बरेठिनबाहरा पोस्ट भनसुली के रहने वाले थे और 2022 में सर्विस ज्वाइन किया था।

छिपे हुए विस्फोटक गंभीर खतराः पुलिस महानिरीक्षक

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम के अनुसार, हाल के महीनों में आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों से मिली जानकारी के आधार पर सैकड़ों आईईडी बरामद कर निष्क्रिय किए गए हैं। बावजूद इसके, यह घटना दर्शाती है कि क्षेत्र में अभी भी छिपे हुए विस्फोटक गंभीर खतरा बने हुए हैं।

सामरी के ग्राम भुताही की घटना

नदी में नहाते समय डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत

नानी के घर गया था अमरजीत

मृतकों की पहचान ग्राम भुताही निवासी 4 वर्षीया कुमारी श्रीमती कोरवा आ. उदयशंकर कोरवा व सबाग निवासी 5 वर्षीय अमरजीत कोरवा आ. रामसाय कोरवा के रूप में की गई है। अमरजीत कोरवा अपने माता-पिता के साथ नानी के घर भुताही गया हुआ था। बच्चों की मौत के बाद परिजन द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद सामरी थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और शवों को अस्पताल भेजा। शनिवार को बच्चों के शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

बलरामपुर जिले के सामरी थाना क्षेत्र के भुताही में हृदयविदारक घटना में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। बच्चे गांव के नदी में नहाने के लिए गए हुए थे। इस दौरान गहराई में जाने से दोनों बच्चे डूब गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बच्चों को नदी से बाहर निकाला लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इस मामले में सामरी पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द किया गया है। इस घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है और परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि ▶▶| शेष पेज 6 पर

क्षेत्र में शोक

इस घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है जबकि परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि बच्चों की पानी में डूबने से मौत हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है और घटना की जांच चल रही है।

खबर संक्षेप

रोहित आरबीआई के डिप्टी गवर्नर नियुक्त

नई दिल्ली। सरकार ने रोहित जैन को तीन साल के कार्यकाल के लिए आरबीआई का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। जैन, टी रबी शंकर का स्थान लेंगे, जिनका विस्तारित कार्यकाल समाप्त हो गया। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने तीन मई या उसके बाद पदभार ग्रहण करने की तारीख से तीन साल के लिए उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

नहर में डूबने से दो भाइयों की गई जान

ईरोड। ईरोड जिले में गर्मियों की छुट्टियों में अपने रिश्तेदार के यहां आए दो नाबालिग भाइयों की एक नहर में डूबने से मौत हो गई। तिरुचिरापल्ली जिले के मुसिरी गांव के निवासी 17 वर्षीय संतोष और उसका 15 वर्षीय भाई संजय, क्रमशः 12वीं और 10वीं की परीक्षा देने के बाद कुछ दिन पहले अरचलूर के पास गोपालिपराई बस्ती में अपने एक रिश्तेदार के घर आए थे। दोनों लड़के पास की एक नहर में नहाने गए थे लेकिन वे गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गए।

पुलवामा में आतंकवादियों का 'ओवरग्राउंड वर्कर' गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षाबलों ने शनिवार को आतंकवादियों के एक 'ओवरग्राउंड वर्कर' (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया। ओजीडब्ल्यू वे लोग होते हैं, जो आतंकवादियों को साजो-सामान उपलब्ध कराते हैं। गुप्त गतिविधियों के संचालन में उनकी मदद करते हैं।

डंपर की टक्कर के कारण दो भाइयों की मौत

कानपुर। कानपुर में शनिवार सुबह दो डंपर की आपस में टक्कर के कारण दो भाइयों की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब छह बजे नौबस्ता बाईपास फ्लाईओवर पर हुई जब रेत से लदे डंपर चालक को कथित तौर पर झपकी आ गई और वह सड़क किनारे खड़े एक अन्य ट्रक से टकरा गया। हादसा इतना भीषण था टक्कर मारने वाले डंपर का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और जालौन जिले के निवासी कमलकांत (27) और उनका छोटा भाई दीपक (25) उसमें फंस गए।

अभनपुर के ठाकुर पेट्रो कैमिकल के मालिक ने चोरी के टेंकर खाली किए

रायपुर के 8 डीलरों के साथ मिलकर 100 टन एलपीजी की चोरी, एक गिरफ्तार

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महासमुंद पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अभनपुर के ठाकुर पेट्रो कैमिकल से जुड़े एक व्यक्ति को सुपुर्दनामे में मिली डेढ़ करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत की 100 टन से ज्यादा एलपीजी गैस अफरा-तफरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जब्त एलपीजी गैस की अफरा-तफरी 31 मार्च से 6 अप्रैल के बीच किए जाने का पुलिस ने दावा किया है। जालसाजों ने रायपुर के आठ डीलरों के माध्यम से खपाने का काम किया है। जिन डीलरों के माध्यम से माल खपाया गया है, पुलिस ने उन डीलरों के नाम का खुलासा अब तक नहीं किया है। मामले का खुलासा होने पर पेट्रो कैमिकल ▶▶| शेष पेज 6 पर

आखिर कौन है फर्जीवाड़ा का डीलर

पुलिस की विवेचना में साबित हो गया है कि ठाकुर पेट्रो कैमिकल के संचालक संतोष सिंह ने रायपुर के आठ एलपीजी डीलरों के साथ मिलकर अमानत में खयानत की है। ऐसे में सवाल उठता है कि रायपुर के उन आठ एलपीजी डीलरों को पुलिस ने आरोपी क्यों नहीं बनाया। इस संबंध में पुलिस जांच के बाद आरोपी बनाए जाने की बात कह रही है। ठाकुर पेट्रो कैमिकल के मालिक ने रायपुर के जिन आठ एलपीजी डीलरों की मदद से एलपीजी को खपाया है, उनके नाम का उल्लेख दस्तावेजों के माध्यम से हो गया है, ऐसे में एलपीजी डीलरों से पूछताछ करने का क्या औचित्य।

एक साथ बजे सायरन मोबाइल पर संदेश

नई दिल्ली। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को सेल ब्रॉडकास्ट चेतावनी प्रणाली की शुरुआत की। इसके बाद देशभर में मोबाइल फोन पर चेतावनी संदेश आने लगे। यह प्रणाली आपात स्थिति और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों को उनके क्षेत्र में तुरंत सतर्क करने के लिए विकसित की गई है। दूरसंचार विभाग ने 29 अप्रैल को इस सेवा के परीक्षण के ▶▶| शेष पेज 6 पर

आज से लगेगी साय की चौपाल, अचानक पहुंचेंगे किसी गांव में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की चौपाल रविवार से प्रदेश के किसी गांव में लगेगी। सरकार की योजनाओं और आम लोगों की समस्या जानने मुख्यमंत्री का उड़नखटोला अचानक प्रदेश के किसी गांव में उतरेगा। गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की की समस्या सुनेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे के साथ ही जिले के अधिकारियों को वहां पहुंचने के कुछ देर पहले ही सूचना मिलेगी।

राज्य सरकार ने 1 मई से 10 जून तक संचालित होने वाला यह अभियान शासन और आमजन के बीच ▶▶| शेष पेज 6 पर

सुशासन तिहार में अब मुख्यमंत्री संभालेंगे मोर्चा

योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे

मुख्यमंत्री सुशासन तिहार के तीसरे दिन से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में चौपाल लगाएंगे। बताया गया है कि वे उस जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर सरकार की योजनाओं की समीक्षा भी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों ने बताया कि जिस जिले में मुख्यमंत्री जाएंगे वहां पर रात्रि विश्राम भी कर सकते हैं। सभी अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्र में दौरा कर योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने कहा गया है।

निर्माण गुणवत्ता में जरा भी लापरवाही नहीं चलेगी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेमेतरा जिले के नगर पंचायत दाढ़ी क्षेत्र में हाल ही में निर्मित सीसी रोड के अल्प समय में ही क्षतिग्रस्त होने संबंधी खबर पर तत्काल संज्ञान लिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही पूर्णतः अस्वीकार्य है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बेमेतरा की कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे प्रकरण की विस्तृत ▶▶| शेष पेज 6 पर

शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में 10 मई को मैच

आरसीबी और मुंबई इंडियंस के मैच का डिजिटल टिकट, 2000 रुपए से शुरू होंगे टिकटों के दाम

हरिभूमि फॉलोअप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में 10 मई को होने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के महामुकाबले के टिकटों की बिक्री आज से शुरू हो जाएगी। क्रिकेट प्रेमी आधिकारिक वेबसाइट shop.royalchallengers. com/ticket के जरिए अपनी सीट बुक कर सकेंगे। शनिवार को मैनेजमेंट द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इसके बाद 4 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुऔर कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाले मैच के टिकट भी उपलब्ध होंगे। ▶▶| शेष पेज 6 पर

खास बातें

- फर्जीवाड़ा रोकने मैनेजमेंट ने बनाए सख्त नियम, लेकिन अनाधिकृत वेबसाइट्स पर बुकिंग से पहले ही बिक रहे ब्लैक में टिकट
- मैच से कुछ घंटे पहले ही ऐप पर जनरेट होगा क्यूआर कोड, इसे स्कैन करने पर मिलेगा प्रवेश

स्टेडियम से प्लेटिनम स्टैंड से हटाए गए कांच के पैनल अब बिना रुकावट के करीब से मैच देख सकेंगे दर्शक

मैच वाले दिन ही जनरेट होगा एंट्री क्यूआर कोडः टिकटों की कालाबाजारी और स्क्रीनशॉट के जरिए होने वाले फर्जीवाड़े को रोकने के लिए डिजिटल टिकट में गेट और सीट नंबर ▶▶| शेष पेज 6 पर

बुकिंग के वक्त दिखेगा थ्रीडी स्टैंड और मैप

वेबसाइट पर टिकट खरीदते समय आपको स्पष्ट दिखेगा कि स्टैंड स्टेडियम में किस जगह पर है। मैच के दिन भीड़ से बचने के लिए टिकट के साथ स्टेडियम का मैप भी दिया जाएगा। इसमें पार्किंग, ▶▶| शेष पेज 6 पर

टिकटों की कालाबाजारी शुरू, 40 में प्लेटिनम टिकट

फ्रेंचाइजी ने टिकटों की कालाबाजारी रोकने के कड़े दावे किए हैं, लेकिन आधिकारिक बुकिंग शुरू होने से पहले ही 'वियागोगो' जैसी वेबसाइट्स पर ब्लैक में टिकटों की धड़ल्ले से बिक्री शुरू हो गई है। यहां तक कि ऐसी वेबसाइट्स शत-प्रतिशत कन्फर्म टिकट मिलने का भी दावा कर रही हैं। बता दें कि अनधिकृत वेबसाइट पर प्लेटिनम टिकट 40 हजार रुपये और गोल्ड टिकट 30 हजार रुपये में बेचे जाने का दावा किया जा रहा ▶▶| शेष पेज 6 पर

तरकश

संजय के दीक्षित

कलेक्टरों का सीआर, और रिजल्ट

सरकार ने स्कूलों का स्तर सुधारने के लिए 10वीं, 12वीं के रिजल्ट को कलेक्टरों के सीआर में जोड़ा था। याने जिस जिले का रिजल्ट अच्छा आएगा, उसका क्रेडिट कलेक्टरों को मिलेगा। सरकार की मंशा अच्छी थी...कलेक्टर स्कूलों की निगरानी करें, जिससे स्कूलों में पढ़ाई की गुणवता सुधरे। मगर कुछ कलेक्टरों ने कमाल कर दिया। रायपुर के पड़ोसी जिले के एक ही स्कूल के नौ बच्चे मेरिट में आ गए। तो बस्तर और सरगुजा के छोटे जिलों ने रिजल्ट में खंभा गाड़ दिया। यहां यह स्पष्ट कर दें कि मेधावी बच्चों की प्रतिभा पर सवाल खड़ा करने हमारा कोई इरादा नहीं। निश्चित तौर पर बड़ी संख्या में ऐसे विद्यार्थी होंगे, जिन्होंने अपने परिश्रम से सफलता अर्जित की होगी। मगर यह भी सही है...कई कलेक्टरों ने अपनी पीठ थपथपवाने के लिए कुछ तो जरूर किया। तभी रिजल्ट निकालने के मौके पर माध्यमिक शिक्षा मंडल की एक शीर्ष अफसर ने सरकार के संज्ञान में यह विषय लाया कि परीक्षा के समय कलेक्टरों का काफी प्रेशर रहा...कई जिलों में खुलकर नकल कराए गए। बहरहाल, जिले के मुखिया का ही जब नकल को संरक्षण है तो माशिमं के उड़नदस्ता की क्या बिसात? उड़नदस्ता का गठन तो आखिर कलेक्टर के बिहाफ में ही किया जाता है। छत्तीसगढ़ के ह्यूमन रिसोर्स की दृष्टि से ये अच्छी बात नहीं है। स्कूल शिक्षा विभाग भले ही अपना पीठ थपथपा लें मगर बाद में होता यही है कि आगे जाकर बच्चे सरवाइव नहीं कर पाते। फिर नाम खराब राज्य का होता है।

खटराल कलेक्टर और पोरा बाई

10वीं, 12वीं के रिजल्ट में खेला करना नई बात नहीं है। दशक भर पहले की बात होगी। जशपुर के एक कलेक्टर ने रिजल्ट में जिले को अव्वल लाने काफी एक्सरसाइज किया। मगर जब देखे कि परीक्षा का रिजल्ट सुधारना गुरूजी के वश की बात नहीं तो उन्होंने स्कूल शिक्षा के अधिकारियों से फ्री हैंड दे दिया...मुझे नहीं मालूम, किसी भी तरह जिले के बच्चे को मेरिट में आना चाहिए। और वैसा ही हुआ। कलेक्टर के आदेश का पालन हुआ, उस साल जशपुर के तीन बच्चे मेरिट में आ गए थे। अब आपका स्वाभाविक प्रश्न होगा कि नकल मारकर भला मेरिट में या फर्स्ट कैसे आया जा सकता है। तो इसी प्रदेश में आखिर पोरा बाई कांड भी हुआ है। पोरा बाई ने जांजगीर के स्कूल से हायर सेकेंड्री एग्जाम के लिए फार्म भरा था। मगर परीक्षा में कोई और बैठा। पोरा बाई को 12वीं मेरिट में टॉप घोषित किया गया। लेकिन, माध्यमिक शिक्षा मंडल के चेयरमैन आईएएस बीकेएस रे को संदेह हुआ और उन्होंने जांच करा दी। मामला पुलिस में पहुंचा और वह जेल गई। सो, तर्क-कुतर्क की बात नहीं। स्कूल शिक्षा में पहले भी फर्जीवाड़ा के उदाहरण रहे हैं। हालांकि, विष्णुदेव सरकार ने स्कूल शिक्षा में कई रिफार्म किया है। कलेक्टर्स और स्कूल शिक्षा विभाग को इस रिफार्म का फायदा उठाते हुए राज्य के मानव संसाधन को मजबूत करने के लिए भागीरथ प्रयास करना चाहिए। क्योंकि, देश के स्कूल शिक्षा में छत्तीसगढ़ की गिनती नीचे से शुरू होती है।

19 से पहले नए डीजीपी

5 अप्रैल को पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति होते-होते रुक गई थी। मगर सुप्रीम कोर्ट में 19 मई को सुनवाई की डेट लग जाने के बाद अब नहीं लगता कि अब मामला ज्यादा दिन तक खींच पाएगा। सुनने में आ रहा, 19 मई से पहले छत्तीसगढ़ में पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति हो जाएगी। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को लेटर जारी कर दिया है। सुनवाई डेट से पहले अगर कोई फैसला नहीं हुआ तो फिर हो सकता है सुप्रीम कोर्ट कोई बड़ा आर्डर पास कर दें या फिर चीफ सिकरेट्री को ही तलब कर लें। सीएस को बुलाने से जाहिर है, मामला काफी बड़ा हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में केंद्रीय गृह सचिव को कोर्ट बुला लिया था। दरअसल, छत्तीसगढ़ में सिस्टम की भी अपनी मजबूरियां हैं। कुछ सालों से सीएस, डीजीपी का मसला केंद्र से तय होने लगा है। याद ही होगा, 4 सितंबर 2024 को अशोक जुनेजा का कार्यकाल खतम होने जा रहा था। स्टेट गवनमेंट ने नए डीजीपी के लिए नोटशीट बनाने का आदेश दे दिया था। मगर रिटायरमेंट से 24 घंटे पहले केंद्र से अशोक जुनेजा को छह महीने एक्सटेंशन देने का आदेश आ गया। सीएस के समय भी ऐसा ही हुआ। सरकार मनोज पिंगुआ का आदेश जारी करने जा रही थी कि अमिताभ जैन के एक्सटेंशन के लिए दिल्ली से संदेशा आ गया। दिल्ली ने इसके बाद विकास शील को मनीला से बुलाकर सीएस बनाने रायपुर भेज दिया। हालांकि, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र अब फ्री है, इसलिए लगता है 19 मई से पहले पूर्णकालिक डीजीपी का मामला क्लियर हो जाएगा।

मंत्रियों में तनातनी-1

एक नए मंत्री के साढू भाई लंबे समय से एक विभाग विशेष में सप्लाई का काम करते हैं। मंत्री बनने के बाद उन्हें लगा कि अब बराबरी का मामला है...आखिर डायन भी एक घर छोड़कर चलती है। फिर भी एहतियात बरतते हुए नए मंत्री ने माननीय से बात भी कर ली। बता दिया...साढू भाई का मसला है। मगर मंत्री के मुलाजिमों ने स्पष्ट कह दिया...25 फीसदी एडवांस देना ही होगा। ऐसे में, दोनों मंत्रियों में खटास बढ़नी ही थी। हालांकि, नए मंत्री को जल्दी ही हिसाब चुकता करने का मौका मिल गया। लक्ष्मीजी से अति मोह रखने वाले मंत्री के गृह जिले में डिस्ट्रिक्ट लेवल के एक अफसर की पोस्टिंग में उन्होंने अपने आदमी का नाम बताया। मगर नए मंत्री ने उसके उल्टा अफसर को वहां बिठा दिया।

मंत्रियों में तनातनी-2

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को साड़ी बांटने के मामले में मीडिया ने एक मंत्री से सवाल कर दिया। मंत्रीजी चूकि बार-बार एक ही सवाल से उकता गए थे, इसलिए उनकी जुबां फिसल गई। मुंह से निकल गया, स्कूल शिक्षा में कितना भ्रष्टाचार है...वो आपलोगों को नहीं दिखता। मंत्री का यह लूज टॉक लीक होकर एक दूसरे मंत्री के पास पहुंच गया। जाहिर है, इस पर बवाल मचना ही था। मंत्रीजी तमतमा गए। उन्होंने तुरंत फोन लगवा जमकर सुना दिया...आप दूसरे विभाग में भ्रष्टाचार की बात कैसे कर सकते हो। मंत्रीजी ने हालांकि, सफाई देने का काफी प्रयास किया। मगर वो कोई काम नहीं आया।

सीएस प्रोटोकॉल में नीचे क्यों?

सरगुजा संभाग की एक महिला विधायक का कलेक्टरों को हड़काते एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। विधायक इसलिए नाराज थीं कि उनके कार्यक्रम में एसडीएम नहीं पहुंचे। वीडियो में स्पष्ट देखा गया कि पीछे खड़े उनके चंगु-मंगू जो बोल रहे, विधायक महोदया कलेक्टर को हड़काते समय उसी को दोहरा रही थीं। अलबत्ता, प्रोटोकॉल में ये कहीं नहीं है कि विधायक के हर कार्यक्रम में एसडीएम जाए। मगर विधायक जी को भड़ास निकालना था, उन्होंने निकाल लिया। असल में, अफसरशाही को कमतर करने का काम पिछली सरकार में हुआ...जब जीएडी ने आर्डर निकाल प्रोटोकॉल में चीफ सिकरेट्री को विधायक के नीचे कर दिया। और, राज्य का प्रशासनिक मुखिया ही जब प्रोटोकॉल में नीचे हो गए तो फिर कलेक्टर, एसडीएम को विधायक क्या समझेंगे। जाहिर है, प्रोटोकॉल की दृष्टि से यह एक गलत फैसला था। मुख्य सचिव कार्यपालिका के प्रमुख होते हैं। साथ में कैबिनेट के पदेन सिकेट्री भी। कैबिनेट की बैठकों में वे मुख्यमंत्री के बगल में बैठते हैं, मंत्रियों की सीट उनके बाद होती है। इसी तरह केंद्र में कैबिनेट सचिव को भी राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के बराबर रखा गया है। सांसद का प्रोटोकॉल उनसे काफी नीचे होता है। मगर छत्तीसगढ़ में सब उल्टा-पुलटा चल रहा है।

अफसरों को प्रोटेक्शन

अफसरशाही लाख भ्रष्टाचार से ग्रसित हो, मगर काम तो उनसे ही कराना है। इसलिए, गड़बड़ियों पर कड़ी कार्रवाई हो मगर जो अच्छे काम करने वाले अधिकारी हैं, उन्हें सरकार से प्रोटेक्शन भी मिलना चाहिए। बीते कुछ महीनों में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिसमें अराजकता फैलाने की कोशिशें हुईं। जिला कार्यालयों में घुसकर हंगामा और नारेबाजी के मामले भी कई जिलों में हुए हैं। रसूखदार लोगों को छोड़ दें तो आम आदमी का क्या? वह प्रशासन और पुलिस के पास ही उम्मीद लेकर जाता है। मगर छोटे स्वार्थों के लिए इन्हीं संस्थाओं को डैमेज करने का प्रयास किया जाएगा तो जरा सोचिए आम आदमी.का क्या होगा, वह किस चौखट पर उम्मीद लेकर जाएगा?

राजा, मंत्री, चोर, सिपाही

बच्चों में बड़ा लोकप्रिय खेल है राजा, मंत्री,, चोर सिपाही। इसमें राजा मंत्री को आदेश देता है कि चोर को पकड़े। मंत्री अगर सही चोर को नहीं पकड़ पाता तो मंत्री को सजा मिलती है। बहरहाल, छत्तीसगढ़ में उल्टा हो रहा है। एक मिनिस्टर साब चोर याने आरोपी को ही बचाने मौके पर पहुंच गए। बात अंबिकापुर की है। वहां के पैसे वाले बड़े होटल कारोबारी का विस्फोटक पदार्थ का उल्टा-सीधा काम है। दो रोज पहले उसमें अचानक आग लग गई। आग भी ऐसी भीषण की, जिला प्रशासन को एसईसीएल, आदानी के दो दर्जन से अधिक दमकल झोंकना पड़ा। सही समय पर अगर आग पर काबू नहीं किया गया होता, तो आसपास के इलाके उसकी चपेट में आ गए होते। दुकान के पाटे पर सहज-सरल भाव से बैठ आग की लपटों को निहारते हुए मंत्रीजी ने घटना को छोटा बताते हुए मीडिया को बाइट दिया। अब जब मंत्रीजी मौके पर पहुंच घटना को छोटा बता रहे तो फिर अंबिकापुर पुलिस में इतनी हिम्मत कहां? पुलिस ने मामूली जमानती धाराएं लगाकर पल्ला झाड़ लिया। लेकिन विस्फोटक कारोबारी पर अतिशय मेहरबानी करने की बात किसी ने राजधानी रायपुर पहुंचा दी। और राजधानी से सरगुजा आईजी को फरमान जारी हो गया। दरअसल, सुशासन तिहार का वक्त है। ऐसी चीजें अगर सोशल मीडिया में उछलती तो खामोख्वाह सिस्टम की छबि को नुकसान पहुंचता। सो, राजधानी से सरगुजा आईजी को फरमान गया और उन्होंने एसएसपी को नोटिस जारी कर दिया। जाहिर है, सिस्टम के तेवर के बाद अब अग्निकांड में पर्याप्त धाराएं लग जाएंगी। मगर इस मामले में मंत्रीजी बुरी कदर एक्सपोज हो गए।

अफसरों का ट्रांसफर

सुशासन तिहार-02 प्रारंभ हो गया है। जिलों में समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कुछ शिविरों में मुख्यमंत्री भी जाएंगे तो कहीं औचक निरीक्षण के लिए उनका उड़नखटोला भी उतरेगा। सुशासन तिहार शुरू होने के बाद भी अफसरशाही में सबसे बड़ा सवाल ट्रांसफर का है। दरअसल, यह पहला मौका है, जब लंबे समय से अफसरशाही में तबादले नहीं हुए हैं। मंत्रालय में कई सचिवों के ढाई-तीन साल हो गए हैं तो जिलों में कलेक्टर, एसपी के भी ट्रांसफर अवेटेड रहे हैं। कई एसपी के टाईम भी ओवर हो रहे हैं। ऐसे में, ट्रांसफर को लेकर जिज्ञासा लाजिमी है। यह भी सही है कि पिछले साल सुशासन तिहार के दौरान ही अप्रैल एंड में राजनांदगांव के कलेक्टर संजय अग्रवाल को बिलासपुर शिफ्ट किया गया था। मगर इस बार क्या होगा, इस संदर्भ में अभी कुछ फायनल नहीं हुआ है। सरकार का पूरा फोकस इस समय सुशासन तिहार में आम आदमी की समस्याओं के निवारण पर है। इसलिए, जिलों में चेंज का नहीं लगता। मुख्यमंत्री को अगर समय मिला तो सचिवों के विभाग बदलने पर जरूर कोई चर्चा हो सकती है।

कलेक्टर, एसपी का कार्यकाल?

छत्तीसगढ़ में पिछले छह-सात साल से ऐसा हो रहा कि कलेक्टर, एसपी छह महीने, एक साल में बदल जा रहे। रमन सिंह सरकर के दौर तक दो साल अफसरों का न्यूनतम कार्यकाल होता था। राजेश सुकुमार टोप्पो ने आईएएस के कैरियर में एक जिला किया है। मगर राज्य बनने के बाद कलेक्टर के तौर पर उनका रिकार्ड है। वे करीब साढ़े तीन साल तक बलौदा बाजार के कलेक्टर रहे। इसी तरह मध्यप्रदेश के दौर में आईपीएस शैलेंद्र श्रीवास्तव साढ़े तीन साल से अधिक समय तक बिलासपुर के एसपी रहे। इसलिए, सरकार पर निर्भर करता है...वो किस अफसर को कितने दिन जिले में रखती है। वैसे कलेक्टर, एसपी के साढ़े तीन साल के उदाहरण तो इसी प्रदेश में है।

हफ्ते का कोट

'जीवन में आनंद साधन से नहीं, साधना से प्राप्त होते हैं।' और 'किसी को चोट पहुंचाना उतना ही आसान है, जितना पेड़ का एक पत्ता तोड़ना, लेकिन किसी को सुखी करना एक पेड़ उगाने जैसा है, इसमें बहुत समय, देखभाल और धैर्य लगता है।'

अंत में दो सवाल आपसे?

1. किस आईजी के क्रियाकलापों से पुलिस की छबि खराब हो रही है?
2. क्या ये सही है कि अफसरशाही में भी जातिवाद का वायरस घुसने लगा है?

सीएम की दो टूक- वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों में सुरक्षा मानकों का अक्षरशः पालन करें

हरिभूमि न्यूज़ः रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मध्यप्रदेश में हाल ही में हुए क्रूज हादसे की दुखद घटना के परिप्रेक्ष्य में छत्तीसगढ़ में संचालित सभी वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करते हुए सुरक्षा मानकों का सुदृढ़ता से पालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, जन सुरक्षा के विषय में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही पूर्णतः अस्वीकार्य होगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धमतरी और कोरबा सहित अन्य सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया कि जिन स्थलों पर वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियां संचालित हो रही हैं, वहां सुरक्षा मानकों का तत्काल परीक्षण (सुरक्षा ऑडिट) सुनिश्चित किया जाए तथा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का अक्षरशः पालन कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संबंधित वाटर स्पोर्ट्स स्थलों पर उपयोग में लाए जा रहे उपकरणों का नियमित तकनीकी परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। प्रशिक्षित एवं दक्ष मानव संसाधन की तैनाती की जाए तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु समुचित आपातकालीन प्रबंधन तंत्र सक्रिय रखा जाए। साथ ही रेस्क्यू उपकरणों, लाइफ जैकेट एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता एवं कार्यशील स्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

उन्होंने कलेक्टरों को यह भी निर्देशित किया कि वे इन व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करें तथा किसी भी स्तर पर सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित अधिकारियों/संचालकों की जवाबदेही निर्धारित करते हुए आवश्यकतानुसार दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य शासन नागरिकों एवं पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करता है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियां पूर्णतः सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं मानक अनुरूप संचालित हों, जिससे संभावित जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

नियमित समीक्षा करें

इन सभी व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा की जाए और समय-समय पर इसकी रिपोर्ट राज्य शासन को प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि सतर्कता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए ही हम जन-जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

सुशासन तिहार में अवैध शराब बिक्री, सीमांकन-नामांतरण नहीं होने जैसी शिकायतें भी पहुंच रहीं

2 दिन में 22 जिलों से 14 हजार 6 सौ से ज्यादा आवेदन, 95 फीसदी से ज्यादा आवेदन मांगों से संबंधित

हरिभूमि न्यूज़ःरायपुर

सुशासन तिहार अभियान में 2 दिन में ही साढ़े 14 हजार से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं। मांगों से जुड़े आवेदनों के अलावा अलग-अलग तरह की शिकायतें भी शासन-प्रशासन को मिल रही हैं। हालांकि 2 दिनों में सिर्फ 7 सौ के आसपास ही शिकायतें मिलीं हैं, जो कुल आवेदन के 5 फीसदी से भी कम है। अभियान में जो शिकायतें मिलीं हैं उसमें नशीले पदार्थ और अवैध शराब बिक्री की 8 और एफआईआर दर्ज नहीं करने की भी एक शिकायत शामिल है। पोर्टल में दर्ज जानकारी के मुताबिक राजस्व विभाग की भी शिकायतें शासन तक पहुंचने लगी हैं। सीमांकन, नामांतरण नहीं होने की आधा दर्जन से ज्यादा शिकायतें आई हैं। इसी तरह अतिक्रमण, भूमि विवाद के भी दर्जनभर मामले पहुंचे हैं। बिजली से जुड़ी काफी शिकायतें भी अलग-अलग जिलों में पहुंची हैं। ट्रांसफार्मर, खंभे नहीं होने या उसमें बार-बार खराबी की 8 शिकायतें आ चुकी हैं। बिजली बिल को लेकर भी 4 लोगों ने शिकायत की है। स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों/कर्मियों की कमी की भी 2 शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। स्कूलों में शिक्षकों की अनुपस्थिति की भी लोगों ने शिकायत दर्ज कराई है।

सबसे ज्यादा आवेदन आवास, नगरीय एवं ग्रामीण विकास की

सुशासन तिहार में जो 14694 आवेदन 2 दिनों में आए हैं, उसमें सबसे ज्यादा 7835 आवास, नगरीय एवं ग्रामीण विकास से संबंधित है। इसमें भी ज्यादातर आवेदन प्रधानमंत्री आवास और विकास कार्यों से संबंधित हैं। खाद्य एवं उपभोक्ता मामले के 1488, राजस्व एवं भूमि संबंधित 1238, महिला समाज कल्याण के 844 एवं जल संसाधन विभाग के 799 आवेदन पहुंचे हैं।

मंत्री-विधायक एवं अफसर भी पहुंचने लगे

सुशासन तिहार अभियान में पहले दिन से ही मंत्री-विधायक और अफसर सक्रिय हो गए हैं। मंत्री जहां अपने क्षेत्रों के गांवों में जाकर लोगों के आवेदन लेकर उसके निराकरण के निर्देश दे रहे हैं। वहीं विधायक भी लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं। अधिकारी और सरकारी अमला लोगों के आवेदन लेकर उसे निराकरण के लिए संबंधित विभागों में भेज रहे हैं।

मोबाइल झपटमारी आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। पंडरी पुलिस ने मोबाइल झपटमारी करने के आरोप में एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश के तीन अन्य साथियों की पुलिस पतासाजी कर रही है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने पौने तीन लाख रुपए कीमत की महंगे आईफोन सहित एक दर्जन मोबाइल जब्त किए हैं। शातिरों ने सिविल लाइंस, देवेंद्र नगर, विधानसभा, खम्हारडीह सहित कई थाना क्षेत्रों में मोबाइल लूट की थी।

ड्रग रैकेट से जुड़े नाईजीरियन के साथ दिल्ली का तस्कर गिरफ्तार

ड्रग रैकेट का नाईजीरिया से संचालन

क्राइम ब्रांच पुलिस ने एंड टू एंड कार्रवाई में आरोपियों को दिल्ली से किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ःरायपुर

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स तथा एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने ड्रग तस्करों के खिलाफ एंड टू एंड कार्रवाई करते हुए इंटरनेशनल ड्रग रैकेट से जुड़े एक नाईजीरियन तथा एक दिल्ली के ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ड्रग बिक्री की रकम पौने दस लाख रुपए जब्त किए हैं। पुलिस ने एक माह पूर्व कुरियर के माध्यम से बीपी मशीन में ड्रग मंगाने की पड़ताल के दौरान इन दोनों ड्रग तस्करों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार नाईजीरियन वर्ष 2024-25 में वीजा उल्लंघन के आरोप में जेल जा चुका है।

पुलिस ने ड्रग तस्करी करने के आरोप में नाईजीरिया, मारोको निवासी तोचकू अफामे उर्फ प्रिंस चार्ल्स तथा दिल्ली निवासी सन्नी शर्मा को गिरफ्तार किया है। डीसीपी क्राइम स्मृति राजनाला, डीसीपी सेंट्रल उमेश गुप्ता के अनुसार गिरफ्तार तस्कर छत्तीसगढ़ के साथ देश के अलग-अलग राज्यों में अपने पैडलरों के माध्यम से ड्रग तस्करी करते थे। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने आठ मोबाइल जिसमें पांच आईफोन तथा तीन चेकबुक जब्त किए हैं।

छह महीने में दो करोड़ की ड्रग तस्करी

आरोपियों के बैंक अकाउंट की जांच करने पर पुलिस ने पाया कि आरोपियों ने छह महीने के अंदर दो करोड़ रुपए से ज्यादा का ड्रग तस्करी कर खपाया है। ड्रग तस्करी का संचालन डार्क वेब के माध्यम से नाईजीरिया से संचालित किया जा रहा था। ड्रग रैकेट का संचालन नाईजीरिया में बैठे चीची नामक ड्रग तस्कर तोचकू के माध्यम से देश के अलग-अलग राज्यों में कर रहा था। पुलिस को ड्रग नेटवर्क चेन में कई और नाईजीरियन के साथ देश के अलग-अलग राज्यों के ड्रग तस्करों के जुड़े होने की जानकारी मिली है।

ढाई करोड़ रुपए का सूखा नशा जब्त

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स तथा एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने अब तक एनडीपीएस की कार्रवाई करते हुए तीन दर्जन प्रकरण में 93 तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो करोड़ 48 लाख रुपए से ज्यादा कीमत का मादक पदार्थ जब्त किया है। पुलिस द्वारा जब्त मादक पदार्थ में तीन क्विंटल गांजा के साथ 30 लाख रुपए से ज्यादा का कैश शामिल है।

पैसा ट्रांसफर करने पर मिलता था कमीशन

ड्रग तस्करी के आरोप में गिरफ्तार सन्नी नाईजीरिया के ड्रग तस्करों को अकाउंट उपलब्ध कराता था। ड्रग बिक्री की रकम सन्नी अपने तथा म्यूल अकाउंट में मंगवाता था। इसके बाद सन्नी उक्त रकम नाईजीरिया के ड्रग तस्कर चीची के अकाउंट में ट्रांसफर करने का काम करता था। इसके एवज में सन्नी को ड्रग तस्कर मोटी रकम कमीशन देते थे।

सरकार सुनिश्चित करे बस्तर में बिछी बारूदी सुरंगों से और जानें न जाएंः बैज

हरिभूमि न्यूज़ः रायपुर

- कांकेर में आईईडी ब्लास्ट की घटना पर बैज और किरण ने जताया शोक

कांकेर में माओवादियों द्वारा लगाये गये आईईडी ब्लास्ट में एक इंस्पेक्टर और तीन सिपाही के शहीद होने की घटना पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, यह घटना बहुत दुखद है, ईश्वर शहीद जवानों की आत्मा को शांति दे तथा उनके परिजनों को इस असीम दुख को सहने की शक्ति दे। इस दुखद घटना में जो जवान घायल हुए हैं, उनका समुचित इलाज हो, ईश्वर उन्हें शीघ्र स्वस्थ करे।

उन्होंने कहा, इससे साफ हो रहा कि खतरा अभी समाप्त नहीं हुआ है। नक्सलवाद एक ऐसा दंश है, जिसे छत्तीसगढ़ विशेष तौर पर बस्तर के लोग लंबे समय से झेल रहे हैं। सरकार केवल हवाई दावे करके अपने कर्तव्य से मुंह न मोड़े। सरकार यह भी सुनिश्चित करे कि अब वहां पर कोई और मौत नहीं हो। पूरे बस्तर में खतरनाक आईईडी प्रेशर बम जैसे न जाने कितनी घातक बारूदी सुरंगों का जखीरा दबा होगा, उसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता। सरकार इनसे छुटकारा के लिए विशेष अभियान चलाये, यह सुरंगें न सिर्फ सुरक्षा बलों, आम आदिवासी के लिए भी घातक है।

आकस्मिक घटना अत्यंत पीड़ादायक- किरण

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कांकेर-नारायणपुर सीमा क्षेत्र में डी-माइनिंग और सर्च ऑपरेशन के दौरान शनिवार को हुए दुर्भाग्यपूर्ण आईईडी विस्फोट में शहीद जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा, माओवादियों द्वारा सुरक्षा बलों और निर्दोष ग्रामीणों को नुकसान पहुँचाने के इरादे से बिछाए गए आईईडी को हमारे सतर्क जवान लगातार बरामद कर निष्क्रिय कर रहे हैं। हाल के महीनों में सैकड़ों आईईडी बरामद कर बड़ी घटनाओं को टाला गया है, किंतु आज की यह आकस्मिक दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है। राज्य सरकार और संगठन पूरी तरह से शहीद जवानों के परिवारों के साथ खड़ा है।

विपरीत असर डालने वाली दवाओं का हेल्थ सेंटरों में लेखा-जोखा नहीं, रजिस्टर मेंटेनेंस की हिदायत

हरिभूमि न्यूज़ः रायपुर

- वैक्सीन और दवाओं का स्टॉक रखने निर्देश, दस अस्पतालों में पहुंची टीम

स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालने वाली दवाओं का रिकार्ड रखने में सरकारी अस्पताल गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। जांच के लिए पहुंची औषधि निरीक्षकों की टीम ने दस हेल्थ सेंटरों को रजिस्टर मेंटेनें की सख्त हिदायत दी है। इसके अलावा मौजूदा वैक्सीन के रखरखाव के साथ दवाओं के स्टॉक को भी सटीक रखने कहा गया है।

निजी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने सरकारी अस्पतालों को जांच दायरे में लाया है। टीम जांच के लिए शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मठपुरैना, चंगोराभाठा, भाठागांव, खोखो पारा, शुक्रवारी बाजार, रामनगर, हमर अस्पताल गुढ़ियारी के साथ जिला अस्पताल पंडरी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राखी, मंदिर हसौद के साथ हेल्थ मार्ट टेमरी (माना) में जाकर जांच की। नियमों के अनुसार स्वास्थ्य केंद्रों में फार्मेकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के तहत विपरीत असर डालने वाली दवाओं का रिकार्ड रखना जरूरी होता है मगर किसी हेल्थ सेंटरों ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया है।

स्टाफ को सख्त हिदायत दी गई है कि इस काम को अनिवार्य रूप से करें। इसके अलावा वहां वैक्सीन के रख-रखाव से संबंधित रेफ्रिजरेटर के कैलिब्रेशन रिकॉर्ड, वैक्सीन भंडारण हेतु मानक संचालन प्रक्रिया, बैच स्टॉक रजिस्टर, तापमान निगरानी रजिस्टर की जांच की। जांच टीम में औषधि निरीक्षक ईश्वरी नारायण सिंह, डॉ. टेकचंद धीरहे, डॉ. सुरेश कुमार साहू, हंसा साहू, प्रीति उपाध्याय एवं ओम प्रकाश यादव शामिल थे।

बड़ी सौगात, अगले सप्ताह से खुल सकता है कचना ब्रिज, वर्षों के जाम से मिलेगी मुक्ति

हरिभूमि न्यूज़ः रायपुर

राजधानी रायपुर के बहुप्रतीक्षित कचना फ्लाईओवर का इंतजार अब खत्म होने वाला है। वर्षों से रेलवे क्रॉसिंग पर रोज लगने वाले जाम से जूझ रहे हजारों लोगों को अगले सप्ताह बड़ी राहत मिलने जा रही है। फ्लाईओवर का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और फिलहाल डामरीकरण का काम अंतिम चरण में है। इसके पूरा होते ही अगले सप्ताह किसी भी दिन से इस पर आवागमन शुरू कर दिया जाएगा। शुरू में ब्रिज को ट्रायल के तौर पर खोला जाएगा, ताकि सर्विस रोड का काम समानांतर रूप से चलता रहे। पूरे प्रोजेक्ट को इस माह के अंत तक पूर्ण कर लेने का लक्ष्य है, जिसके बाद राज्य सरकार द्वारा इसका विधिवत उद्घाटन किया जाएगा।

करीब 36 करोड़ रुपए की लागत से अक्टूबर 2023 में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट अब अंतिम पड़ाव पर है। हालांकि, निर्माण के अंतिम चरण में डामर की कीमतों में अचानक आई बढ़ोतरी ने काम को प्रभावित किया। ठेकेदार के. चंद्रशेखर राव के अनुसार, 13 अप्रैल को विशाखापट्टनम स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम प्लांट से 180 टन डामर 82 हजार रुपए प्रति टन के हिसाब से खरीदा गया था और भुगतान भी कर दिया गया था। बावजूद इसके, कीमत बढ़ने के बाद कंपनी ने सप्लाई रोक दी और नई दर पर भुगतान की शर्त रख दी। लंबी बातचीत के बाद 100 टन डामर पुरानी दर पर मिला, जबकि शेष 80 टन 98 हजार रुपए प्रति टन की दर से खरीदना पड़ा। इससे निर्माण लागत में करीब 80 लाख रुपए का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया। ठेकेदार के मुताबिक, ब्रिज पर डामरीकरण का काम सोमवार या मंगलवार तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद सर्विस रोड पर काम शुरू होगा।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

कबीरधाम जिले के पंडरिया जनपद पंचायत में राज्य के अंतिम छोर पर स्थित बिरहुलडीह पंचायत का आश्रित ग्राम कुंडापानी में बूंद-बूंद पानी के लिए ग्रामीण संघर्ष कर रहे हैं। मध्यप्रदेश सीमा से सटे इस दुर्गम पहाड़ी गांव में 200 लोग रहते हैं। यहां विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा रहते हैं, जो पीने के पानी के लिए झिरिया पर निर्भर हैं। वह भी उन्हें रोज करीब 3 किलोमीटर जोखिम भरी पैदल यात्रा के बाद नसीब होता है।

जल स्रोत प्रमुख समस्या

इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता दिलीप राजपूत ने बताया कि क्षेत्र में जलस्रोत की समस्या है, लेकिन हैंडपंप में अतिरिक्त पाइप डालने और नई मशीन की स्वीकृति मिल चुकी है, जिसे जल्द स्थापित किया जाएगा।

खतरनाक पहाड़ी रास्ते से कई किलोमीटर चलकर लाना पड़ता है पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पंडरिया (कवर्धा)

हरिभूमि लगातार

गांव में स्थापित सरकारी हैंडपंप लंबे समय से बंद पड़ा है, जबकि पानी टंकी केवल दिखावे तक सीमित है। नल-जल योजनाओं के दावे यहां पूरी तरह खोखले नजर आते हैं। ग्रामीणों को मजबूरी में पहाड़ी से नीचे उतरकर प्राकृतिक जलस्रोतों तक पहुंचना पड़ता है और फिर भरी मटकी के साथ खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। ग्रामीणों ने बताया कि "आमाचुआ' और "उमरझोरी" नामक झिरिया ही उनके जीवन का सहारा हैं, जिन्हें उन्होंने स्वयं श्रमदान से तैयार किया है। हालांकि इन तक पहुंचने का रास्ता बेहद खतरनाक और उबड़-खाबड़ है, जिससे ▶▶|शेष पेज 6 पर

योजनाएं कागजों में, गांव में सूखा

सरकार द्वारा जल जीवन मिशन और अन्य योजनाओं के तहत करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन कुंडापानी जैसे गांवों में इनका कोई असर नहीं दिखता। गांव में लगा हैंडपंप महीनों से खराब पड़ा है और पानी टंकी केवल शोपीस बनकर रह गई है। न तो पाइपलाइन से पानी पहुंच रहा है और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं हुआ। यह स्थिति प्रशासनिक लापरवाही और निगरानी की कमी को उजागर करती है, जहां योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह गई हैं और ग्रामीण आज भी मूलभूत जरूरतों के लिए जूझ रहे हैं।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

प्रसून जोशी को प्रसार भारती के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली। प्रख्यात गीतकार, लेखक प्रसून जोशी को भारत के सार्वजनिक प्रसारक 'प्रसार भारती' का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जोशी के कार्यों में प्रशंसित फिल्मी गीत, विज्ञापन लेखन और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियां शामिल हैं, जो देश भर के विविध दर्शकों से जुड़ती हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में प्रसून जोशी की नियुक्ति पर मेरी हार्दिक बधाई।

अमेरिका में आंध्र के युवक ने की आत्महत्या

कुरनूल। आंध्र प्रदेश में कुरनूल जिले के 26-वर्षीय एक युवक ने अमेरिका में कथित तौर पर कर्ज के बोझ से परेशान होकर हाल ही में आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गुप्त रखी जाए, क्योंकि उसके माता-पिता बुजुर्ग हैं और कई बीमारियों से पीड़ित हैं। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने शोक व्यक्त किया। मृतक के पार्थिव शरीर को स्वदेश वापस लाने में सहायता का आश्वासन दिया। लोकेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

बस पलटी, दो तीर्थयात्रियों की मौत, 15 अन्य घायल

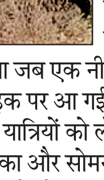

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले में एक बस के पलट जाने से दो महिलाओं की मौत हो गई और कम से कम 15 अन्य यात्री घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब एक नीलगाय अचानक सड़क पर आ गई। यह बस लगभग 40 यात्रियों को लेकर भावनगर से द्वारका और सोमनाथ की यात्रा पर जा रही थी। यह दुर्घटना मंगरोल कस्बे से कुछ किलोमीटर दूर रहीज गांव के पास दोपहर तीन बजे हुई, जब चालक ने सड़क पर अचानक आई नीलगाय को देखा और वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा।

करंट लगने से छात्र समेत तीन ने दम तोड़ा

बरेली। बरेली जिले के ग्रामीण इलाकों में दो अलग-अलग घटनाओं में करंट लगने से एक छात्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश और अधीक्षण अभियंता ग्रामीण ज्ञानेश सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये घटनाएं तकनीकी कारणों से हुईं तथा प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। पहली घटना में अलीगंज थानाक्षेत्र के सूदनपुर गांव में सुबह 11 हजार वोल्ट का करंट घरों में आ गया।

शांति की कोशिश को झटका, मिडिल ईस्ट में फिर युद्ध की आहट

अमेरिका पर रत्तीभर भरोसा नहीं, ट्रंप ने ऑफर ठुकराया तो ईरान ने दिए फिर जंग के संकेत

एजेंसी ▶▶| तेहरान/दुबई

मिडिल ईस्ट में शांति की कोशिशों के बीच बड़ा झटका लगा है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है। शनिवार को ईरानी सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने साफ कहा कि दोनों देशों के बीच दोबारा युद्ध छिड़ सकता है। उन्हें ट्रंप पर भरोसा नहीं है। यह बयान तब आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

ईरानी सशस्त्र बल मुख्यालय के उप प्रमुख मोहम्मद जाफर असदी ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका किसी भी समझौते के प्रति ईमानदार नहीं है। असदी के मुताबिक, ईरानी सेना पूरी तरह सतर्क है और अगर अमेरिका कोई नई हरकत करता है तो उसका जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी अधिकारियों के बयान अक्सर सिर्फ मीडिया को ध्यान में रखकर दिए जाते हैं। उनका कहना है कि इन बयानों का मकसद तेल की कीमतों में गिरावट को रोकना और अपनी बनाई हुई स्थिति से बाहर निकलना होता है।

इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन उसकी शर्तें स्वीकार करने लायक नहीं हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान का नेतृत्व बिखरा हुआ है और एकजुट नहीं है। वह इस प्रस्ताव से खुश नहीं हैं और मौजूदा शर्तों पर कोई समझौता संभव नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति का कड़ा बयान

दरअसल, इस पूरे मामले में हलचल तब और बढ़ गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बेहद कड़ा बयान सामने आया। ट्रंप ने साफ-साफ कह दिया कि हम पागलों के हाथ में परमाणु हथियार नहीं दे सकते। ट्रंप की इस एक लाइन ने पहले से चल रही खींचतान में आग में घी डालने का काम किया है। उनके इस बयान को सीधे तौर पर ईरान के लिए एक बड़ी चेतावनी माना जा रहा है, जिसने दोनों देशों के बीच के माहौल को और भी ज्यादा गंभीर बना दिया है।

स्थिति तनावपूर्ण, दुनिया की नजरें टिकीं

फिलहाल हालात काफी नाजुक बने हुए हैं। एक तरफ अमेरिका सख्त रुख अपनाए हुए है, तो दूसरी तरफ ईरान भी पीछे हटने के मूड में नहीं दिख रहा। ऐसे में यह देखना अहम होगा कि आने वाले दिनों में बातचीत का रास्ता निकलता है या फिर टकराव और बढ़ता है।

ईरान का साफ संदेश- हम तैयार हैं

ईरान की तरफ से यह भी कहा गया है कि उनकी सेना पूरी तरह अलर्ट पर है। अगर हालात बिगड़ते हैं या अमेरिका की तरफ से कोई नई कार्रवाई होती है, तो उसका जवाब देने के लिए वे तैयार हैं। असदी ने कहा कि अगर कोई 'नई हरकत या गलती' होती है, तो ईरान पीछे हटने वाला नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका के कई बयान सिर्फ दिखावे के लिए दिए जा रहे हैं।

अमेरिका ने चीन स्थित कच्चे तेल टर्मिनल संचालक पर लगाया बैन

वाशिंगटन। अमेरिका ने चीन स्थित एक कच्चे तेल टर्मिनल संचालक पर ईरानी संस्थाओं से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात करने पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका ने चेतावनी भी दी है कि अगर किसी अन्य ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए तेहरान को कोई 'शुल्क' दिया, तो उसे भी ऐसे ही परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने एक बयान में कहा, अमेरिका ईरान के अवैध तेल व्यापार को बाधित करने के लिए निर्णायक कार्रवाई कर रहा है। यह व्यापार ईरानी शासन की आय का मुख्य स्रोत है, जिससे आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता को वित्तीय मदद मिलती है। पिगॉट ने कहा कि मंत्रालय ने ईरानी पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों के व्यापार में शामिल कई संस्थाओं, एक व्यक्ति और एक पोत पर प्रतिबंध लगाए हैं। इस कार्रवाई के तहत चीन स्थित पेट्रोलियम टर्मिनल संचालक क्विंगदाओ हाइये ऑयल टर्मिनल कंपनी लिमिटेड को निशाना बनाया गया है।

बरगी बांध में क्रूज हादसा

दो और बच्चों के शव मिले अभी भी दो लोग लापता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जबलपुर

बरगी बांध में क्रूज डूबने की घटना ने पूरे प्रदेश को रुला दिया। हादसे की भयाभयता और मां बेटे के लिपटे हुए शव लोगों की आंखों में तैर रहे हैं। तीसरे दिन भी जारी सर्च ऑपरेशन के दौरान रेस्क्यू टीम को शनिवार शाम 4 साल के विराज सोनी एवं 6 साल का तमिल का शव बरगी डैम से बरामद हुआ। दिनभर तलाश के बाद शाम को यह सफलता मिली। प्रशासन के अनुसार अभी भी तीन लोग लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए अभियान लगातार चलाया जा रहा है। घटनास्थल और आसपास के इलाकों में सुरक्षा और निगरानी बढ़ा दी गई है।

तो, मैं क्रूज को पानी में उतारता ही नहीं

जबलपुर में पकड़े गए क्रूज पायलट महेश पटेल ने हादसे के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि मौसम की पहले से जानकारी नहीं थी, नहीं तो क्रूज को पानी में नहीं उतारते। एमपी टूरिज्म के अधिकारियों को पूछताछ में पटेल ने बताया है कि उसने हादसे के लिए अपनी जिम्मेदारी स्वीकारते हुए माफी मांगी है।

तेज लहरें और क्रूज पलट गया

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज हवाओं के कारण पानी में तेज लहरें उठने लगीं जिससे यात्रियों ने शोर मचाया और चालक दल से क्रूज को किनारे ले जाने की मांग की। क्रूज में मौजूद रहे एक व्यक्ति ने चालक दल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि अंतिम समय में लाइफ जैकेट के लिए अफरा-तफरी मच गई थी।

तंबाकू खाने वाले पुरुषों का राष्ट्रीय औसत 38 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 43 महिलाओं का राष्ट्रीय औसत 8.9 प्रतिशत, जबकि छत्तीसगढ़ में 17.3

तंबाकू के नशे में भी छत्तीसगढ़ आगे, राष्ट्रीय औसत से अधिक और महिलाएं भी खैनी की शौकीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में तंबाकू शौक से आगे बढ़कर नशे का रूप लेता जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ के पुरुष एवं महिलाएं, दोनों ही राष्ट्रीय औसत से ज्यादा तंबाकू का सेवन करते हैं। पुरुष करीब 3 फीसदी ज्यादा तंबाकू खाते हैं वहीं महिलाओं का आंकड़ा चिंता में डालता है। छत्तीसगढ़ की महिलाएं राष्ट्रीय औसत से दोगुना तंबाकू चबा रही हैं। भारत में तंबाकू के सेवन को लेकर जारी किए गए ताजा आंकड़े छत्तीसगढ़ के लिए चिंताजनक तस्वीर पेश कर रहे हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे एनएफएचएस -5) की रिपोर्ट के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में तंबाकू का सेवन करने वाले पुरुषों और महिलाओं, दोनों की संख्या राष्ट्रीय औसत से काफी ▶▶|शेष पेज 6 पर

क्षेत्र	पुरुष	महिला
छत्तीसगढ़	43.1	17.3
भारत (औसत)	38.0	8.9
मध्य प्रदेश	46.4	10.3
उत्तर प्रदेश	44.0	8.5
महाराष्ट्र	33.8	11.0
दिल्ली	26.2	2.2

आंकड़ों की जुबानी, छत्तीसगढ़ बनाम भारत

सर्वेक्षण के अनुसार, जहां भारत में औसतन 38 प्रतिशत पुरुष तंबाकू का सेवन करते हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में यह आंकड़ा 43.1 प्रतिशत है। महिलाओं के मामले में स्थिति और भी गंभीर है। देश में तंबाकू सेवन का औसत 8.9 प्रतिशत है, जबकि छत्तीसगढ़ में यह लगभग दोगुना 17.3 प्रतिशत दर्ज किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी और स्थानीय स्तर पर बीड़ी, गुटखा और खैनी की आसान उपलब्धता ने इस नशे को घर-घर तक पहुंचा दिया है। दक्षिण भारतीय राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में तंबाकू का प्रसार लगभग दोगुना पाया गया है।

राष्ट्रीय औसत से दोगनी महिलाएं यहां खाती हैं खैनी

महिलाओं में बढ़ता रुझान: छत्तीसगढ़ में महिलाओं द्वारा तंबाकू का उपयोग (17.3 प्रतिशत) राष्ट्रीय औसत (8.9 प्रतिशत) से लगभग(8.4 प्रतिशत) अधिक है। यह लक्षद्वीप और उत्तर-पूर्वी राज्यों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों से ज्यादा है। छत्तीसगढ़ की स्थिति उत्तर-पूर्वी राज्यों (जैसे मिजोरम (73.1 प्रतिशत) और त्रिपुरा (57.2 प्रतिशत) से तो बेहतर है, लेकिन मुख्य भूमि के विकसित राज्यों की तुलना में यहाँ नशे का प्रसार बहुत अधिक है। जानकारों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी और स्थानीय स्तर पर बीड़ी व गुटखा की आसान उपलब्धता इस उच्च औसत का मुख्य कारण हो सकती है।

इलाके में सनसनी

जज ने लगाई फांसी बाथरूम में मिला शव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली के ग्रीन पार्क इलाके में शनिवार को एक जज ने आत्महत्या कर ली। 30 वर्षीय अमन कुमार शर्मा कड़कड़डूमा अदालत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के रूप में कार्यरत थे। वे अपने घर में मृत पाए गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या की। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

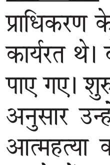

पिता को फोन कर बताया, मैं बहुत परेशान चल रहा हूं

मृतक के रिश्तेदार राजेश शर्मा ने बताया कि अमन शर्मा ने रात 10 बजे अपने पिता को फोन किया था और बोला था मै बहुत परेशान हूं, मेरा जीना मुश्किल हो गया है। पिता ने अमन का हौसला बढ़ाया और पूछा बेटा क्या हुआ? रात में ही पिता अलवर से दिल्ली के लिए निकल गए।

महिला टी20 विश्व कप टीम: यास्तिका नंदिनी की एंट्री, प्रतिका-अमनजोत बाहर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारत ने शनिवार को इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरू होने वाले आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम में 'अनकैप्ड' (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया। जहां विशेषज्ञ बल्लेबाज प्रतिका रावल और हरलीन देओल को टीम से बाहर रखा गया, वहीं ऑलराउंडर अमनजोत कौर और काशवी गौतम चोट के कारण चयन से चूक गईं। हरमनप्रीत कौर सभी टीमों की कप्तानी करेंगी।

टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज और टी20 विश्व कप की भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (दूसरी विकेटकीपर), नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव।

पाक से भिड़ेगी भारतीय टीम

चुनी गई यह टीम विश्व कप से पहले मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 28 मई से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भी हिस्सा लेगी। भारत 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ मैच से अपने अभियान की शुरुआत करेगा। फाइनल पांच जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। भारत ने अब तक टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीता है।

समोसा अब 30 रुपए प्लेट, नाश्ता भी महंगा, कई शहरों में बढ़ गए 5 रुपए

तपती गैस, महंगा तेल...समोसा-कचौड़ी का बिगड़ा खेल

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में करीब 1000 रुपये के भारी उछाल ने छत्तीसगढ़ जायके का गणित बिगाड़ दिया है। आसमान छूती गैस की कीमतों के कारण होटल और ठेलों पर समोसा-कचौरी अब 5 से 10 रुपये तक महंगे हो गए हैं। औसत कीमत, प्रति प्लेट समोसा और कचौड़ी 30 रुपए है। कुछ जिलों में कीमत बढ़ गई है वहीं कुछ जगह कीमतों में दस से बीस फीसदी तक इजाफे की तैयारी है। धमतरी समेत कई जिलों में प्रति प्लेट 5 रुपए बढ़ा दिए हैं। महंगे सिलेंडर का असर खाने पीने की सभी चीजों पर पड़ा है। होटल व्यावसायी भारी दबाव में हैं। एक तरफ ग्राहकों की चिंता है वहीं दूसरी तरफ मुनाफे को बचाने की फिक्र है।

जिलों का हाल: स्थानीय संचालकों की जुबानी

अलग खबर

रायपुर । राजधानी में होटल व्यवसायी भारी दबाव में हैं। कटोरा तालाब स्थित 'न्यू नेता जी स्वीट्स' के हर्षद चंदानी ने बताया कि पूर्व में दाम बढ़ाकर समोसा 30 से 35 रुपये किया गया था। वहीं अपने स्वाद के लिए पहचाने जाने वाले मधु स्वीट्स के यश नारायण अग्रवाल समोसा 17 रुपये नग और शंकर नगर स्थित 'न्यू दिल्ली ▶▶|शेष पेज 6 पर

बिलासपुर: यहां महंगाई की सबसे ज्यादा मार पड़ी है। 'होटल संतोष भुवन' के संचालक मनीष आवटी के मुताबिक सिलेंडर और तेल के दाम बढ़ने से महीने में 80 हजार का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। 'होटल शिवपुरी' के संचालक हर्षित केशरवानी ने बताया कि फिलहाल रेट नहीं बढ़ाते हुए समोसे और अन्य सामानों की साइज छोटी कर दी गई है।

कोरबा व बालोद

कोरबा के संचालकों का कहना है कि सिलेंडर की किल्लत और बढ़ी कीमतों के कारण 15-20 दिनों में 10 से 20 फीसदी रेट बढ़ सकते हैं। बालोद में भी होटल संचालक वर्तमान 20 रुपये की प्लेट को जल्द ही 30 रुपये करने पर विचार कर रहे हैं।

रायगढ़: रामनिवास टॉकिज चौक स्थित 'तुलसी होटल' के संचालक विनय अग्रवाल और 'करणी राजस्थानी भोजनालय' के राहुल अग्रवाल ने बताया कि प्रतिदिन 4-5 सिलेंडर की खपत होती है, ऐसे में पुराने रेट पर सेवा देना संभव नहीं है। यहां दो दिनों के भीतर मेन्यू में 15 फीसदी तक की बढ़ोतरी की तैयारी है।

शादी का बजट भी बिगड़ा: हलवाई रामजी चौहान के अनुसार, शादी-ब्याह में 500 लोगों की दावत में करीब 20 सिलेंडर लगते हैं, जिससे सीधे 20 हजार रुपये का बोझ बढ़ गया है। मंडप संचालकों का मानना है कि इससे प्रति प्लेट 50 से 250 रुपये तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

चुनाव खत्म होते ही देश की राजनीतिक धड़कनें तेज हो जाती हैं और इसी के साथ एग्जिट पोल का दौर शुरू होता है। टीवी स्क्रीन, डिजिटल प्लेटफॉर्म व सोशल मीडिया पर आंकड़ों की बाढ़ आ जाती है, जहां हर एजेंसी अपने-अपने अनुमान पेश करती है। ये आंकड़े न सिर्फ राजनीतिक दलों के लिए रणनीतिक संकेत होते हैं, बल्कि आम मतदाता के लिए भी जिज्ञासा और बहस का विषय बन जाते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या एग्जिट पोल वास्तव में जनादेश का सटीक प्रतिबिंब हैं या महज एक अनुमान, जो कई बार हकीकत से काफी दूर होता है? पिछले कुछ वर्षों में एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। कई चुनावों में इनके नतीजे वास्तविक परिणामों से मेल नहीं खा पाए, जिससे जनता के बीच अविश्वास की भावना बढ़ी है। खासकर पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में, जहां सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक जटिलताएं अधिक हैं, एग्जिट पोल अक्सर वास्तविक जनमत को पकड़ने में असफल रहे हैं। दरअसल, भारत जैसे विशाल देश में कुछ हजार लोगों के सैंपल के आधार पर करोड़ों मतदाताओं के रुझान का सटीक आकलन करना चुनौतीपूर्ण है। फिर भी एग्जिट पोल पूरी तरह निरर्थक नहीं हैं। वे चुनावी प्रवृत्तियों, मतदाता मनोविज्ञान और संभावित राजनीतिक दिशा का एक प्रारंभिक संकेत जरूर देते हैं। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...।*

केवल प्रतिक्रियाओं के अनुसार मत न बनाएं

एग्जिट पोल

अवधेश कुमार

ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों व कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना हुआ है मानो सारे एग्जिट पोल आज तक गलत ही साबित हुए हैं। सच ऐसा नहीं है। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतने ही आ सकते हैं या आने चाहिए। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रेंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एक्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। कई बार गलत भी साबित हुए हैं। इसलिए केवल प्रतिक्रियाओं के आधार पर ही मत नहीं बनाएं।

भारत में ओपिनियन पोल यानी चुनाव पूर्व सर्वेक्षण हो या एग्जिट पोल मतदान के बाद का सर्वेक्षण ऐसा कोई वर्ष नहीं जब इस पर जबरदस्त विवाद तथा तू -तू -मैं -मैं न होती हो। मतदान के बहुमत की प्रवृत्ति या दिशा जिस पार्टी या समूह के विरुद्ध दिखाई जाती है यानी जिसके पराजित होने की संभावना व्यक्त होती है वह इसका विरोध करता है। हालांकि विरोध सामान्य या तथ्यों के आधार पर प्रश्न उठाया जाए या कोई तार्किक आपत्ति हो तो समस्या नहीं। अगर किसी एजेंसी या मीडिया संस्थान को ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल करने और उसे सामने लाने का अधिकार है तो संबंधित पार्टियों को भी विरोध करने का। किंतु पिछले कुछ वर्षों से ऐसी सभी एजेंसियों और संस्थाओं को भाजपा द्वारा या सरकार द्वारा प्रायोजित बता कर उसकी साख को भी समाप्त करने का अभियान चलता है।

पश्चिम बंगाल के एग्जिट पोल पर तृणमूल कांग्रेस की प्रतिक्रियाएं देख लीजिए। हालांकि इनमें भी ज्यादातर एजेंसियों ने तृणमूल और भाजपा के मतों मटन एवं सीटों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं दिखाया है। हां, ज्यादातर में भाजपा के विजय कि प्रवृत्ति अवश्य दर्शायी गई है। इनमें अंतर इतने महीन हैं कि इन एग्जिट पोलों के आधार पर भी आप निश्चयात्मक नहीं मान सकते कि हां यही परिणाम आएगा। केवल एक एजेंसी टुडेज चाणक्या ने भाजपा को तृणमूल से मतों एवं सीटों दोनों में काफी आगे बताया है। तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेत्री ममता बनर्जी से लेकर अभिषेक बनर्जी, उनके मंत्री, सांसद और यहां तक कि टीवी पर बैठने वाले प्रवक्ता व पैनलिस्ट एजेंसियों और चैनलो पर हमले कर रहे हैं। एक एजेंसी ने घोषणा कर दिया कि पश्चिम बंगाल का एग्जिट पोल नहीं दिखाएंगे और इसके कारण दिए हैं। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों तथा कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना हुआ है मानो सारे एग्जिट पोल आज तक गलत ही साबित हुए हैं। सच ऐसा नहीं है। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतने ही आ सकते हैं या आने चाहिए। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रेंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एक्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। कई बार गलत भी साबित हुए हैं। राजनीतिक दलों, एक्टिविस्टों और पत्रकारों के एक वर्ग की अपनी समस्या है। उन्हें केवल एग्जिट पोल को नकारना है। 2024 लोकसभा चुनाव परिणाम में एग्जिट पोलों के द्वारा दिए गए आंकड़ों से परिणाम भिन्न आए। आवाज यहां तक उठी कि एग्जिट पोल को प्रतिबंधित कर देना चाहिए। कोई नेता या संगठन दावा करे कि हम इतनी सीटें प्राप्त करेंगे तो उन पर चुनाव प्रक्रिया के बीच आचार संहिता के माध्यम से भी रोक नहीं लग सकती, लेकिन कोई एजेंसी या मीडिया संस्थान ऐसा न करे यह कहां का न्याय होगा? लोकसभा चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश और ओडिशा के ज्यादातर एग्जिट पोल लगभग सही साबित हुए। आंध्र में तेलुगू देशम के नेतृत्व में राजग तथा ओडिशा में भाजपा के लिए बहुमत का आंकड़ा दिया था और परिणाम वहीं आया। 2024 लोकसभा चुनाव में कुल सीटों के अनुसार अवश्य एग्जिट पोल विफल हुए, भाजपा बहुमत से 32 सीट पीछे रह गई। बावजूद भाजपा लोकसभा में इतनी बड़ी पार्टी बनी कि इसके आसपास कोई दल नहीं है। अधिकतर एग्जिट पोल 2024 लोकसभा चुनाव में मुख्यतः तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में विफल साबित हुए। अन्य राज्यों के आंकड़े देखें तो उन्हें आप विफल नहीं कर सकते। 2014, 2019 लोकसभा चुनावों में एग्जिट पोल और परिणाम की दिशा एक रही।

ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल वर्तमान चुनाव प्रणाली में मतदाताओं की मनः स्थिति समझने का माध्यम है। ओपिनियन पोल में आप अलग-अलग क्षेत्र में जाते हैं, लोगों से बातें करते हैं और गणना करते हुए निष्कर्ष निकालते हैं। केवल किसको मत देंगे और क्यों देंगे यही प्रश्न नहीं होता। मुद्दों, उम्मीदवारों, नेताओं, उनके कार्यों, विकास आदि इतने प्रश्न होते हैं कि उनसे काफी कुछ धरातली वास्तविकता समझा जा सकता है। तब भी ओपिनियन पोल परिणाम चुनाव परिणाम की प्रवृत्ति से अलग हो सकते हैं। कारण, ये मतदान पूर्व होते हैं और चुनाव अभियानों से लेकर मतदान तक लोगों का मन बदल सकता है। वैसे भी अब आचार संहिता लागू होने के बाद ओपिनियन पोल नहीं दिखाया जा सकता। सर्वेक्षण में पारदर्शिता भी होनी चाहिए। पारदर्शिता का अर्थ है कि आपके सैंपल साइज यानी कितने लोगों से अपने मत पूछा और उनमें किन-किन क्षेत्रों से और किस श्रेणी के लोग थे। आपके सर्वेक्षण करने का तरीका क्या था आदि आदि। पहले मतदान केंद्र के बाहर ही एजेंसियां अपना छाया मतदान पेटी लगाती थी जिसमें निकलने वाले लोग मत डालते थे। बाद में लैपटॉप और टैब से यह काम किया जाने लगा। जहां लैपटॉप टैब नहीं लगा सकते वहां मतदान कर निकलने वालों से पूछ कर नोट किया जाता है या ऑडियो विजुअल टेप रहता है। अगर ईमानदारी और पेशेवर तरीके से एग्जिट पोल हो तथा उनमें आए तथ्यों का आंकड़ों में ठीक से आकलन जाए तो परिणाम की दिशा अवश्य सामने आ जाएगी। चाहे ओपिनियन पोल हो या एग्जिट पोल उनमें आरंभ से ही ईमानदारी और पेशे की वास्तविक समझ की आवश्यकता है। फिर आपके पास सर्वेक्षण आ गए और उनको आंकड़ों में परिवर्तन करने में आप पारंगत नहीं है तो गड़बड़ी हो सकती है। मतदान प्रतिशत के बाद उन्हें सीटों में प्रेषित करना सबसे कठिन काम है। अगर मतदान प्रतिशत में 2,3,4 प्रतिशत का अंतर हो तो परिणाम किसी दिशा में पलट सकता है। इसलिए मत प्रतिशत को सीटों में बदलना जोखिम भरा है। सामान्यतः लोग मत प्रतिशत नहीं सीटें देखते हैं और परिणाम आने के बाद उसी को लेकर हमला करने लगते हैं। तृणमूल कांग्रेस के शासन में विरोधियों के विरुद्ध हुई भयानक हिंसा, भ्रष्टाचार , सत्ता और निहित स्वार्थी तत्वों तथा सिंडिकेट के जुड़ाव के कारण लोगों में असंतोष हो ही नहीं ऐसा कैसे संभव है? इसलिए पार्टियों की आलोचना के आधार पर हम ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल के बारे में मत न बनायें। वैसे भी सोशल मीडिया के माध्यम से नॉरेटिव के हल्ला बोल वाले दौर में सच को झूठ और झूठ को सच बनाना आसान हो गया है। इसलिए स्वयं संबंधित प्रदेश या क्षेत्र के शासन के प्रभावों का मूल्यांकन कर निष्कर्ष निकालें कि वहां क्या हो सकता है। फिर एग्जिट पोल या ओपिनियन पोल के साथ उसकी तुलना करें निष्कर्ष स्वयं निकल जाएगा।

पारदर्शिता से काम करें सर्वे कंपनियां

उम्मीद

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बीते दशकभर में अब एग्जिट पोल्स पर से लोगों का भरोसा उठता हुआ दिखने लगा है। कारण यह है कि एग्जिट पोल्स सटीक तरीके से चुनाव नतीजों के साथ मेल नहीं खा रहे। पिछले कुछ चुनावों में कुछ एग्जिट पोल तो बिल्कुल ही गलत साबित हुए हैं। जैसा कि अभी हाल ही में पांच राज्यों में चुनाव चल रहे हैं तो सबकी निगाह यहां बनी हुई है। हाल ही में तमिलनाडु, असम, केरल,पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल हुए चुनावों के एग्जिट पोल जो दिखाए जा रहे हैं, लेकिन इस बार लोग उस पर विश्वास नहीं कर रहे। इस कारण भी सबके सामने हैं, लेकिन अब सवाल यही उठता है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? पहले केवल विधानसभा या लोकसभा एक हजार लोगों से राय लेते थे और उससे ही उस सीट की जीत व हार तय करते थे, लेकिन अब पांच व दस हजार लोगों से राय लेकर भी एग्जिट पोल्स सटीक नहीं बैठ रहे। और ज्ञात हो कि चुनाव संपन्न होने के बाद ही सर्वे कंपनियां अपना रिजल्ट बता दी थी, लेकिन अब पहले चरण में हुए चुनाव से ही अपने रिजल्ट रख देते हैं व इसके अलावा अब आरोप यह लगने लगे कि सर्व कंपनियों को किसी भी पार्टी के पक्ष में हवा बनाए रखने के लिए गलत रिपोर्ट देने लगी जिससे की पार्टी को फायदा हो। दूसरा पहलू यह है कि एग्जिट पोल के सर्वे इस बात पर आधारित होते हैं कि वोटिंग करके मतदान केंद्रों से निकल रहे लोग सही जवाब देंगे लेकिन ऐसा होता नहीं है। कुछ मतदाता वास्तव में झिझकते हैं व कुछ गोलमोल जवाब देते हैं तो कुछ गलत भी बताते हैं। समझा यह भी जाता है कि मतदाता दबाव, डर, सामाजिक परिस्थितियों के चलते खुलकर अपने मत का खुलासा नहीं करते। एग्जिट पोल करने वाली एजेंसियां सभी मतदान केंद्रों को कवर नहीं कर पातीं। रैंडम सैंपलिंग की कमी और छोटी सैंपल साइज के कारण भी परिणाम गलत हो सकते हैं। अक्सर सर्वे एजेंसियां वोट शेयर का अनुमान तो सही लगा लेती हैं, लेकिन वह वोट किस सीट पर कितना प्रभावी होगा इसका सटीक अनुमान नहीं लगा पातीं। कई बार एग्जिट पोल का इस्तेमाल सत्ताधारी पार्टी माहौल बनाने के लिए किया जाता है। सर्वेक्षकों के पक्षपातपूर्ण रवैये और सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में झुकाव होने के कारण भी परिणाम वास्तविक नतीजों से अलग हो सकते हैं।

एग्जिट पोल लोकतंत्र में रुझान समझने का माध्यम हैं, लेकिन घटती सटीकता व पक्षपात के आरोपों ने भरोसा कमजोर किया है। विश्वसनीय बनाए रखने के लिए पारदर्शिता, बेहतर सैंपलिंग और निष्पक्षता जरूरी है, अन्यथा इनकी उपयोगिता पर सवाल उठते रहेंगे।

मतदान के अंतिम चरणों या वोट डालने से ठीक पहले के रुझान सर्वे में कैद नहीं हो पाते जिससे अंतिम परिणाम सर्वे में बताए हुए परिणामों के व विपरीत दिखते हैं। यह बात लगातार दिखने लगी और इस वजह से सर्व की गंभीरता कम होने लगी। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले चार दशकों में 833 सर्वेक्षणों जिसमें 386 पूर्व मतदाता पोल यानी ओपिनियन पोल व 447 एग्जिट पोल शामिल है जिसमें लगभग तीन तिहाई सर्वेक्षणों ने सही विजेता पार्टी का अनुमान लगाया। एग्जिट पोल की सफलता दर भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत बताई गई है जाती रही है जबकि पूर्व-मत सर्वेक्षण की सफलता दर सत्तर प्रतिशत से भी ज्यादा थी। कुछ आंकड़ों के अनुसार भारत में एग्जिट पोलों का सटीकता काफी सीमित मानी जाती थी लेकिन अब सबसे ज्यादा अविश्वास हमारे देश में उत्पन्न होने लगा है। एक कहावत भी है कि अति हर चीज की बुरी होती है इसलिए सर्व कंपनियों की कार्यशैली पर लगातार सवालिया निशान खड़े होने से जनता मन में एग्जिट पोल्स की गंभीरता खत्म होने लगी। सर्वे कंपनिया लाखों-करोडों रुपयों खर्च कर सर्व कराती है जिससे चुनाव से पहले एक रोमांच पैदा होने लगा था, लेकिन अब ऐसा नहीं होता। यदि विश्वसनीय को बनाए रखना हो तो सर्व कंपनियों को अपना पैटर्न बदलना होगा जिससे कि उनका काम चलता रहे साथ ही उनके सर्वे पर विश्वसनीयता भी बनी रहे। अन्यथा फ्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा, ब्रिटेन, सिंगापुर, साउथ अफ्रीका, चेक गणराज्य में भी निर्वाचन स्थल पर एग्जिट पोल भारत में प्रतिबंधित न हो जाए। चूंकि इन देशों का मानना है कि किसी भी चुनाव का पहले से रिजल्ट से देश या राज्य में एक नकारात्मकता फैलती है और जो भी निर्णय होगा वो नेता या पार्टी को स्वीकार करना चाहिए। वहीं इससे किसी भी नेता या पार्टी जीतने व हारने को लेकर सट्टेबाज करोडो का सट्टा लगाते हैं जिससे अव्यवस्था फैलती है। एक नजरिये से यह सही लगता है सर्वे नही होना चाहिए चूंकि निर्णय की जिज्ञासा का बना रहना जरूरी है। इसलिए सर्वे हो तो इसकी विश्वसनीयता बनी रही या फिर न हों।

एग्जिट पोल की सटीकता पर उठते गंभीर सवाल

चुनौती

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

चुनाव खत्म होते ही देशभर में सबसे ज्यादा चर्चा अगर किसी चीज की होती है, तो वह है एग्जिट पोल। वोटिंग खत्म होने के कुछ घंटों बाद टीवी चैनलों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर सीटों के अनुमान आने लगते हैं। लोग यह जानने को उत्सुक रहते हैं कि आखिर किसकी सरकार बन सकती है। राजनीतिक दल भी एग्जिट पोल पर नजर रखते हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या एग्जिट पोल पर पूरी तरह भरोसा किया जा सकता है? दरअसल, भारतीय चुनावों में एग्जिट पोल के परिणाम अक्सर वास्तविक नतीजों से अलग पाए जा रहे हैं, जिससे उनकी सटीकता पर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले कुछ चुनावों का इतिहास दर्शाता है कि कई बार एग्जिट पोल के अनुमान गलत साबित हुए हैं। पश्चिम बंगाल इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जहां 2021 और 2016 के विधानसभा चुनावों में एग्जिट पोल ने कांटे की टक्कर या अलग परिणाम दिखाए थे, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। दरअसल, कई बार एग्जिट पोल और असल नतीजों में मामूली अंतर होता है। लोगों के मन में सवाल है कि एग्जिट पोल स्टीक क्यों नहीं हो पाते हैं। करीब 100 करोड़ के मतदाताओं वाले देश में चंद हजार लोगों से बातचीत के आधार पर एग्जिट पोल का सर्वे किया जाता है। एग्जिट पोल में शामिल होने वाला मतदाता क्या सच बोल रहा है या नहीं ये भी एक बड़ा सवाल है। वहीं, विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र में कई पोलिंग बूथ होते हैं। एग्जिट पोल का सर्वे करने वाली एजेंसियां क्या सभी पोलिंग बूथ पर मतदाताओं से बात करती हैं या कुछ एक बूथ पर ही जाती हैं। हर पोलिंग बूथ और क्षेत्र में मतदाताओं का रुझान अलगः अलग होता है। पिछले तीन दशक में ऐसे कई मौके आए हैं जब एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरा है। बता दें, एग्जिट पोल की शुरुआत भारत में सबसे पहले 1970 अंत और 1980 के दशक के शुरू में हुई थी। ये शुरुआती पोल बहुत ही बुनियादी थे और कुछ अग्रणी संगठनों और मीडिया घरानों द्वारा संचालित किए गए थे। वे काफी हद तक प्रयोगात्मक थे और परिष्कृत नमूनाकरण तकनीकों और डेटा विश्लेषण उपकरणों की कमी के कारण हमेशा सटीक नहीं होते थे। 1990 के दशक में एग्जिट पोल की संख्या और दायरे में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण और निजी टेलीविजन चैनलों के आगमन के साथ, मीडिया घरानों ने राजनीतिक कवरेज और विश्लेषण में अधिक निवेश करना शुरू कर दिया। इस अवधि में विशेषीकृत मतदान एजेंसियों का उदय भी हुआ। अपनी बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, इस समय के दौरान एग्जिट पोल को अक्सर उनकी अशुद्धियों और मतदाता व्यवहार पर संभावित प्रभाव के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया पर एग्जिट पोल के संभावित प्रभाव पर ध्यान देना शुरू किया। 1998 में आयोग ने मतदाताओं को प्रभावित करने से बचने के लिए मतदान के कुछ चरणों के दौरान एग्जिट पोल के प्रकाशन को प्रतिबंधित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, मतदान एजेंसियों ने अधिक परिष्कृत तरीके अपनाना शुरू कर दिया। कम्प्यूटरीकृत डेटा संग्रह और विश्लेषण ने एग्जिट पोल की सटीकता और विश्वसनीयता में कुछ हद तक सुधार अवश्य हुआ। इस अवधि में भारत में अध्ययन के एक सम्मानित क्षेत्र के रूप में सेफोलॉजी का उदय भी देखा गया। स्पष्ट है, जब नजर संतुलित हो, तभी सच साफ दिखता है-एग्जिट पोल को लेकर यही सबसे बड़ा समाधान है। ये न पूरी तरह गलत हैं, न पूरी तरह सही- इनका मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इन्हें कैसे देखते हैं। यदि इन्हें संकेतक माना जाए, तो ये उपयोगी हैं; लेकिन यदि अंतिम निर्णय मान लिया जाए, तो भ्रम पैदा करते हैं। 2026 के इन महत्वपूर्ण चुनावों में जरूरी है कि हम आंकड़ों की चमक से प्रभावित होने के बजाय वास्तविकता की प्रतीक्षा करें। क्योंकि लोकतंत्र की सच्ची तस्वीर वही होती है जो मतपेटियों से निकलती है, न कि वह जो स्क्रीन पर दिखाई जाती है।

एग्जिट पोल लोकतंत्र में रुझान समझने का उपयोगी माध्यम हैं, लेकिन सीमाएं व त्रुटियां नजरअंदाज नहीं की जा सकतीं। इन्हें अंतिम परिणाम मानना भ्रम पैदा करता है। बेहतर होगा कि इन्हें केवल संकेत के रूप में देखें।

चुनाव विश्लेषण : नतीजों से पहले परिणाम की जंग

चिंतन

चरणजीत 'चरण'

वरिष्ठ पत्रकार

भारत में चुनाव विश्लेषण (एग्जिट पोल) सरकार के बदलने विधायक, सांसद, बदलने की सम्भावना प्रक्रिया मात्र नहीं है, बल्कि भारत का एग्जिट पोल अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग तरह से उसका विश्लेषण करने गुना-भाग करने और परिणाम घोषित होने से पहले अपने आकड़ों पर डिबेट करने का एक माध्यम है। भौतिक रूप से बेशक इसका कोई फायदा नज़र न आता हो, लेकिन तकनीकी रूप से इस प्रक्रिया के द्वारा भी लोकतंत्र की मज़बूती का मार्ग प्रसस्त होता है। जो लोग चुनाव में थोड़े निष्क्रिय रहते हैं वो भी अपने पसंद के उम्मीदवार और पार्टी तय कर लेते हैं। इन सभी चुनावी प्रक्रियाओं में वोटिंग से लेकर रिज़ल्ट आने तक के चार पांच दिनों में मतदाता कहीं थका हुआ या ठगा मासूस ना करे तो उसके लिए चुनाव वाले दिन या उससे एक दो दिन आगे एग्जिट पोल की व्यवस्था है। एग्जिट पोल की के माध्यम से ये जानने की कोशिश की जाती है कि मतदाता का रुझान किस तरफ है। वह वर्तमान सरकार को बदलना चाहता है या उसे एक मौक़ा और देना चाहता है। चुनावी विशेलषक या सेफोलॉजिस्ट एग्जिट पोल के द्वारा जुटाए गए आकड़ों के माध्यम से मतदाता के मनोविज्ञान को जानने की कोशिश करते हैं। हालांकि भारतीय मतदाता अपने सात दशकों के लोकतंत्र में इतना परिपक्व हो गया है कि वह अंतिम समय तक किसी को भनक नहीं लगने देता कि उसका मत कहां जाएगा। शायद यही कारण है कि कई बार एग्जिट पोल बुरी तरह उलट जाते हैं। एग्जिट पोल के इतिहास में ऐसा अनेक बार हो चुका है जब अधिकतर एग्जिट पोल जिधर इशारा करते हैं परिणाम उसके बिलकुल उलट होता है। भारत जैसे विविधताओं से भरे समाज में ये संभव ही नहीं है कि कोई विश्लेषक एग्जिट पोल के सटीक परिणाम तक पहुंच सके। इसके पीछे अनेक कारण हैं। जहां एक विधानसभा में मतदाताओं की संख्या तीन से चार लाख तक होती है वहां पांच सौ या हज़ार लोगों की पसंद के आधार पर पूरी विधान सभा का विश्लेषण करना कठिन है। इसके अतिरिक्त

भारतीय मतदाता इतना परिपक्व हो गया है कि वह अंतिम समय तक किसी को भनक नहीं लगने देता कि उसका मत कहां जाएगा।

भारत में भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्र, स्त्री, पुरुष, किसान, मजदूर, युवा, नौकरी-पेशा बेरोजगार, गांव, शहर में बंटे मतदाता की समस्याएं और उसके विचार अलग हैं। इसी आधार पर लोग वोट भी करते हैं। इसलिए चुनाव के पश्चात कुछ लोगों की राय के आधार पर हार-जीत का विश्लेषण करना चुनौती पूर्ण रहता है। पिछले कई वर्षों के एक्सिटपोल के आकड़ों पर यदि नज़र डाले तो जहां दो पार्टियों में कांटे का मुकावला होता है वहां 1% का मतान्तर भी आकड़े को 40/60 में बदल देता है। अगर यही अनुपात तीन चार प्रतिशत तक चला जाए तो एक पार्टी को दो तिहाई बहुमत तक मिल जाता है ऐसी स्तिति में किसी भी सेफोलॉजिस्ट के लिए कुछ सैंपल साइज़ के आदर पर सटीक आकड़े देना बहुत कठिन कार्य है। 2023 और 2024 के छत्तीसगढ़ और हरियाणा के चुनाव इसका सटीक उदाहरण है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव में जहां लगभग सभी एग्जिट पोल जिस पार्टी के पक्ष में थे उसे हार का सामना करना पड़ा। उसी तरह 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में सभी एक्सिटपोल जिस रूलिंग पार्टी के विपरीत जा रहे थे उसे तीसरी बार बहुत मिला। कई सेफोलॉजिस्ट का मानना है कि भारत में जातीय और धार्मिक रूप से पिछड़े, दबे, कुचले मतदाता अपनी राय सार्वजनिक करने से डरते हैं। या उनके मन में थोड़ी हिचकिचाहट रहती है। इस भाव को सर्पिल ऑफ साइलेन्स कहा जाता है। 2015 का बिहार विधानसभा चुनाव इसका सटीक उदाहरण है जहां अधिकतर पोल महागठबंधन की जीत का पूर्व आंकलन नहीं कर सके और परिणाम परिणाम एग्जिट पोल के बिलकुल विपरीत निकले। क्योंकि बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अक्सर दलित और पिछड़े मतदाता अंतिम क्षण तक खुलकर बात नहीं कर पाते। कुल मिलाकर निष्कर्ष ये निकलता है कि एग्जिट पोल मतदाता की मनःस्थिति का आंकलन नहीं है। बल्कि संभावित परिणाम का मात्र एक चित्र है। एक सेफोलॉजिस्ट समाज के भीतर चल रहे विचार, समस्या और संभावनाओं का आंकलन करता है। आकड़ों को सटीकता तक पहुंचाना हमेशा चूनौतीपूर्ण ही रहेगा। क्योंकि भारत का विविधतओं से भरा समाज व मर्यादाओं में बंधी संस्कृति शायद कभी एक मतदाता को ये इजाज़त नहीं देगी कि वह अपने मत की गोपनीयता को भंग कर दे। भारत में मतदाता की चुप्पी एक तरह से पुरे चुनाव को व्यावहारिक और रोमांचक बनाती है। और यह चुप्पी बनी रहनी चाहिए यही लोकतंत्र के हित में भी है।

रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग से कयासों के भंवर में दल

दृष्टिकोण

अम्बरीष प्रजापति

स्वतंत्र स्तंभकार

पश्चिम बंगाल के चुनावी इतिहास में इस बार का मतदान प्रतिशत एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित कर चुका है, जिसने दुनिया भर के राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। 23 और 29 अप्रैल को संपन्न हुए दो चरणों के इस महाकुंभ में जनता ने जिस तरह दिल खोलकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वह इस बात का साक्ष्य है कि बंगाल का मतदाता अपने भविष्य को लेकर कितना जागरूक और मुखर है। सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब और लंबी-लंबी कतारें महज एक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं थीं, बल्कि एक बड़े बदलाव या एक बड़े समर्थन की मौन पदचाप थीं, जिसका असली खुलासा अब 4 मई को होगा। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी जहां अपनी 'माटी और मानुष' की राजनीति को सुरक्षित रखने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है, वहीं बीजेपी ने बंगाल में भगवा परचम लहराने के लिए अपनी पूरी सांगठनिक शक्ति झोंक दी है। इस बार के चुनावों में मतदान का रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचना दोनों ही खेमों के लिए कशमकश और कयासों का केंद्र बना हुआ है। राजनीतिक गलियारों में यह बहस छिड़ गई है कि आखिर यह बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत किसके हक में जाएगा। क्या यह सत्ता विरोधी लहर का प्रतीक है या फिर मौजूदा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। चुनाव के संपन्न होते ही बंगाल की आबोहवा में दावों और प्रतिदावों का दौर शुरू हो गया है। टीएमसी का मानना है कि महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाओं, ग्रामीण विकास और स्थानीय अस्मिता के मुद्दे ने जनता को घरों से बाहर निकाला है। उनका तर्क है कि जब जनता बड़े पैमाने पर वोट करती है, तो वह अक्सर स्थिर सरकार और लोकप्रिय नेतृत्व के पक्ष में होता है। दूसरी ओर, बीजेपी के खेमे में भी उत्साह की कोई कमी नहीं है। उनके अनुसार, यह भारी मतदान परिवर्तन की आकांक्षा का सूचक है। बीजेपी का मानना है कि जनता भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था और रोजगार जैसे मुद्दों पर आक्रोशित है और इसी

पोल ऑफ पोल्स की स्थिति इतनी धुंधली है कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। यह अनिश्चितता ही इस चुनाव के रोमांच को बढ़ा रही है।

आक्रोश ने उन्हें मतदान केंद्रों तक खींचा है। दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक, हर कोई अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त तो दिख रहा है, लेकिन भीतर ही भीतर एक अनजाना डर और संशय भी बना हुआ है। बंगाल का यह चुनाव कई मायनों में अनूठा रहा। अब एग्जिट पोल के आंकड़ों ने इस कशमकश को और भी बढ़ा दिया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में जहां कुछ एजेंसियां बीजेपी को बहुमत के करीब दिखा रही हैं, वहीं कुछ अन्य टीएमसी की वापसी की भविष्यवाणी कर रही हैं। 'पोल ऑफ पोल्स' की स्थिति भी इतनी धुंधली है कि किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचना फिलहाल जल्दबाजी होगी। यह अनिश्चितता ही इस चुनाव के रोमांच को द्विगुणित कर रही है। जब 4 मई को मतपेटियां खुलेंगी और ईवीएम के बटन दबेंगे, तब पता चलेगा कि जनता ने वास्तव में किसे अपना भाग्य विधाता चुना है। क्या ममता बनर्जी की 'हैट्रिक' के बाद चौथी बार सत्ता की चाबी उनके पास रहेगी या फिर सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बीजेपी बंगाल की सत्ता के गलियारों में पहली बार प्रवेश करेगी। इस बार के चुनावों में निर्वाचन आयोग की भूमिका और सुरक्षा इंतजामों की भी चर्चा लाजिमी है। छिटपुट हिंसा की घटनाओं को छोड़ दें, तो मतदान की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराना एक बड़ी चुनौती थी, जिसे पार कर लिया गया है। मतदाता सूची में किए गए संशोधनों और विशेष सर्वेक्षणों के कारण इस बार मतदाताओं की संख्या में जो बदलाव आए, उसने भी प्रतिशत के आंकड़ों को प्रभावित किया है। लेकिन इन तकनीकी पहलुओं से परे, सबसे महत्वपूर्ण पहलू मतदाता का वह मौन संकल्प है जो उसने ईवीएम के अंदर दर्ज किया है। बंगाल की जनता अपनी चुप्पी के लिए जानी जाती है और अक्सर यह चुप्पी बड़े-बड़े दिग्गजों के राजनीतिक भविष्य को धाराशायी कर देती है। अंततः बीजेपी और टीएमसी के बीच की यह कसमकश इस बात का प्रतीक है कि लोकतंत्र में कोई भी पद स्थायी नहीं है और जनता ही सर्वोपरि है। तब तक कयासों का बाजार गर्म रहेगा, चर्चाएं चलती रहेंगी और धड़कनें बढ़ी रहेंगी। बंगाल ने अपना फैसला सुना दिया है, बस उसका सार्वजनिक होना बाकी है। सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा, यह तो वक्त की कोख में है, लेकिन इस रोमांचक मुकाबले ने यह जरूर साबित कर दिया है कि बंगाल की राजनीति में कभी भी कुछ भी संभव है।

मतगणना से पहले टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट ने दिया झटका

काउंटिंग में केंद्रीय कर्मियों की तैनाती पर रोक से इंकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में मतगणना की प्रक्रिया को लेकर ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी (टीएमसी) को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। चुनाव आयोग द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों को 'काउंटिंग सुपरवाइजर' नियुक्त करने के फैसले के खिलाफ टीएमसी ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन कोर्ट ने इस मामले में दखल देने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग (ईसीआई) को अपने अधिकारी चुनने का पूरा अधिकार है और वह उनके काम में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा।

क्या है पूरा विवाद?

चुनाव आयोग ने 30 अप्रैल को एक निर्देश जारी किया था जिसके अनुसार मतगणना की हर टेबल पर सुपरवाइजर या असिस्टेंट में से कम से कम एक कर्मचारी केंद्र सरकार या पब्लिक सेक्टर (पीएसयू) का होना अनिवार्य है। टीएमसी का आरोप है कि केंद्र सरकार के कर्मचारी बीजेपी के प्रभाव में काम कर सकते हैं, जबकि कलकत्ता हाई कोर्ट ने इस आशंका को खारिज करते हुए आयोग के फैसले को वैध बताया था।

13 अप्रैल का सर्कुलर ही रहेगा प्रभावी : सभी पक्षों को सुनने के बाद जस्टिस जे. बागची की बेंच ने कहा कि इस मामले में किसी नए आदेश की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि चुनाव आयोग द्वारा 13 अप्रैल 2026 को जारी किए गए सर्कुलर का पूरी तरह से पालन किया जाए। कोर्ट के इस रुख से साफ है कि काउंटिंग सुपरवाइजर की नियुक्ति की प्रक्रिया में अब कोई बदलाव नहीं होगा और यह चुनाव आयोग के मौजूदा नियमों के तहत ही संपन्न होगी। इस फैसले को ममता बनर्जी की सरकार के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है, जो लगातार मतगणना प्रक्रिया में राज्य के कर्मचारियों की भागीदारी की मांग कर रही थी।

सिब्बल की दलील और कोर्ट की टिप्पणी

सिब्बल ने चुनाव आयोग के नियमों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब पहले से ही माइक्रो ऑब्जर्वर के रूप में केंद्र सरकार का एक प्रतिनिधि मतगणना प्रक्रिया में मौजूद है, तो दूसरे प्रतिनिधि की काउंटिंग एजेंट के तौर पर क्या जरूरत है? इस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मतगणना प्रक्रिया के दौरान सभी दलों के काउंटिंग एजेंट वहां मौजूद रहेंगे, जो एक सामान्य प्रक्रिया है। सुनवाई के दौरान एक बड़ा मुद्दा काउंटिंग सुपरवाइजर और एजेंटों की निष्पक्षता को लेकर उठा। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यदि काउंटिंग सुपरवाइजर और एजेंट केंद्र या राज्य सरकार के कर्मचारी हैं, तो उनकी नियुक्ति को गलत कैसे कहा जा सकता है? कोर्ट ने आगे कहा कि सरकारी कर्मचारी तो सरकारी कर्मचारी होते हैं— उनकी निष्ठा किसी एक राजनीतिक दल के प्रति कैसे हो सकती है? चुनाव आयोग (ईसीआई) की ओर से वकील दामा शेषाद्रि नायडू ने अदालत को बताया कि मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) अंततः राज्य सरकार के ही होते हैं और वही यह तय करते हैं कि काउंटिंग सुपरवाइजर कौन होगा। दूसरी ओर, कपिल सिब्बल ने टीएमसी की दलील को मजबूती से रखते हुए चुनाव आयोग के 13 अप्रैल के सर्कुलर का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि आयोग का खुद का नियम यह कहता है कि काउंटिंग सुपरवाइजर की नियुक्ति में 'रैंडमाइजेशन' की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

165 एडिशनल काउंटिंग और 77 पुलिस ऑब्जर्वर किए नियुक्त

चुनाव आयोग का बंगाल को लेकर बड़ा फैसला

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के खत्म होने के बाद और वोट काउंटिंग से पहले स्टॉन्ग रूम और इलेक्टॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में छेड़छाड़ के आरोपों को लेकर बवाल मचा हुआ है। इस बीच चुनाव आयोग ने शनिवार (2 मई, 2026) को बड़ा कदम उठाते हुए पश्चिम बंगाल में 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। आयोग ने कहा कि जिन 165 विधानसभा क्षेत्रों में एक से ज्यादा काउंटिंग हॉल हैं, वहां काउंटिंग ऑब्जर्बर की मदद के लिए अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इस नियुक्ति के दौरान सभी ऑब्जर्बर्स आयोग के अधीन रहेंगे और आयोग की नियंत्रण और नेतृत्व में कार्य करेंगे। आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि काउंटिंग सेंटर्स पर तैनात पुलिस ऑब्जर्बर किसी भी हालत में वोटों की गिनती के दिन और दौरान काउंटिंग हॉल में नहीं जाएंगे। पुलिस पर्यवेक्षक वोट काउंटिंग प्रक्रिया के दौरान मतगणना पर्यवेक्षकों और अन्य तैनात चुनावी मशीनरी के साथ मिलकर काम करेंगे।

टीएमसी ईवीएम से छेड़छाड़ के लिए की जाने वाली हर तरह की कोशिश को विफल करेगी: ममता

मतगणना से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल हुआ तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच आरोप प्रत्यारोप का खेल तेज हो गया है। तृणमूल कांग्रेस ने ईवीएम और बैलेट पेपर से छेड़छाड़ का आरोप लगाया तो भाजपा ने इसे ममता बनर्जी का चुनाव में हार से पहले का भय बताया है। गुरुवार रात मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अचानक सखावत मेमोरियल गर्ल्स हाई स्कूल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया था। यह वही स्थान है जहां भवानीपुर सीट की ईवीएम मशीनें रखी गई हैं। मुख्यमंत्री देर रात तक वहां मौजूद रहीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें कई स्थानों से ईवीएम में गड़बड़ी की जानकारी मिली है, जिसके बाद वह खुद स्थिति देखने पहुंचीं। इस पूरे घटनाक्रम के बीच चुनाव आयोग और प्रशासन की ओर से भी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की गई। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा है कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है और सभी स्ट्रॉन्ग रूम चौबीस घंटे सीसीटीवी निगरानी में हैं, जिसे बाहर से भी देखा जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बिना ठोस प्रमाण के लगाए गए आरोप निराधार हैं। इसी बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने मतगणना में केंद्रीय कर्मियों की नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह निर्वाचन आयोग का अधिकार क्षेत्र है और इसमें कोई अवैधता नहीं है।

अधिकारी ने मुख्यमंत्री के आरोपों को बताया तथ्यहीन और भ्रामक

राज्य की 294 विधानसभा सीटों में 23 और 29 अप्रैल को हुआ था मतदान, 4 को होगी मतगणना

संदेह जताना मुख्यमंत्री की पुरानी आदत : अधिकारी

वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने मुख्यमंत्री के आरोपों को पूरी तरह तथ्यहीन और भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि ईवीएम को लेकर संदेह जताना मुख्यमंत्री की पुरानी आदत है और यह उनकी संभावित हार के डर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव से पहले ऐसे आरोप लगाना तृणमूल कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा बन चुका है।

ममता ने लगाया है पक्षपात का आरोप

मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि शुरुआत में केंद्रीय बलों ने उन्हें अंदर जाने से रोका, लेकिन निर्वाचन नियमों के अनुसार उम्मीदवार और चुनाव एजेंट को सील कक्ष तक जाने की अनुमति होती है। बाद में उन्होंने संबंधित अधिकारी से अनुमति लेकर अंदर प्रवेश किया। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के बीच यह भी कहा कि उनकी पार्टी ईवीएम से छेड़छाड़ के लिए की जाने वाली हर तरह की कोशिश को विफल करेगी। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि उनके दल के एजेंटों को गिरफ्तार किया गया है तथा कई जगह एकतरफा कार्रवाई हो रही है।

टीएमसी ने डाक मतपत्रों की अनधिकृत छंटाई का लगाया आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने कोलकाता के एक ईवीएम स्ट्रॉन्गरूम में डाक मतपत्रों की अनधिकृत छंटाई का आरोप लगाते हुए शनिवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। खुदीराम अनुशीलन केंद्र के बाहर डेरा डाले तृणमूल कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि डाक मतपत्रों से भरे आठ बक्से तड़के चार बजे लाए गए और उन्हें एक ऐसे कमरे में ले जाया गया, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। तृणमूल के एक सदस्य ने सवाल किया, ''हम मांग करते आ रहे हैं कि ईवीएम और डाक मतपत्रों वाले हर एक मिलीमीटर स्थान पर सीसीटीवी निगरानी रखी जाए। लेकिन जब इन बक्सों को अंदर ले जाया गया, तो यह साफ हो गया कि उन्हें सीसीटीवी की पहुंच से दूर कमरे में ले जाया गया। आखिर ऐसा क्यों?'' उत्तरी और पूर्वी कोलकाता के कई विधानसभा क्षेत्रों की मतदान मशीनें खुदीराम अनुशीलन केंद्र के स्ट्रॉन्गरूम में रखी हैं। तृणमूल कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बीच भाजपा की श्यामपुकुर से उम्मीदवार पूर्णिमा चक्रवर्ती अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गईं, जिससे तनाव और बढ़ गया। दोनों पक्ष नारेबाजी करने लगे, जबकि पुलिस स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश करती रही। चक्रवर्ती ने दावा किया कि हार के डर से तृणमूल कार्यकर्ता स्ट्रॉन्गरूम के बाहर हंगामा कर रहे हैं। बाद में तृणमूल ने कहा कि उसने इस मामले में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज करा दी है।

प. बंगाल की दो सीटों के 15 केंद्रों पर पुनर्मतदान

पुनर्मतदान में भी हंगामे, बवाल के बीच हुई 87 प्रतिशत वोटिंग

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीट के 15 केंद्रों पर शनिवार को पुनर्मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया और मतदान खत्म होने से एक घंटे पहले करीब 87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

वोटिंग के दौरान भी आरोप प्रत्यारोप का दौर चला। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर सीट के चंदा प्राथमिक स्कूल स्थित मतदेय केंद्र संख्या-179 पर एक दिव्यांग मतदाता और उसकी मां के साथ केंद्रीय बलों ने दुर्व्यवहार किया। इस कथित घटना के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। एक निर्वाचन अधिकारी ने कहा, 'तृणमूल कांग्रेस की नेता मनमोहिनी विश्वास और प्रतीक उर रहमान मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई को बेवजह की उत्पीड़न बताया। वहां मौजूद हमारे अधिकारियों ने मामले को संभाल लिया है।' उन्होंने बताया कि इसके अलावा क्षेत्र के 15 मतदेय केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

धांधली की मिली थी शिकायत

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीट के 15 केंद्रों पर शनिवार को पुनर्मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया और मतदान खत्म होने से एक घंटे पहले करीब 87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि शाम 5 बजे तक 86.90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक चला। मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 और डायमंड हार्बर के चार मतदान केंद्रों पर वोटिंग कुल मिलाकर शांतिपूर्ण तरीके से हुई। चुनावी धांधली की जानकारी मिलने पर निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को इस सीट पर पुनर्मतदान का आदेश दिया था। अधिकारी ने बताया कि मगराहाट पश्चिम में 86.11 प्रतिशत और डायमंड हार्बर में 87.60 प्रतिशत मतदान हुआ।

चुनावी धांधली की जानकारी मिलने पर दक्षिण 24 परगना जिले की दो सीटों में हो रहा है दोबारा मतदान

फाल्टा में टीएमसी नेताओं पर धमकाने का आरोप

दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा में शनिवार को तनाव फैल गया, जब स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ता उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पूरे क्षेत्र में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनाती की भी मांग की ताकि सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किए हैं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवान महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सीआरपीएफ का एक बख्तरबंद वाहन भी लगाया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को कराए गए थे। नतीजे चार मई को घोषित किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

टीसीएस केस : आरोपी निदा को झटका

नासिक। नासिक के बहुचर्चित टीसीएस केस में शनिवार को नासिक रोड न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी निदा खान की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी. इस निर्णय को मामले की जांच के लिए अहम माना जा रहा है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पहले आदेश सुरक्षित रखा था, जिस पर आज फैसला सुनाया गया। इस मामले में सरकारी पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अजय मिसर न्यायालय में उपस्थित रहे। वहीं आरोपी पक्ष की ओर से अधिवक्ता राहुल कासलीवाल ने अपनी दलीलें पेश कीं। 29 अप्रैल को इस याचिका पर बंद कक्ष में सुनवाई हुई थी। उस दौरान विशेष जांच दल की ओर से सहायक पुलिस आयुक्त संदीप मिटके ने जांच अधिकारी के रूप में न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखा और जमानत का विरोध किया। इससे पहले 18 अप्रैल को भी आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई थी।

सहाय बने रक्षा मंत्रालय के नए वित्त सचिव

नई दिल्ली। वर्ष 1990 बैच के भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ अधिकारी विश्वजीत सहाय रक्षा मंत्रालय के नए रक्षा वित्त सचिव नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने 1 मई को रक्षा मंत्रालय में रक्षा वित्त सचिव का पद संभाला। इससे पहले वह कंट्रोलर जनरल ऑफ डिफेंस अकाउंट्स के पद पर कार्यरत थे। विश्वजीत सहाय लॉ ग्रेजुएट भी हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार सहाय के पास रक्षा वित्त और प्रशासन के क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है। मंत्रालय ने बताया कि रक्षा सहाय कई बड़े पदों पर काम कर चुके हैं। साथ ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार भी रह चुके हैं।

राघव के साथ भाजपा ज्वाइन करने रास सांसद के खिलाफ दो एफआईआर

पाठक को गिरफ्तार करने दिल्ली पहुंची पंजाब पुलिस

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी छोड़कर अभी हाल ही में भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद संदीप पाठक पर पंजाब में दो एफआईआर दर्ज हुई हैं। संदीप पाठक के खिलाफ यह एक्शन पंजाब के दो अलग-अलग जिलों में हुआ है। राज्यसभा सांसद संदीप पाठक के खिलाफ दोनों ही एफआईआर गैर-जमानती धाराओं में उनके खिलाफ दर्ज हुई हैं। ऐसे में अब संदीप पाठक पर गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच, संदीप पाठक अपने दिल्ली के घर से जल्दबाजी में निकलते नजर आए। करीब आठ दिन पहले राघव चड्ढा समेत सात सासंदों के साथ संदीप पाठक भी भाजपा में शामिल हुए हैं।

घर से निकल चुके थे पाठक

वहीं, पंजाब पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए दिल्ली स्थित उनके आवास तक पहुंची थी। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी तक पुलिस या संबंधित एजेंसियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि मामले की खबर सार्वजनिक होने से पहले ही संदीप पाठक अपने घर से निकल गए थे। एएनआई से फोन पर बात करते हुए पाठक ने कहा कि मुझे ऐसी किसी एफआईआर की कोई जानकारी नहीं है, न ही किसी पुलिस अफसर ने मुझको इस बारे में सूचित किया है। पाठक ने कहा कि यदि मेरे जैसे किसी शख्स के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू की गई है, तो यह सिर्फ उनकी दहशत को दर्शाता है। मैं इसको लेकर और कुछ नहीं कहना चाहता।

अब आप के पास केवल 3 सांसद शेष

गौरतलब है, 24 अप्रैल 2026 को आम आदमी पार्टी (आप) के 7 राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने और विलय की मंजूरी मिलने के बाद, अब आप के पास केवल 3 सांसद शेष बचे हैं। पार्टी के प्रमुख नेताओं में संजय सिंह शामिल हैं, जबकि राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, विक्रम साहनी और नरेंद्र गुप्ता बीजेपी में शामिल हो चुके हैं।

गुप्ता के फैक्ट्रियों पर भी हुई थी छापामारी

इससे पहले उद्योगपति राजिंदर गुप्ता पर भी एक्शन हुआ है। वह भी आम आदमी पार्टी छोड़ बीजेपी में शामिल हुए हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने हाल ही में उनकी फैक्ट्रियों पर छापामारी की थी। मामला हाई कोर्ट पहुंचने पर 4 मई तक के लिए कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है।

नहीं रहे उद्योगपति दीनदयाल गुप्ता

कोलकाता। होजरी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी, डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन एमेरिटस, विख्यात उद्योगपति दीनदयाल गुप्ता का शनिवार को कोलकाता में उम्र संबंधी बीमारियों के कारण स्वर्गवास हो गया। उनका निधन कंपनी के साथ-साथ भारतीय होजरी और परिधान उद्योग के एक युग के अंत का प्रतीक है। उनके मार्गदर्शन में, डॉलर इंडस्ट्रीज 1700+ करोड़ से अधिक के बड़े व्यापारिक समूह के रूप में उभरी। हरियाणा के भिवानी जिले के मनहेरू गाँव में 13 सितंबर, 1937 को एक साधारण और बड़े परिवार में जन्मे श्री गुप्ता का जीवन दृढ़ता, जुझारूपन और बड़े सपने देखने की शक्ति का प्रमाण था। वर्ष 1962 में कोलकाता (तब कलकत्ता) आकर उन्होंने खरीदारों के बजट और आवश्यकताओं के अनुरूप होजरी उत्पादों का निर्माण और बिक्री शुरू की। गुप्ता के परिवार में उनकी पत्नी, चार बेटे और पोते-पोतियां हैं, जो वर्तमान में डॉलर इंडस्ट्रीज के व्यापारिक साम्राज्य का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने निर्माण और फिनिशिंग सुविधाओं के समानांतर विकास, बिक्री केंद्रों और खुदरा विक्रेताओं के नेटवर्क के निर्माण और अन्य कंपनियों द्वारा उपेक्षित बाजारों के प्रत्यक्ष विकास के माध्यम से इसे संभव बनाया।

बाजमांडू जंगल में आतंकी ठिकाना ध्वस्त, हथियारों का जखीरा जब्त

कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने एक गुप्त आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ करते ही आतंकवाद के मुद्दे पर बड़ी सफलता हासिल की है। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई जिले के चतरू इलाके में एक विशेष तलाशी अभियान के दौरान की गई। सुरक्षा बलों ने सिगड़ी भाटा क्षेत्र के बाजमांडू जंगल में छिपे इस ठिकाने को ढूंढ निकाला, जिससे क्षेत्र में सक्रिय आतंकी गतिविधियों को बड़ा झटका लगा है। जांच में यह बात सामने आई है कि यह ठिकाना एक खूंखार आतंकवादी कमांडर का था, जिसे सेना ने पहले ही एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया है।

सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी-रिपोर्ट्स के मुताबिक यह ठिकाना आतंकियों द्वारा हथियार और विस्फोटक छिपाने के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप में उपयोग किया जा रहा था। तलाशी के दौरान बरामद किए गए हथियारों और रसद का जखीरा सुरक्षा बलों की सतर्कता को दर्शाता है।

रिकॉर्ड : कुर्क संपत्तियों का मूल्य 81,000 करोड़ रुपये से अधिक

पिछले साल ईडी ने की रिकॉर्ड छापेमारी और कुर्की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान धनशोधन मामलों में की गई गिरफ्तारियों में लगभग 27 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन इस अवधि के दौरान कुर्क की गई संपत्तियों का मूल्य 81,000 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है।

यह जानकारी आधिकारिक आंकड़े से मिली। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के कड़े प्रावधानों के तहत केंद्रीय एजेंसी द्वारा तलाशी या छापेमारी की संख्या 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग दोगुनी होकर 2,892 हो गई। अपराध से प्राप्त आय की परिभाषा, गिरफ्तारी, तलाशी और जब्ती तथा संपत्ति कुर्क करने के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पीएमएलए के तहत व्यापक अधिकार प्राप्त हैं।

इस बार 156 को किया गिरफ्तार

वार्षिक रिपोर्ट (वित्त वर्ष 2025-26) में उपलब्ध कराए गए आंकड़े का अध्ययन किया और पाया कि ईडी ने उल्लेखित वित्त वर्ष में 156 लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि 2024-25 में यह संख्या 214 थी, यानी लगभग 27 प्रतिशत की गिरावट। 2023-24 में यह संख्या 272 थी। ईडी ने बताया कि गिरफ्तारियों में कमी का कारण यह है कि वह 'अधिक लक्षित और साक्ष्य-आधारित जांच' कर रही है। एजेंसी ने एक वर्ष (वित्त वर्ष 2026) में उसके द्वारा की गई संपत्तियों की 'अब तक की सबसे अधिक' अस्थायी कुर्की के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यह 712 आदेशों के तहत 81,422 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है और यह वृद्धि पिछले साल के मुकाबले 171 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2025 के दौरान 461 अस्थायी कुर्की आदेश जारी किए थे, जिनमें 30,036 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई।

वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा

गिरफ्तारी घटी, 27 प्रतिशत की आई कमी

32,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां वापस

पिछले वित्तीय वर्ष में, ईडी ने धोखाधड़ी के पीड़ितों को कुर्क की गई संपत्तियां वापस लौटाने के अपने निर्धारित लक्ष्य को दोगुने से पार कर लिया, क्योंकि उसने उक्त अवधि के दौरान 32,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां वापस कीं। एजेंसी ने 15,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस लौटाने का लक्ष्य रखा था। एजेंसी ने पिछले वित्त वर्ष में 32,678 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस कीं, जबकि वित्त वर्ष 2025 में धोखाधड़ी के पीड़ितों को 15,263 करोड़ रुपये की संपत्तियां सौंपी गई थीं। ईडी निदेशक राहुल नवीन ने वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत में 15,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस दिलाने का लक्ष्य रखा था।

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, न्यूरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंग्जाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक को कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंसते हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अक्सर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास तो मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रुटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाने की आदत डाल लें तो निश्चय ही तमाम तरह की मानसिक परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है।

फॉलो करें लाफ्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंसें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाफ्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।

कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंसते हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला रसायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

इमोशनल रेग्युलेटरः मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करने में मदद करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है।

बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरीः इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंसता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है।

फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिसः सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्ग्रुएंट बिहेवियरः यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेंट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉग्नीटिव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृति होने के कारण हंसी, सोशल एंग्जाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है। *

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाफ्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाफ्टर-थेरेपी या लाफ्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-एक्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन चंद सेकेंड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। ब्रेन का पैटर्न बनता है। ब्रेन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिगनल मानता है और मानसिक परेशानियों को भुलाने में मदद करता है।

लाइफस्टाइल
सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।

दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीत गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंसते हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना हैः अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए नहीं हंसते बल्कि हम हंसते हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंसते हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्छल और उन्मुक्त होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। मगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। हंसी को संक्रमण की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारों नेमतों की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

कई बीमारियों के उपचार में सहायकः हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं। आपको जानकार हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाफ्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है।

सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूतः हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के हर सदस्य को प्रतिदिन हंसी की छोटी-बड़ी खुराक देने की जरूरत पड़ती है।

बढ़ती है इम्यूनिटी पावरः दिल खोलकर हंसने से तनाव कम होता है। कई शोधों से यह भी पता चला है कि हंसने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है, क्योंकि हंसने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्पादन बढ़ जाता है और यह इम्यून सेल्स को सक्रिय करता है। हमारे शरीर में यही सेल्स बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए नियमित रूप से हंसने से इम्यून सिस्टम को बूस्ट मिलता है।

कह सकते हैं कि हंसी जीवन को खुशहाल बनाने का अचूक नुस्खा है। इसलिए मुफ्त में उपलब्ध इस कुदरती नियामत का भरपूर उपयोग करने में ही समझदारी है। *

नवगीत
डॉ. गुरु सरन लाल

मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।
अव्यवस्थित जीवनशैली
बातें भी हैं जाने कैसी
किसी का कोई लिहाज नहीं है
रिश्तों की तो ऐसी-तैसी
अक्ल पर लगा दिया ताला।
भौतिकता के पागलपन में
आपाधापी मची जीवन में
नियम कानून को ताक पे रखते
पानी सूख गए अंखियन में
नैतिकता को पड़ गया पाला।
कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।

व्यंग्य
राजा चौरसिया

जबरन हंसना पड़ेगा

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेट फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। मगर से बैर करने से खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जमाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुग्ध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी अत्यंतावश्यक हो गई है। बॉस पर क्यों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो, उसके हंसने पर आपको भी हंसना जरूरी ही नहीं मजबूरी भी हो जाती है। जब पारदर्शिता के बिना प्यारदर्शिता का जलवा है और सच की हालत हलवा है, तब स्वाभाविक हंसी के बारे में किंचित भी चिंतित नहीं होना चाहिए। जब रियल से भी बढ़कर आर्टिफिशियल हो जाए, तब जबरन हंसने की गुणवत्ता की ही महत्ता है।

अंदर से खुश न रहते हुए भी बाहर जबरन हंसना, गुड बीइंग से बढ़कर गुड लुकिंग बनाता है। स्किल से पहले स्किन का तथा कर्म सौंदर्य के पहले चर्म सौंदर्य की मान्यता है। आज आचरण से बढ़-चढ़कर आवरण को लाइक करना स्वयं के लायक होने का प्रमाण है। नकलियत के अनुकूल जबरन हंसमुखता को प्रमुखता प्रदान करने की कला से ही भला है। घोर निंदक होकर भी दूसरों के सम्मुख हंसमुख दिखाकर उनकी प्रशंसा करने की मंशा वह विशेषण है, जिसका विश्लेषण करना मीटर से किलोमीटर नापना है।

चार दिन की चांदनी यह जिंदगी है। किसी को आईना दिखाना, अर्थात दुर्मति के कारण अपनी दुर्गति कराना है। जैसे फोटो खिंचवाते समय स्माइल प्लीज सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इज बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंसते हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार का नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेक्टिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिस्म को भी दिखाऊ तथा रिझाऊ बनाए रखने के चातुर्य का प्राचुर्य होना परिवार में भी बेहद आवश्यक है।

आधुनिकता के परवाने जैसे दीवाने पति महोदय मिर्ची जैसी सुपत्नी को मिश्री से बढ़कर मीठी कहकर, हर तरह की आपत्ति और विपत्ति से मुक्त रहते हैं। क्रुद्ध होकर भी गृहयुद्ध से बचने के लिए जबरन हंसकर प्राणप्यासी को प्राणप्यारी कहना दुःखिया होकर भी सुखिया दिखने की बुद्धिमानी है। वातावरण के अनुसार ही आचरण होना चाहिए।

अब जब हंसने के दिन आए हैं, तो इसे सामयिक कटु सत्य मानकर उसी में चलने-ढलने में ही सार है। जब सब कुछ ऊपर-ऊपर ही चलता है, तब दिल को छूकर देखने की बात हास्यास्पद है। आज तो हर कमाऊ व्यक्ति बहुत ही बिजी होने के कारण ईजी नहीं रह सकता। इसीलिए नकली या फसली हास्य-मुद्राएं ही बेहद आवश्यक हैं। प्योरिटी की श्योरिटी न होने के कारण नकली फूलों पर इत्र का स्प्रे स्वाभाविक है। खाद्य से लेकर पेय तक शुद्धता की गारंटी या वारंटी नहीं है। मंचों पर संबोधन से लेकर उद्बोधन तक जबरन स्माइल की स्टाइल मोस्ट वांटेड है। केवल लाफ्टर डे पर ही नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी में भी जबरन ही सही हंसना ही पड़ता है। *

लघुकथा / विनय मोघे

सबक

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ कंपनी के दफ्तर में पहुंचे। सभी आवेदकों को एक हॉल में बिठा दिया गया, जैसे स्कूल-कॉलेज में परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को बैठाया जाता है। सभी आवेदकों को निर्देश दिए गए कि उन्हें निश्चित समय में अपना रिज्यूमे वहीं लिखकर तैयार करना है, बिना किसी तकनीकी सहायता के। इंटरव्यू के लिए आए आवेदकों के लिए यह अनपेक्षित था। सभी प्रश्नवाचक नजरों से एक-दूसरे को देखने लगे। उनके चेहरे के हाव-भाव बता रहे थे कि लगभग सभी आवेदकों ने एआई की सहायता से ही अपने रिज्यूमे बनाए थे और अब बिना किसी सहायता के अपना वैसा ही प्रभावी रिज्यूमे बनाना उनको मुश्किल लग रहा था। रेज्यूमे जमा करने का समय खत्म होने वाला था। पर इक्का-दुक्का आवेदकों को छोड़कर किसी ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविधवर्णी साहित्यिक-सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहां नंदेश्वर दैमारी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियों, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करता बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रचना संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुक्ल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिकाः पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, **संपादकः** देवांशु, **मूल्यः** 125 रुपए, **प्रकाशन स्थलः** बिलासपुर, छत्तीसगढ़

बांध, नहर और वाटर शेड के 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्रों के सर्वे की तैयारी

छत्तीसगढ़ में बांधों, जलाशयों और वाटर शेड क्षेत्रों का होगा लिडार सर्वे, रिपोर्ट के आधार पर बनेगी कार्ययोजना

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग प्रदेश के बांधों, जलाशयों, नहरों, वाटरशेड और सिंचाई में उपयोग होने वाले क्षेत्रों की स्ट्रेटजिक प्लानिंग, मैनेजमेंट और मॉनिटरिंग के लिए 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र का लिडार सर्वे कराने जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर आगे के लिए रोड मैप और एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा।

जल संसाधन विभाग ने सर्वे के लिए कंसल्टेंट और एजेंसी नियुक्त करने प्रस्ताव भी आमंत्रित कर लिए हैं। विभाग के जानकार सूत्रों के मुताबिक एजेंसी को एयरबोर्न और हाइड्रोग्राफिक (बैथिमेट्रिक) सर्वे करने और एक बड़ा जीआईएस डेटाबेस तैयार करना होगा। यह डेटा पानी के रिसोर्स की अच्छी प्लानिंग, ऑपरेशन और मैनेजमेंट में मदद करेगा। साथ ही पानी की सेफ्टी और मैनेजमेंट के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर की हालत के बारे में भी जानकारी देगा। एजेंसी अल्ट्राधुनिक लिडार और आरजीबी सेंसर लगे मैन्ड एरियल व्हीकल का इस्तेमाल करके बड़े पैमाने पर टोपोग्राफिक सर्वे करेगी। साथ ही संबंधित इलाके की ऊंचाई, जमीन की टोपोग्राफी, पेड़-पौधे, बाढ़ के मैदान की मैपिंग और जमीन के इस्तेमाल से जुड़े डेटा इकट्ठा करेगी। छोटे, ज्यादा खास इलाकों

या जरूरी अधोसंरचनाओं जैसे डैम, गेट, तटबंध और स्लुइस गेट का सर्वे करने के लिए यूएवी तैनात करना का काम भी एजेंसी करेगी।

एजेंसी लिडार सेंसर वाले यूएवी का इस्तेमाल करके सही जियोस्पेशियल डेटा कैप्चर करेगी जिससे डिटेल्ड मैपिंग और एसेट की कंडीशन का आंकलन हो सके। आगे के विश्लेषण और मौजूदा वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट मॉडल को सपोर्ट करने के लिए इकट्ठा किए गए सभी डेटा को एक यूनिफाइड जीआईएस प्लेटफॉर्म में इंटीग्रेट करने का काम भी एजेंसी करेगी। कंसल्टेंट एजेंसी द्वारा एकत्र डेटा से पानी के रिसोर्स और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे बांध, जलाशय, नहरें, पुल और उससे जुड़े एसेट्स की स्ट्रेटजिक प्लानिंग, मैनेजमेंट और मॉनिटरिंग में मदद मिल सकेगी। एयरबोर्न और हाइड्रोग्राफिक सर्वे के जरिए तैयार जीआईएस डेटा कई खास वजहों से जरूरी मानी जा रही है। इससे डैम, जलाशय, नहर और बाढ़ कंट्रोल सिस्टम जैसे जरूरी वॉटर इंफ्रास्ट्रक्चर की प्लानिंग, ऑपरेशन और मेंटेनेंस के बारे में सोच-समझकर फैसले लेने में मदद मिलेगी। जल संसाधन विभाग डिटेल्ड एरियल और हाइड्रोग्राफिक डेटा हासिल करके बाढ़ के रिस्क आंकलन, वॉटर डिस्ट्रीब्यूशन प्लानिंग और लंबे समय तक वॉटर रिसोर्स एलोकेशन के लिए अपनी क्षमता को बेहतर बना सकेगा। इसके अलावा जीआईएस डेटा को एक सेंट्रल प्लेटफॉर्म में इंटीग्रेट करने से विभाग को रियल-टाइम में जानकारी मिलेगी। इस पहल से बाढ़ या सूखे जैसी इमरजेंसी में विभाग की रिस्पॉन्ड करने की क्षमता भी बढ़ेगी। क्योंकि इससे जरूरी एसेट्स की हालत और जगह की डिटेल में समझ मिलेगी।

छत्तीसगढ़ में डिजिटल जनगणना में 51 हजार से अधिक कर्मचारी घर-घर पहुंचकर जुटा रहे जानकारी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का फील्ड कार्य आधिकारिक रूप से प्रारंभ हो गया है। 1 मई से शुरू हुआ यह महाभियान 30 मई तक चलेगा। कार्य के लिए राज्यभर में 51 हजार 300 प्रगणक और 9 हजार पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है, जो घर-घर जाकर डेटा एकत्रित कर रहे हैं। इस बार की जनगणना ऐतिहासिक है, क्योंकि यह पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जा रही है। प्रगणक मोबाइल ऐप के जरिए मकानों की स्थिति, परिवारों को उपलब्ध सुविधाओं और परिसंपत्तियों से संबंधित कुल 33 प्रश्नों की जानकारी दर्ज करेंगे। प्रशासन ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि जब भी प्रगणक उनके घर आएं, उन्हें सही और सटीक जानकारी प्रदान करें। आपका यह सहयोग केवल जानकारी मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आपका अमूल्य योगदान है।

- 16 से 30 अप्रैल तक 1 लाख 49 हजार से अधिक परिवारों ने की स्वगणना

दुर्गम क्षेत्रों में मिसाल- बस्तर जिले के तोकापाल तहसील अंतर्गत ग्राम गाटम के प्रगणक ने विषम परिस्थितियों के बावजूद पहले ही दिन कार्य पूर्ण कर राज्य स्तर पर उत्साह का संचार किया। अभियान के पहले दिन ही जिला कलेक्टरों और नगर निगम आयुक्तों ने फील्ड में जाकर कार्यों का निरीक्षण किया और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। स्व-गणना राज्य में डिजिटल साक्षरता का प्रभाव दिखा, जहाँ 16 से 30 अप्रैल के बीच 1 लाख 49 हजार 862 परिवारों ने वेब पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी गणना की। जनगणना निदेशालय ने आम नागरिकों को आश्वस्त किया है कि उनके द्वारा दी गई सभी व्यक्तिगत जानकारी जनगणना अधिनियम 1948 के तहत पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। यह जानकारी किसी भी टैक्स, पुलिस जांच या कोर्ट केस में साक्ष्य के रूप में उपयोग नहीं की जा सकती। यहाँ तक कि सूचना का अधिकार के माध्यम से भी व्यक्तिगत डेटा प्राप्त नहीं किया जा सकता। इन आंकड़ों का उपयोग केवल राष्ट्र निर्माण और जन कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण हेतु किया जाएगा।

अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई

प्रशासन ने जनगणना कार्य को लेकर सख्त रुख अपनाया है। रायपुर नगर निगम में ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले 44 कर्मचारियों को जनगणना अधिनियम 1948 और छत्तीसगढ़ सिविल आचरण नियमों के तहत नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जनगणना कार्य में बाधा डालना या इससे इनकार करना एक दंडनीय अपराध है।

दुर्गम क्षेत्र 'गाटम' में पहले ही दिन कार्य पूर्ण

जनगणना कार्य के प्रथम दिवस ही बस्तर जिले के तोकापाल तहसील स्थित अत्यंत दुर्गम क्षेत्र के ग्राम 'गाटम' से एक उत्साहजनक खबर आई। यहाँ के प्रगणक ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से विषम परिस्थितियों के बावजूद पहले ही दिन ग्राम का कार्य पूर्ण कर लिया। प्रगणक की इस उपलब्धि ने प्रशासनिक स्तर पर न केवल प्रशंसा बटोरी है, बल्कि पूरे राज्य के फील्ड कार्यकर्ताओं के बीच भारी उत्साह का संचार किया है। जनगणना निदेशालय ने इसे राष्ट्र सेवा के प्रति एक उत्कृष्ट मिसाल बताया है।

हमिंग कोटरी प्रोजेक्ट पर रेरा सख्त, 5 लाख का जुर्माना

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण ने हमिंग कोटरी (अमूल्य रियलकान) आवासीय सहकारी समिति मर्यादित, कचना से जुड़े एक मामले में सख्त रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। प्रकरण में सुनवाई के बाद प्राधिकरण ने परियोजना में पाई गई विभिन्न कमियों को दूर करने के निर्देश दिए हैं।

- दो माह में बैडमिंटन कोर्ट, लॉन, क्लब हाउस और सीवरेज सिस्टम की सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश

आदेश के अनुसार, प्राधिकरण ने कहा है कि 60 दिनों के भीतर अधिनियम के तहत आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर सामान्य क्षेत्र का हस्तांतरण करे। साथ ही प्रोजेक्ट में बैडमिंटन कोर्ट, लॉन, क्लब हाउस और सीवरेज सिस्टम में आरसीसी चैंबर जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा प्राधिकरण ने स्विमिंग पूल के इनलेट-आउटलेट और फिल्ट्रेशन चैंबर को व्यवस्थित करने, क्लब हाउस पर सोलर पैनल लगाने तथा सीवेज संबंधी समस्याओं को दूर करने को कहा है। एसटीपी के कंट्रोल पैनल को दुरुस्त करने और गार्डन में फव्वारा व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

आदेश का पालन न होने पर कड़ी कार्रवाई

रेरा ने स्पष्ट किया है कि आदेशों का पालन नहीं होने पर संबंधित धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अनियमितताओं के चलते अनावेदकगण पर 5 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है, जिसे शासन कोष में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। यह आदेश प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं सदस्य द्वारा हस्ताक्षरित है, जिसमें आवेदक की शिकायतों को सही पाते हुए परियोजना में सुधार के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं।

जिला कार्यकारिणी में शहर की दक्षिण विधानसभा पर फोकस, यहां से सबसे अधिक पदाधिकारी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

शहर जिलाध्यक्ष की कार्यकारिणी में शहर की चारों विधानसभा विधानसभाओं को फोकस कर पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। राजधानी रायपुर में रायपुर दक्षिण, रायपुर उत्तर, रायपुर पश्चिम और रायपुर ग्रामीण सीटों पर चुनाव की तैयारी के दृष्टिकोण से कार्यकारिणी में नियुक्ति की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद से रायपुर दक्षिण सीट ऐसी रही, जहां से कांग्रेस कभी नहीं जीत पाई। इस बार इस सीट पर फोकस करते हुए जिला कार्यकारिणी में सबसे अधिक 24 पदाधिकारी बनाए गए हैं। वहीं उत्तर विधानसभा से 17 पदाधिकारी बनाए गए हैं। दोनों विधानसभा मिलाकर कार्यकारिणी में एक तिहाई लोगों को यहां पर फोकस कर तैयार किया गया है। वहीं पश्चिम से 13 और ग्रामीण से 7 पदाधिकारी बनाए गए हैं। शहर जिलाध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने जिला कार्यकारिणी शहर की चारों विधानसभा सीटों के पूर्व विधायकों और नेताओं से चर्चा कर तैयार किया है। सक्रिय लोगों को अपनी टीम में तैयार कर उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर अपनी कार्यकारिणी तैयार की है। रायपुर दक्षिण विधानसभा के लिए जिन पदों पर कार्यकारिणी के लोगों को लिया गया है। उनमें 3 उपाध्यक्ष, 7 महामंत्री, 9 सचिव और 5 कार्यकारिणी सदस्यों को शामिल किया गया है। दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के लोगों को ही इसमें रखा गया है। सभी को यहां की गतिविधियों पर ध्यान देकर वहां के ब्लॉक एवं बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है। यहां से भाजपा ने पिछले पांच चुनावों में लगातार जीत दर्ज की है। ऐसे में अब यहां पर कांग्रेस अलग से रणनीति बनाकर काम कर रही है।

दूसरे नंबर पर उत्तर विधानसभा- शहर का उत्तर विधानसभा में दो बार कांग्रेस और तीन बार भाजपा का कब्जा रहा। कांग्रेस यहां पर अच्छी पकड़ रखने के बाद भी बागियों के कारण चुनाव में पीछे रह जाती है। कार्यकारिणी में इस बार जिलाध्यक्ष ने यहां से 17 लोगों को जगह दी है। कांग्रेस के पदाधिकारियों में यहां से 3 उपाध्यक्ष, 7 महामंत्री, 4 सचिव और 3 कार्यकारिणी सदस्यों को स्थान दिया गया है। यहां के पूर्व विधायक और सक्रिय नेताओं के माध्यम से कार्यकारिणी में इन पदाधिकारियों को उनकी सक्रियता के आधार पर शामिल किया गया है।

पश्चिम विधानसभा पर भी ध्यान- रायपुर की पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने दो और कांग्रेस ने एक बार जीत दर्ज की है। यहां पर कांग्रेस ने जिला कार्यकारिणी में ऐसे लोगों को शामिल किया है जो यहां के सीट पर दखल रखते हैं। इस विधानसभा में युवा नेताओं की खास दिलचस्पी की वजह से यहां के कार्यकारिणी में 13 पदाधिकारी शामिल किए गए है। यहां के पूर्व विधायक की सलाह और सक्रिय नेताओं समर्थकों को शामिल करते हुए इस विधानसभा में प्रतिनिधित्व दिया गया है। यहां के मुद्दों के आधार पर इस सीट पर कांग्रेस का आधार बढ़ाने का प्रयास हो रहा है।

ग्रामीण में शहर से कम- रायपुर ग्रामीण विधानसभा सीट में शहर की कुछ एरिया आते है। इनमें शहर जिला कार्यकारिणी में 7 पदाधिकारियों को शामिल किया गया है। विधानसभा का अधिकांश हिस्सा ग्रामीण जिलाध्यक्ष में आता है। अतः शहरी क्षेत्र से सक्रिय नेताओं को शामिल किया गया है। आपसी सामंजस्य के तहत बनाए गए सभी सदस्यों को यहां की गतिविधियों में भाग लेने कहा गया है।

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

आंचलिक कार्यालय, स्टार हाऊस, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 48, सेक्टर-24, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ 492101

ई-नीलामी सूचना मेगा ऑक्शन अंतर्गत

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) व 1 के अधीन अंचल संपत्ति की बिक्री की सूचना

ई-नीलामी तिथि एवं समय : 09.06.2026, प्रातः 11.00 से सायं 5.00 तक

ई-नीलामी उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत जारी नोटिस के अनुसार बैंक ऑफ इंडिया की ओर से बैंक के अधिकृत अधिकार द्वारा नीचे उल्लेखित सम्पत्तियों का कब्जा लिया गया था। अधिकृत अधिकारी द्वारा उधारकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया, के निम्न शाखाओं के खातों की वसूली के लिये उक्त अधिनियम के नियम 8 एवं 9 अधीन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का सार्वजनिक नीलामी द्वारा जैसा है जहाँ है एवं जिस अवस्था में है के आधार पर विक्रय करने का निर्णय लिया गया है।

क्रं.	शाखा और उधारकर्ता/जमानतदार के नाम	बंधक संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य (लाख में) / ई.एम.डी. (लाख में) / बोली बढ़ोत्तरी (लाख में)	अ) मांग सूचना दिनांक / ब) कब्जा दिनांक / स) बकाया राशि (लाख में)
01	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स गौतम एंटरप्राइजेज, प्रोप.- श्री अखिल कुमार अग्रवाल, जमानतदार- श्री नंद किशोर अग्रवाल	भूमि - खसरा नं 136/1, प.ह नं 13, शीट नं 08, क्षेत्रफल- 14377 वर्गफीट, वार्ड नं 02, भुज बधान तालाब के पास, बैकुंठपुर, रायगढ़ (छ.ग.), मालिकाना हक - श्री नंदकिशोर अग्रवाल पिता श्री सूरजभान अग्रवाल।सीमाएँ :- उत्तर-किशन मिश्रा की भूमि, दक्षिण - विजय राजपूत की भूमि, पूर्व - तालाब, पश्चिम - महन्त की भूमि। (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 152.75 ₹ 15.27 ₹ 0.50	अ) 04.04.2019 ब) 13.09.2019 स) ₹ 838.00 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
02	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स गुरसुख एग्रो ट्रेडिंग कंपनी, प्रोप.: सुश्री पायल शर्मा	भूमि एवं भवन - सामयिक बंधक परिवर्तित पोल्ट्री फार्म भूमि एवं भवन स्थित खसरा नं 46/5, प.ह नं. 15, भिंभोरी, तिल्दा रोड के पास, तहसील एवं जिला - रायपुर, क्षेत्रफल - 39288 वर्गफुट, मालिकाना हक- सुश्री पायल शर्मा पिता श्री नारायण शर्मा। सीमाएँ: -उत्तर - राम सिंह का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता भूमि, पूर्व - सड़क, पश्चिम - मंत्रम का प्लॉट। (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 83.21 ₹ 8.32 ₹ 0.25	अ) 31.07.2024 ब) 01.10.2024 स) ₹ 320.28 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
03	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- 1) मेसर्स मनोज ट्रेडिंग कंपनी, प्रो. सुश्री राधिका अग्रवाल पिता श्री शुशील अग्रवाल, जमानतदार - श्रीमती संगीता अग्रवाल पति स्व. श्री मनोज अग्रवाल, श्री शुशील अग्रवाल पिता स्व. श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, उधारकर्ता- 2) मेसर्स राधिका इंटरप्राइजेज, प्रो. श्री शुशील अग्रवाल पिता स्व. श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, जमानतदार- श्रीमती संगीता अग्रवाल पति स्व. श्री मनोज अग्रवाल	(अ) खुली डायवर्टेड भूमि- खसरा नं 1128/10, 1129/9 (भाग), एसबीआई शाखा के सामने, प.ह नं. 20, वीआईपी कॉलोनी के पास, देवकीनंदन दीक्षित वार्ड, वार्ड नं 58, मौजा - सरकंडा, ब्लॉक- बिल्हा, बिलासपुर, तहसील / जिला- बिलासपुर (छ.ग.), क्षेत्रफल- 27468 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्रीमती संगीता अग्रवाल पति श्री मनोज अग्रवाल।सीमाएँ :- उत्तर - मृदुल हरि अग्रवाल की भूमि, दक्षिण – नदी, पूर्व - अन्य भूमि, पश्चिम - चटर्जी गली। (सांकेतिक कब्ज़ा) (ब) खुली भूमि - खसरा नं 1001/2 , 1002/2, प.ह नं 00032, रामकृष्ण परमहंस वार्ड, वार्ड क्रमांक 68, मौजा - सरकंडा, लोधीपारा, ब्लॉक बिल्हा, तहसील/ जिला - बिलासपुर (छ.ग.),क्षेत्रफल - 20336.4 वर्गफुट। सीमाएँ :- पूर्व-मनोज अग्रवाल की खुली भूमि,पश्चिम - भावना एवं सड़क की भूमि,उत्तर - कृषि विश्वविद्यालय की भूमि एवं सड़क, दक्षिण - दुबे एवं अन्य की खुली भूमि। (सांकेतिक कब्ज़ा)	अ ₹ 215.00 ₹ 21.50 ₹ 0.50 ब ₹ 312.10 ₹ 31.21 ₹ 0.50	अ) 21.10.2019 ब) 03.01.2020 स) ₹ 451.32 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
04	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स सतनाम मिनरल्स, पार्टनर्स - श्री दलजीत सिंह जुनेजा एवं श्रीमती सतनाम कौर जुनेजा	(अ) ओपन प्लॉट- खसरा नं 203/18, प.ह नं 00067, मौजा-पुरैना, पंडित विद्या चरण शुक्ल, वार्ड क्रमांक 50, आरएनएम-रायपुर 11, टिकरापारा, तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग.), क्षेत्रफल - 2000 वर्ग फुट, मालिकाना हक- श्री अपूर्व नंदी एवं श्री रवि नंदी। (सांकेतिक कब्ज़ा) (ब) व्यावसायिक दुकान - दुकान नं एफ-36, प्लॉट नं 4/4, नजूल ब्लॉक-06, श्याम प्लाजा, प्रथम तल, मौजा-पंडरीतराई, रविशंकर शुक्ल वार्ड नं 24, (नया वार्ड 34) आरएनएम-रायपुर 1, तहसील एवं जिला -रायपुर (छ.ग.), क्षेत्रफल - 361 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्रीमती सतनाम कौर जुनेजा पति श्री दलजीत सिंह जुनेजा। (सांकेतिक कब्ज़ा)	अ ₹ 30.60 ₹ 3.00 ₹ 0.25 ब ₹ 28.12 ₹ 2.81 ₹ 0.25	अ) 14.06.2025 ब) 17.04.2026 स) ₹ 104.54 + ब्याज एवं अन्य खर्चे

ई- ऑक्शन की तारीख और समय–दिनांक : 09.06.2026, सुबह 11.00 से सायं 05.00 बजे, सीमा रहित 10 मिनट के अंतराल के एक्सटेंशन के साथ, प्रत्येक निरीक्षण की तारीख और समय – 04.05.2026 से 08.06.2026 सुबह 11.00 से दोपहर 03.00 बजे के बीच कार्यालयीन दिवस में।

नोटः–कोई भी बोलीकर्ता/ इच्छुक पक्ष प्लांट एवं मशीनरी के लिये बोली लगा सकता है, परंतु भूमि एवं भवन के लिये बोली लगाने हेतु, बोलीदाता को प्लांट और मशीनरी के लिये अनिवार्य बोली लगानी पड़ेगी क्योंकि किसी भी परिस्थिति में भूमि एवं भवन को स्वतंत्र रूप से बोली नहीं लगायी जा सकती।

उधारकर्ताओं/बंधक–कर्ताओं को 30 दिन का बकाया सूचना

उपरोक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं को यह सूचित किया जाता है की सूचना पत्र में उल्लेखित राशि को मय ब्याज एव खर्चो के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें अन्यथा बंधक रखी संपत्ति की नीलामी ऊपर दर्शायी गई दिनांक को कर दी जावेगी, उसके पश्चात शेष राशि के लिए अलग से वसूली की जावेगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - एआरबी (रायपुर) शाखा: सूरज कुमार - 7717741309, ई.एम.डी. भुगतान तथा तकनीकी जानकारी के लिए जोनल अधिकारी – श्री रमा राव, मो. 99084 84996.

ई-नीलामी के नियम एवं शर्तें: 1. नीलामी बिक्री / बोली, वेबसाइट **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग प्रक्रिया द्वारा की जायेगी। **2. बोलीकर्ताओं की सुविधा के लिए वेबसाइट https://baanknet.com में जा कर "Guidelines" देख सकते हैं।** 3. बोली राशि आरक्षित मूल्य से अधिक होनी चाहिए। 4. सर्वाधिक / सफल बोलीकर्ता का विक्रय के सम्बंध में अधिकृत अधिकारी द्वारा बोली स्वीकार करने के बाद बोली/क्रय मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर की राशि में पहले से जमा बयाना राशि घटाकर शेष बची राशि अगले कार्य दिवस में जमा कराना होगा। अन्यथा उसकी बयाना राशि जब्त कर ली जायेगी। 5. क्रयमूल्य कि 75 प्रतिशत राशि का भुगतान अधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री कि पुष्टि करने से 15 दिन या उससे पहले अथवा उस बढ़ाई हुई अवधि के भीतर शेष राशि जमा नहीं करा पाने कि दशा में जमा राशि को जब्तकर लिया जायेगा एवं अधिकृत अधिकारी बैंक नीलामी को रद्द कर नये सिरे से नीलामी करने हेतु स्वतंत्र होंगे। 6. अधिकृत / सफल बोलीकर्ता की दशा में बयानाराशि का क्रय मूल्य में समायोजित कर दिया जायेगा एवं असफल बोलीकर्ताओं **baanknet** के द्वारा वापस कर दिया जायेगा। बयाना राशि पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा। 7. सम्पत्ति का **जैसा है, जहाँ है** एवं बिना किसी सहारे के आधार पर बेचा जायेगा। इच्छुक बोलीकर्ताओं नीलामी में शामिल होने में पूर्व सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का देय आदि के बारे में जानकारी स्वयं प्राप्त करें। **8. अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास स्व-विवेक से बिना किसी पूर्व सूचना एवं कारण बताये किसी भी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने अथवा बिक्री को स्थगित करने / टालने रद्द करने अथवा बिक्री की नियम व शर्तों को संशोधित करने का सम्पूर्ण अधिकार है।** 9. सम्पत्ति के क्रेता को सरकार को देय सभी वैधानिक देयक एवं सम्पत्ति से संबंधित सभी वर्तमान एवं भविष्य के कर, दर व देयक वहन करना होगा। 10. देय राशि ब्याज और अन्य शुल्कों को छोड़कर है। 11. इस नीलामी से संबंधित किसी भी तरह का संशोधन/त्रुटि सुधार/शुद्धिपत्र भविष्य में अखबार के माध्यम से प्रकाशित नहीं किया जायेगा कृपया इच्छुक नियमित रूप से ऊपर दी गई वेबसाईट से संज्ञान लेवें। 12. इस नीलामी की प्रक्रिया बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी नहीं बोली लगा सकते। 13. इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई डी-व पासवर्ड स्वयं बनाना है। जिसे बनाने में न्यूनतम 2 दिन का समय लगता है। अतः बोलीकर्ता से निवेदन है कि यूजर आई.डी. अंतिम तिथि से पूर्व ही बना लें। 14. एक बोली लगाने वाला (बोलीकर्ता) होने की स्थिति में बोली फॉर्म में उद्धत बोली राशि में न्यूनतम एक बोली वृद्धि मूल्य की बढोत्तरी करनी होगी, अन्यथा विक्रय निरस्त / स्थगित किया जायेगा।

किसी भी तरह की विवाद की स्थिति में इस ई–नीलामी जो कि दिनांक 03.05.2026, सेंट्रल क्रॉनिकल का अंग्रेजी संस्करण के प्रकाशन ही मान्य होगा।

दिनांक : 03.05.2026, स्थान : रायपुर — अधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया

सुशासन तिहार में पहले ही दिन डेढ़ हजार से ज्यादा आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

मजूदर दिवस के दिन से पूरे प्रदेश में सुशासन तिहार शुरू हो गया। 10 जून तक चलने वाले इस अभियान में प्रदेशभर के लोग अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन और दूसरी शिकायतें शासन-प्रशासन को सौंप सकते हैं। मुख्यमंत्री और मंत्री भी अलग-अलग जिलों में जाकर लोगों से बात करेंगे और उनकी शिकायतें सुनेंगे। शिकायतों के निराकरण के निर्देश भी देंगे।

पिछले वर्ष की तरह पूरे प्रदेश में इस अभियान के तहत लोगों की समस्याओं का एक निश्चित समय सीमा में निराकरण करने की रणनीति तैयार की गई है। शिकायतों और मांगों को संबंधित विभागों को भेजा जाएगा। पोर्टल पर दर्ज जानकारी के मुताबिक पहले दिन राज्य के 10 जिलों में 15 सौ 66 से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 1487 आवेदन मांगों से संबंधित हैं, जबकि शिकायतों की संख्या 40 से भी कम है। आवेदन के मामले में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला सबसे आगे रहा।

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

आंचलिक कार्यालय, स्टार हाऊस, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 48, सेक्टर-24, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ 492101

ई-नीलामी सूचना मेगा ऑक्शन अंतर्गत

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) व 1 के अधीन अंचल संपत्ति की बिक्री की सूचना

ई-नीलामी तिथि एवं समय : 26.05.2026, प्रातः 11.00 से सायं 5.00 तक

ई-नीलामी उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत जारी नोटिस के अनुसार बैंक ऑफ इंडिया की ओर से बैंक के अधिकृत अधिकार द्वारा नीचे उल्लेखित सम्पत्तियों का कब्जा लिया गया था। अधिकृत अधिकारी द्वारा उधारकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया, के निम्न शाखाओं के खातों की वसूली के लिये उक्त अधिनियम के नियम 8 एवं 9 अधीन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का सार्वजनिक नीलामी द्वारा जैसा है जहाँ है एवं जिस अवस्था में है के आधार पर विक्रय करने का निर्णय लिया गया है।

क्रं.	शाखा और उधारकर्ता/जमानतदार के नाम	बंधक संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य (लाख में) / ई.एम.डी. (लाख में) / बोली बढ़ोत्तरी (लाख में)	अ) मांग सूचना दिनांक / ब) कब्जा दिनांक / स) बकाया राशि (लाख में)
01	सुपेला शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स शब्बीर एग सेंटर, प्रोप.- श्री शब्बीर अहमद कुरैशी	भूमि- सामयिक बंधक परिवर्तित भूमि स्थित खसरा नं 346/2 (म्यूटेशन के बाद नया खसरा नं 346/15), प.ह नं 14/19, वार्ड नंबर 16, प्लॉट नंबर 1 एवं 2, कैलाश नगर, कुरुद, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग), क्षेत्रफल- 1729.30 वर्गफुट, जिसमें 1400.00 वर्गफुट भूमि श्री शब्बीर अहमद कुरेशी पिता श्री खलील अहमद कुरेशी के नाम पर डायवर्ट की गई है। सीमाएँ:- उत्तर- सड़क, दक्षिण-चितकू की भूमि, पूर्व-राजीव जैन की भूमि, पश्चिम-यादव का प्लॉट। (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 12.50 ₹ 1.25 ₹ 0.25	अ) 18.12.2024 ब) 20.03.2025 स) ₹ 25.97 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
02	व्यापार विहार शाखा:- उधारकर्ता- श्री शुभाशीष कुमार मित्रा	आवासीय फ्लैट- फ्लैट नंबर एल-204, प.ह नंबर 22/36/29, साकेत अपार्टमेंट, बोधिसत्व ब्लॉक, अग्रसेन चौक के पास, जूना बिलासपुर, खसरा नं. 622/5 (भाग), प्लॉट नंबर 272/1, तहसील एवं जिला-बिलासपुर, क्षेत्रफल- 1350 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री सुभाशीष कुमार मित्रा। सीमाएँ:- उत्तर : कॉलोनी रोड,दक्षिण : सेट बैक,पूर्व : सेट बैक,पश्चिम: फ्लैट नं.एल-203. (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 49.84 ₹ 4.98 ₹ 0.25	अ) 18.09.2025 ब) 09.12.2025 स) ₹ 24.84 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
03	व्यापार विहार शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स पूनम सेल्स, प्रो.- श्रीमती नागेश्वरी पांडे एवं जमानतदार: श्री रितेश कुमार पांडे	आवासीय भवन- खसरा नंबर 398/26, प.ह नं 21, मौजा- कुदुदंड, वार्ड नं 04, कस्तूरबा नगर, वार्ड- जरहाभाठा, बिलासपुर (छ.ग.), क्षेत्रफल -1206 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती नागेश्वरी पांडे पति श्री विजय पांडे।सीमाएँ:- उत्तर : 15' चौड़ी सड़क,दक्षिण : सुषमा सराफ का मकान, पूरब : पुरेंद्र सिंह का मकान, पश्चिम: पांडे का मकान। (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 47.91 ₹ 4.79 ₹ 0.25	अ) 24.06.2025 ब) 09.12.2025 स) ₹ 30.78 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
04	भिलाई शाखा:- उधारकर्ता- श्री राजीव कुमार काटझोरी पिता श्री राम सिंह	फ्लैट - फ्लैट नंबर 48, ब्लॉक नंबर ई-5 (छठी मंजिल), चौहान हाउसिंग (चौहान ग्रीन वैली), खसरा नं 195, 216/1 एवं 226 का भाग, मौजा-जुनवानी एवं खमरिया, भिलाई, तहसील एवं जिला-दुर्ग, क्षेत्रफल- 501.99 वर्गफीट पर स्थित सामयिक बंधक संपत्ति, मालिकाना हक - श्री राजीव कुमार कटझोरी। सीमाएँ:- उत्तर : आसमान की ओर खुला, दक्षिण : मार्ग एवं लिफ्ट, पूर्व: आसमान के लिए खुला,पश्चिम: फ्लैट नंबर ई-47 . (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 15.00 ₹ 1.50 ₹ 0.25	अ) 29.11.2022 ब) 28.02.2023 स) ₹ 11.92 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
05	बेमेतरा शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स पवन ब्रिक्स, प्रो.- श्री मनीराम साहू	औद्योगिक भूमि एवं भवन- खसरा नंबर 328/2,328/3 प.ह नंबर 10, ग्राम- उमरिया, आरआईसी-खंडसारा, तहसील-दाढ़ी, बेमेतरा (छ.ग) पर स्थित सामयिक बंधक संपत्ति। सीमाएँ:- उत्तर : दुर्गालाल की भूमि,दक्षिण : प्रेम साहू की भूमि,पूर्व: मनीराम की सड़क व भूमि,पश्चिम : जलेश्वर की भूमि . (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 15.95 ₹ 1.59 ₹ 0.25	अ) 01.06.2023 ब) 18.08.2023 स) ₹ 10.00 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
06	बिलासपुर शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स श्री साईं मोहन फर्नीचर, प्रो.- श्री आशुतोष साहू पिता श्री नेतराम साहू एवं जमानतदार: शिवकली साहू	आवासीय प्लॉट - प्लॉट नंबर 121/ए, खसरा नं. 27/19 (27/2 का भाग), वार्ड नंबर 28, बसंत भाई पटेल नगर वार्ड, मधुबन पारा (मुक्तिधाम रोड),प.ह नंबर 22 ब्लॉक -बिल्हा, मौजा-जूना बिलासपुर, तहसील एवं जिला- बिलासपुर (छ.ग.), क्षेत्रफल -1100 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती शिवकली साहू पति स्वर्गीय नेतराम साहू (जमानतदार)। सीमाएँ:- उत्तर: 20' चौड़ी सड़क, दक्षिण : चेदि कश्यप की भूमि, पूर्व : विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम : देवेन्द्र सिंह की भूमि। (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 18.50 ₹ 1.85 ₹ 0.25	अ) 22.09.2022 ब) 13.12.2022 स) ₹ 9.31 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
07	बेमेतरा शाखा:- उधारकर्ता: श्री अशोक कुमार भार्गव, जमानतदार: श्री अश्वनी कुमार मिरे एवं श्री अशोक कुमार भार्गव	आवासीय भूमि एवं भवन - खसरा नंबर 331/49 {पुराना खसरा नं. 331/3 (भाग)}, प.ह नंबर 12, वार्ड नंबर 15, तिलक वार्ड, आदर्श नगर, मुंगेली रोड, नवागढ़, तहसील- नवागढ़, जिला- बेमेतरा (छ.ग), क्षेत्रफल - 1200 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्री अशोक कुमार भार्गव। सीमाएँ:- उत्तर : अश्वनी मिरे का मकान, दक्षिण : देवांगन का प्लॉट, पूर्व: बर्मन का मकान, पश्चिम: सड़क, (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 14.97 ₹ 1.49 ₹ 0.25	अ) 16.04.2018 ब) 07.07.2018 स) ₹ 14.63 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
08	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स ब्लैकस्मिथ कॉर्पोरेशन माइनिंग एंड एलाइड (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड, प्रोप. – श्री विनय श्रीवास्तव पिता एस.पी. श्रीवास्तव	(अ) औद्योगिक भूमि - सामयिक बंधक फ्रीहोल्ड औद्योगिक भूमि स्थित खसरा नंबर 399, ग्राम - कोनारी, प.ह नं. 00013, आरएनएम-टंडवा, तहसील -तिल्दा, जिला- रायपुर,(छ.ग), क्षेत्रफल - 42302.17 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्री विनय श्रीवास्तव। सीमाएँ - उत्तर- सड़क, दक्षिण - कोनारी गांव की सीमा,पूर्व - राजकुमार अग्रवाल की भूमि,पश्चिम - उद्योग विभाग की भूमि। (सांकेतिक कब्ज़ा) (ब) औद्योगिक भूमि- सामयिक बंधक फ्रीहोल्ड औद्योगिक भूमि स्थित खसरा नं 95/5, 95/6, ग्राम- खम्हरिया, प.ह नं. 00013, आरएनएम-टंडवा, तहसील -तिल्दा, जिला- रायपुर, (छ.ग), क्षेत्रफल - 21743.10 वर्गफुट, मालिकाना हक - श्री विनय श्रीवास्तव। सीमाएँ (खसरा नं 95/5 के लिए):-उत्तर-चन्द्रशेखर की भूमि, दक्षिण - विक्रेता की भूमि,पूर्व - विक्रेता की भूमि,पश्चिम - ग्राम कोनारी की सीमा। सीमाएँ (खसरा नं 95/5 के लिए):-उत्तर-चन्द्रशेखर की भूमि,दक्षिण - विक्रेता की भूमि,पूर्व - विक्रेता की भूमि,पश्चिम - ग्राम कोनारी की सीमा। सीमाएँ (खसरा नं 95/6 के लिए):-उत्तर- विक्रेता की भूमि,दक्षिण - विक्रेता की भूमि,पूर्व - विक्रेता की भूमि,पश्चिम - राजहर्ष. (सांकेतिक कब्ज़ा)	अ ₹ 70.12 ₹ 7.01 ₹ 0.25 ब ₹ 31.42 ₹ 3.14 ₹ 0.25	अ) 12.03.2025 ब) 09.01.2026 स) ₹ 163.14 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
09	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स कृष्णनंदन मिल्क एंड डेयरी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, निदेशक: 1. श्री रोमिंदर सिंह अजमानी, 2. श्री नवदीप सिंह अजमानी, जमानतदार- मेसर्स भाटिया बिल्डर्स एंड डेवलपर्स, पार्टनर - श्री दलजीत सिंह भाटिया	फैक्ट्री भूमि- फ्रीहोल्ड फैक्ट्री भूमि स्थित भूखंड नंबर 2, खसरा नं 145/1, प.ह नं 42/14, मौजा - जाली, आरएनएम - रतनपुर, ब्लॉक - कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), क्षेत्रफल -3.409 हेक्टेयर, मालिकाना हक- मेसर्स कृष्णनंदन मिल्क एंड डेयरी प्रोडक्ट्स प्राइवेट, निदेशकों - श्री रोमिंदर सिंह अजमानी एवं श्री नवदीप सिंह अजमानी। सीमाएँ: -उत्तर - सुरेंद्र व अन्य की भूमि,दक्षिण - सरकारी भूमि,पूर्व - गुलाब व अन्य की भूमि,पश्चिम - मालिक व सरकार की भूमि। (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 106.50 ₹ 10.65 ₹ 0.50	अ) 30.04.2024 ब) 05.08.2024 स) ₹ 167.13 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
10	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स जे बी इंडस्ट्रीज, प्रोप. - श्री विकाश कुमार आहूजा पिता धरम दास आहूजा	भूमि एवं दो मंजिला आवासीय भवन स्थित खसरा नं 401/17, प.ह नं 32, ग्राम भेड़ीकला, राजनांदगांव, क्षेत्रफल- 10890 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्री विकाश कुमार आहूजा एवं श्री धरम दास आहूजा। सीमाएँ :- उत्तर - बिसेशर की भूमि, दक्षिण - शिव की भूमि, पूर्व - प्रकाश की भूमि, पश्चिम - शिव की भूमि। (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 31.36 ₹ 3.13 ₹ 0.25	अ) 03.01.2022 ब) 10.05.2022 स) ₹ 104.07 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
11	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स महामाया केमिकल्स, प्रोप. - श्रीमती ज्योति मिश्रा पति श्री फणीन्द्र मिश्रा एवं जमानतदार - श्री फणीन्द्र मिश्रा पिता श्री एम.सी. मिमिश्रा	(अ) व्यावसायिक दुकान - सामयिक बंधक अचल संपत्ति स्थित दुकान नं 151, भूतल, एस्के प्लाजा, नजूल भूमि खसरा नं. 2/14, 44/2, 2/76 एवं 2/77 (भाग), ब्लॉक नंबर 95, 96, आनंद टॉकीज के पास, हवलदार अब्दुल हामिद वार्ड नंबर 36, मौदहापारा, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग), क्षेत्रफल- 205 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्री फणीन्द्र मिश्रा (जमानतदार)। सीमाएँ :-उत्तर-मीटर कक्ष, दक्षिण-सामान्य मार्ग, पूर्व - कार्यालय नं 152,पश्चिम - कार्यालय नं 150. (सांकेतिक कब्ज़ा) (ब) व्यावसायिक दुकान - सामयिक अचल संपत्ति स्थित दुकान नंबर 152-ए, भूतल, एस्के प्लाजा, नजूल भूमि खसरा नं. 2/14, 44/2, 2/76 व 2/77 (भाग), ब्लॉक नं. 95, 96, आनंद टॉकीज के पास, हवलदार अब्दुल हामिद वार्ड नंबर 36, मौदहापारा, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग), क्षेत्रफल-115.03 वर्ग फुट, मालिकाना हक- श्रीमती ज्योति मिश्रा (प्रोप.)। सीमाएँ:- उत्तर- दुकान नं. 157-सी, दक्षिण - दुकान नं. 152, पूर्व - सामान्य मार्ग, पश्चिम - दुकान नं.151. (सांकेतिक कब्ज़ा)	अ ₹ 32.15 ₹ 3.21 ₹ 0.25 ब ₹ 18.50 ₹ 1.85 ₹ 0.25	अ) 21.03.2024 ब) 01.06.2024 स) ₹ 74.97 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
12	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता - मेसर्स युग सुपर बाजार, प्रोप.-श्री देवकरण मरकाम	व्यावसायिक संपत्ति:- सामयिक बंधक फ्रीहोल्ड व्यावसायिक भूमि एवं भवन स्थित पुराना खसरा नं 983/1 का भाग, नया खसरा नं 983/9, प.ह नं. 52/18, आरएनएम गरियाबंद, डाकबंगला, वार्ड नं 08, गरियाबंद, तहसील एवं जिला-गरियाबंद (छ.ग), क्षेत्रफल- 3500 वर्गफीट, मालिकाना हक- श्री देवकरण मरकाम पिता श्री गीताराम. सीमाएं:- उत्तर-जीतनारायण पाठक का खुला प्लॉट, दक्षिण-डब्ल्यूबीएम रोड, पूर्व: देवकिरण का मकान, पश्चिम: अन्य का खुला प्लॉट। (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 50.08 ₹ 5.00 ₹ 0.25	अ) 24.04.2024 ब) 09.07.2024 स) ₹ 54.41 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
13	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स महामाया वैक्सीन्स, प्रोप.- श्री फणीन्द्र मिश्रा पिता स्व. एम.सी. मिश्रा एवं जमानतदार- श्रीमती ज्योति मिश्रा पति श्री फणीन्द्र मिश्रा	(अ) आवासीय फ्लैट - फ्लैट नंबर 2/सी, दूसरी मंजिल, ब्लॉक नंबर 05, सिंगापुर सिटी, प.ह नंबर 103/37, रामकृष्ण परमहंस, वार्ड नंबर 02, मौजा - कोटा (महोबा बाजार) रायपुर(छ.ग), क्षेत्रफल - 861 वर्गफीट, मालिकाना हक -श्री फणीन्द्र मिश्रा।सीमाएँ :- उत्तर- खुला स्थान,दक्षिण - फ्लैट नंबर 2D1, पूर्व - खुला स्थान, पश्चिम - सामान्य मार्ग. (सांकेतिक कब्ज़ा) (ब) व्यावसायिक दुकान- खसरा नंबर 395/1 एवं 396/2 जीएच, शीट नंबर 02, ब्लॉक नंबर 06, प्लॉट नंबर 379, दुकान नंबर ए-308, प्रथम तल, वृन्दावन कॉम्प्लेक्स,तेलीपारा, बिलासपुर (छ.ग), क्षेत्रफल - 336 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्री फणीन्द्र मिश्रा पिता स्वर्गीय एम.सी मिश्रा।सीमाएँ :-उत्तर-संजय अग्रवाल की संपत्ति,दक्षिण - दुकान नंबर ए-309,पूर्व - दुकान नंबर ए-321,पश्चिम - मार्ग. (सांकेतिक कब्ज़ा)	अ ₹ 26.10 ₹ 2.61 ₹ 0.25 ब ₹ 22.86 ₹ 2.28 ₹ 0.25	अ) 02.02.2024 ब) 23.10.2024 संपत्ति क्रमांक (अ) के लिए अ) 02.02.2024 ब) 13.08.2024 संपत्ति क्रमांक (ब) के लिए स) ₹ 429.14 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
14	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स श्री कृष्णा स्टील इंडस्ट्रीज, प्रोप.- श्री अशोक कुमार अग्रवाल, श्री कृष्णा मित्तल, श्री आशीष कुमार बंसल एवं श्री अंकुर अग्रवाल	भूमी एवं भवन - फ्लैट नंबर एमआईजी/03, क्षेत्रफल - 927 वर्गफुट, दूसरी मंजिल, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुकुट नगर बेलादुला, रायगढ़(छ.ग), मालिकाना हक- श्री अशोक कुमार अग्रवाल पिता श्री गोविंद राम अग्रवाल।	₹ 17.00 ₹ 1.70 ₹ 0.25	अ) 05.09.2022 ब) 09.12.2022 स) ₹ 460.20 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
15	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मेसर्स श्री विब्ग्योर कलर लैब, प्रोप.- श्री हरिश्चन अग्रवाल, जमानतदार- श्रीमती शांति अग्रवाल पति स्व. बद्री प्रसाद अग्रवाल एवं श्रीमती अन्नपूर्णा अग्रवाल	आवासीय फ्लैट- फ्लैट नंबर बी-103, पहली मंजिल, ओम रेजीडेंसी, खसरा नं 506/5, 508/1, 506/10, 508/5, मौजा - अमेरी, प.ह नं 26/43, शीट नं 15, ब्लॉक नं 19, भूखंड नं 186 का भाग, गुरु घासीदास नगर, वार्ड 07, बिलासपुर, तहसील - सकरी, जिला- बिलासपुर (छ.ग), क्षेत्रफल -980.00 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्रीमती अन्नपूर्णा अग्रवाल। सीमाएँ (रजिस्ट्री के अनुसार) :-उत्तर-फ्लैट नं. बी-102, दक्षिण - आसमान की ओर खुला,पूर्व- आसमान की ओर खुला,पश्चिम- मार्ग. (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 27.50 ₹ 2.75 ₹ 0.25	अ) 17.01.2025 ब) 07.08.2025 स) ₹ 84.87 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
16	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- श्री विकाश कुमार आहूजा पिता श्री धरम दास आहूजा, श्री धरम दास आहूजा पिता स्व. मोहल लाल आहूजा एवं श्री रिंकेश कुमार आहूजा पिता श्री धरम दास आहूजा	भूमि एवं दो मंजिला आवासीय भवन- खसरा नं 401/21 (खसरा नं 401/13 का भाग), प. ह नं 29/22, क्षेत्रफल- 3237.00 वर्गफुट, ग्राम भेड़ीकला, राजनांदगांव (छ.ग), मालिकाना हक- श्री विकाश कुमार आहूजा एवं श्री धरम दास आहूजा। सीमाएँ - उत्तर - बिसेशर की भूमि, दक्षिण - शिव की भूमि,पूर्व - प्रकाश की भूमि, पश्चिम - शिव की भूमि। (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 13.00 ₹ 1.30 ₹ 0.25	अ) 13.05.2022 ब) 02.09.2022 स) ₹ 17.19 + ब्याज एवं अन्य खर्चे

ई- ऑक्शन की तारीख और समय–दिनांक : 26.05.2026, सुबह 11.00 से सायं 05.00 बजे, सीमा रहित 10 मिनट के अंतराल के एक्सटेंशन के साथ, प्रत्येक निरीक्षण की तारीख और समय – 04.05.2026 से 25.05.2026 सुबह 11.00 से दोपहर 03.00 बजे के बीच कार्यालयीन दिवस में।

नोटः–कोई भी बोलीकर्ता/ इच्छुक पक्ष प्लांट एवं मशीनरी के लिये बोली लगा सकता है, परंतु भूमि एवं भवन के लिये बोली लगाने हेतु, बोलीदाता को प्लांट और मशीनरी के लिये अनिवार्य बोली लगानी पड़ेगी क्योंकि किसी भी परिस्थिति में भूमि एवं भवन को स्वतंत्र रूप से बोली नहीं लगायी जा सकती।

उधारकर्ताओं/बंधक–कर्ताओं को 15 दिन का बकाया सूचना

उपरोक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं को यह सूचित किया जाता है की सूचना पत्र में उल्लेखित राशि को मय ब्याज एव खर्चो के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें अन्यथा बंधक रखी संपत्ति की नीलामी ऊपर दर्शायी गई दिनांक को कर दी जावेगी, उसके पश्चात शेष राशि के लिए अलग से वसूली की जावेगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - सुपेला शाखा - सिद्धार्थ प्रसाद- 9131781191, व्यापार विहार शाखा: जीवेश कुमार झा- 7004869424, भिलाई शाखा: ज्योति जो - 9589346235, बेमेतरा शाखा: फलिन्द्र बोरकर - 9309990333, बिलासपुर शाखा: अंशुमन - 8570888498, एआरबी (रायपुर) शाखा: सूरज कुमार - 7717741309, ई.एम.डी. भुगतान तथा तकनीकी जानकारी के लिए जोनल अधिकारी – श्री रमा राव, मो. 99084 84996.

ई-नीलामी के नियम एवं शर्तें: 1. नीलामी बिक्री / बोली, वेबसाइट **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग प्रक्रिया द्वारा की जायेगी। **2. बोलीकर्ताओं की सुविधा के लिए वेबसाइट https://baanknet.com में जा कर "Guidelines" देख सकते हैं।** 3. बोली राशि आरक्षित मूल्य से अधिक होनी चाहिए। 4. सर्वाधिक / सफल बोलीकर्ता का विक्रय के सम्बंध में अधिकृत अधिकारी द्वारा बोली स्वीकार करने के बाद बोली/क्रय मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर की राशि में पहले से जमा बयाना राशि घटाकर शेष बची राशि अगले कार्य दिवस में जमा कराना होगा। अन्यथा उसकी बयाना राशि जब्त कर ली जायेगी। 5. क्रयमूल्य कि 75 प्रतिशत राशि का भुगतान अधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री कि पुष्टि करने से 15 दिन या उससे पहले अथवा उस बढ़ाई हुई अवधि के भीतर शेष राशि जमा नहीं करा पाने कि दशा में जमा राशि को जब्तकर लिया जायेगा एवं अधिकृत अधिकारी बैंक नीलामी को रद्द कर नये सिरे से नीलामी करने हेतु स्वतंत्र होंगे। 6. अधिकृत / सफल बोलीकर्ता की दशा में बयानाराशि का क्रय मूल्य में समायोजित कर दिया जायेगा एवं असफल बोलीकर्ताओं **baanknet** के द्वारा वापस कर दिया जायेगा। बयाना राशि पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा। 7. सम्पत्ति का **जैसा है, जहाँ है** एवं बिना किसी सहारे के आधार पर बेचा जायेगा। इच्छुक बोलीकर्ताओं नीलामी में शामिल होने में पूर्व सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का देय आदि के बारे में जानकारी स्वयं प्राप्त करें। **8. अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास स्व-विवेक से बिना किसी पूर्व सूचना एवं कारण बताये किसी भी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने अथवा बिक्री को स्थगित करने / टालने रद्द करने अथवा बिक्री की नियम व शर्तों को संशोधित करने का सम्पूर्ण अधिकार है।** 9. सम्पत्ति के क्रेता को सरकार को देय सभी वैधानिक देयक एवं सम्पत्ति से संबंधित सभी वर्तमान एवं भविष्य के कर, दर व देयक वहन करना होगा। 10. देय राशि ब्याज और अन्य शुल्कों को छोड़कर है। 11. इस नीलामी से संबंधित किसी भी तरह का संशोधन/त्रुटि सुधार/शुद्धिपत्र भविष्य में अखबार के माध्यम से प्रकाशित नहीं किया जायेगा कृपया इच्छुक नियमित रूप से ऊपर दी गई वेबसाईट से संज्ञान लेवें। 12. इस नीलामी की प्रक्रिया बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी नहीं बोली लगा सकते। 13. इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई डी-व पासवर्ड स्वयं बनाना है। जिसे बनाने में न्यूनतम 2 दिन का समय लगता है। अतः बोलीकर्ता से निवेदन है कि यूजर आई.डी. अंतिम तिथि से पूर्व ही बना लें। 14. एक बोली लगाने वाला (बोलीकर्ता) होने की स्थिति में बोली फॉर्म में उद्धत बोली राशि में न्यूनतम एक बोली वृद्धि मूल्य की बढोत्तरी करनी होगी, अन्यथा विक्रय निरस्त / स्थगित किया जायेगा।

किसी भी तरह की विवाद की स्थिति में इस ई–नीलामी जो कि दिनांक 03.05.2026, सेंट्रल क्रॉनिकल का अंग्रेजी संस्करण के प्रकाशन ही मान्य होगा।

दिनांक : 03.05.2026, स्थान : रायपुर — अधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया

प्रथम पृष्ठ का शेष

75 किलो गन...
सुखराम वट्टी, कॉन्स्टेबल कृष्णा कोमरा और कॉन्स्टेबल संजय गढ़पाले की मौके पर ही शहादत हो गई। घटना में गंभीर रूप से घायल कॉन्स्टेबल परमानंद कोमरा को तत्काल हेलीकॉप्टर के माध्यम से रायपुर रेफर किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा था। हालांकि, डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

नदी में नहाते...
1 मई की दोपहर 3 बजे बलरामपुर जिले के सामरी थाना अंतर्गत ग्राम भुताही में तीन से चार बच्चे गांव में मौजूद बोडादह नदी में नहाने के लिए गए हुए थे। गर्मी के बीच बच्चे नदी में उतरकर खेल रहे थे। इसी बीच बच्चे नहाते हुए नदी के जमे हुए गहरे पानी में चले गए। गहराई में जाने के बाद दो बच्चे पानी में डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख उनके साथी ने शोर मचाना शुरू किया और दौड़कर आस पास के ग्रामीणों को बुलाया। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे और किसी तरह बच्चों को बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

एक साथ बजे...
बारे में नागरिकों को सूचित कर दिया था, ताकि किसी तरह की घबराहट न फैले, और लोगों से ऐसे संदेशों को नजरअंदाज करने की अपील की थी। परीक्षण संदेश में कहा गया, अत्यंत गंभीर अलर्ट। भारत ने स्वदेशी प्रौद्योगिकी से सेल ब्रॉडकास्ट शुरू किया है। यह एक परीक्षण संदेश है। कोई कार्रवाई आवश्यक नहीं है। यह अलर्ट देशभर के सभी दूरसंचार नेटवर्क पर भेजा गया, हालांकि चुनाव वाले राज्यों को इससे बाहर रखा गया। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह प्रणाली सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ मिलकर विकसित की है। इसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। इस प्रणाली के जरिए आपदा, आपातकाल और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सीधे और तुरंत लोगों के मोबाइल फोन पर भेजी जाएगी।

आज से लगेगी...
की दूरी को समाप्त कर पारदर्शी, त्वरित एवं संवेदनशील प्रशासन सुनिश्चित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। अभियान में प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जहां मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी स्वयं उपस्थित होकर आम नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे।

निर्माण गुणवत्ता में...
एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित सीसी रोड का तकनीकी परीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए तथा निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, कार्य की गुणवत्ता और पर्यवेक्षण व्यवस्था की समग्र जांच की जाए।

रायपुर के 8...
प्लांट का मालिक फरार है। एलपीजी अफरा-तफरी करने के आरोप में पुलिस ने अभनपुर निवासी निखिल वैष्णव को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा जारी बयान के मुताबिक एलपीजी गैस से भरे छह कैप्सूल ट्रक की जब्ती खाद्य विभाग ने सिंघोड़ा के पास दिसंबर में की थी। जब्ती के बाद महासमुंद कलेक्टर के निर्देश पर उक्त एलपीजी कैप्सूल ट्रक को सुरक्षा की दृष्टि से अभनपुर स्थित ठाकुर पेट्रो कैमिकल के सुपुर्दनामे में सौंपा गया था।

ईरान-अमेरिका तनाव के कारण नीयत खराब -
अमेरिका तथा ईरान के बीच जारी तनाव के चलते केंद्र सरकार ने कमर्शियल एलपीजी गैस में कटौती करने के साथ कीमतों में वृद्धि की है। इसका फायदा उठाते हुए ठाकुर पेट्रो कैमिकल के मालिक संतोष सिंह ने रायपुर के एलपीजी डीलरों के साथ साठ-गांठ कर खपाने की योजना बनाई। योजना के तहत एलपीजी गैस के कमर्शियल गैस सिलेंडर में भरकर डेढ़ से दो गुना ज्यादा कीमत पर बेच कर अतिरिक्त लाभ कमाया।

जीपीएस से मिली खपाए जाने की जानकारी -
खाद्य विभाग ने जिन एलपीजी गैस कैप्सूल वाहन को जब्त किया था, उन गाड़ियों में जीपीएस लगा हुआ है। अमानत में खयानत करने वाले 31 मार्च को दो कैप्सूल, एक तथा तीन अप्रैल को एक-एक, पांच अप्रैल को दो कैप्सूल वाहन में लदे एलपीजी को रायपुर के डीलरों की मदद से अन्यत्र खपाया गया।

रिकार्ड में हेरा फेरी -
ठाकुर पेट्रो कैमिकल के रिकार्ड की जांच करने पर अप्रैल में महज 47 टन एलपीजी खरीदी का रिकार्ड है। प्रारंभिक स्टाक में सुपुर्दनामे में दिए गए 107 टन एलपीजी का रिकार्ड ही नहीं है। उक्त 107 टन एलपीजी की बिक्री कच्चे बिल और कच्चे रजिस्टर में लिख कर करने का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने फरार पेट्रो कैमिकल प्लांट के मालिक के खिलाफ दस्तावेजों के नष्टीकरण करने की धाराएं लगाई हैं।

आरसीबी और मुंबई...
मैनेजमेंट ने स्पष्ट किया है कि स्टेडियम में प्रवेश केवल आधिकारिक ऑनलाइन टिकट के आधार पर ही मिलेगा और दर्शकों को उनके निर्धारित सीट नंबर पर ही बैठना होगा। वेबसाइट पर टिकट बिक्री का आधिकारिक समय घोषित नहीं किया गया है, लेकिन पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए दोपहर 3 से शाम 4 बजे के बीच पोर्टल खुलने की संभावना है। टिकटों की शुरुआती कीमत 2000 रुपये तय की गई है, जिसके अलावा 2500, 3500, 5000 और 8000 रुपये तक की कैटेगरी उपलब्ध रहेगी। दर्शकों के बेहतर अनुभव के लिए इस बार प्लेटिनम स्टैंड के सामने लगे कांच के पैनल हटा दिए गए हैं, ताकि फैंस बिना किसी रुकावट के खिलाड़ियों को करीब से देख सकें। सुरक्षा कारणों से मैच खत्म होने के बाद इन कांच के पैनल्स को वापस लगा दिया जाएगा।

मैच के लिए आरसीबी ने बनाए तीन बड़े नियम-
सिर्फ एक बार ट्रांसफर होगा टिकट-
ऑनलाइन खरीदी गई टिकट को व्यक्ति सिर्फ एक बार ही अपने किसी दोस्त या परिजन को ट्रांसफर कर सकता है। टिकट ट्रांसफर होने के बाद, दूसरा व्यक्ति अपने फोन पर टिकट दिखाकर सीधे एंट्री ले सकेगा, जिससे गेट पर किसी का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

मैच वाले दिन...
तो लिखा होगा, लेकिन एंट्री के लिए जरूरी क्यूआर कोड स्कैनिंग के वक्त नहीं दिखेगा। यह बारकोड मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले, स्टेडियम के गेट खुलते समय ही आपके ऐप या लिंक पर एक्टिव होगा।

बुकिंग के वक्त...
सीढ़ियां, मेडिकल सेंटर, एम्बुलेंस और एंट्री गेट की सटीक जानकारी होगी, ताकि दर्शक बिना भटके सीधे अपनी सीट तक पहुंच सकें।

टिकटों की कालाबाजारी...
है। यहां तक कि मैच की सबसे सस्ती टिकट भी 22 हजार में मिल रही है, जबकि लोअर स्टैंड के टिकटों की कीमत 25 हजार से 35हजार रुपये तक पहुंच गई है। आशंका जताई जा रही है कि आधिकारिक वेबसाइट पर बुकिंग खुलते ही चंद मिनटों में सभी टिकटें बिक जाएंगी। ऐसे में इस बार भी रायपुर में होने वाले आईपीएल मैच की टिकटों को लेकर जमकर कालाबाजारी का खेल होने वाला है। इसे देखते हुए प्रबंधन ने लोगों से विशेष अपील की है कि वे सिर्फ आधिकारिक वेबसाइट या ऐप से ही टिकट खरीदें। किसी अन्य सोशल मीडिया पेज, अनजान वेबसाइट या व्यक्ति से खरीदे गए टिकट नकली हो सकते हैं, और ऐसे टिकटों के साथ स्टेडियम में प्रवेश नहीं मिल सकेगा।

खतरनाक पहाड़ी रास्ते...
दुर्घटना और जंगली जानवरों का खतरा हमेशा बना रहता है। कई बार रात में भी पानी लाने जाना पड़ता है। इसके बावजूद पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता, जिससे प्यास और परेशानी दोनों बनी रहती हैं।
यह स्थिति शासन की योजनाओं और जमीनी हकीकत के बीच गहरी खाई को उजागर करती है। करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद ग्रामीण आज भी बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि बंद पड़े हेडपंप को तत्काल सुधारा जाए, पानी टंकी को चालू किया जाए और गांव में स्थायी जल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

तंबाकू के नशे...
अधिक है।
किन राज्यों से आगे है छत्तीसगढ़-
तंबाकू सेवन के मामले में छत्तीसगढ़ देश के कई बड़े और पड़ोसी राज्यों को पीछे छोड़ चुका है। पुरुषों के आंकड़ों पर गौर करें तो छत्तीसगढ़ (43.1 प्रतिशत) इन राज्यों से कहीं आगे है:
मध्य प्रदेश: 46.4 प्रतिशत (पुरुषों में छत्तीसगढ़ से थोड़ा अधिक लेकिन महिलाओं में छत्तीसगढ़ 17.3 प्रतिशत के साथ एमपी के 10.3 प्रतिशत से बहुत आगे है)।
राजस्थान: 41.9 प्रतिशत
गुजरात: 41.2 प्रतिशत
महाराष्ट्र: 33.8 प्रतिशत
उत्तर प्रदेश: 44.0 प्रतिशत (पुरुषों में लगभग बराबर, पर महिलाओं में यूपी 8.5 प्रतिशत के साथ छत्तीसगढ़ से पीछे है)।
हरियाणा और पंजाब: इन राज्यों में औसत क्रमश: 29.1 प्रतिशत और 12.8 प्रतिशत है, जो छत्तीसगढ़ के मुकाबले काफी कम है।
इसके अलावा दक्षिण भारतीय राज्यों जैसे तमिलनाडु (20.0 प्रतिशत) कर्नाटक (27.3 प्रतिशत) और आंध्र प्रदेश (22.6 प्रतिशत) की तुलना में छत्तीसगढ़ में तंबाकू का सेवन करने वाले पुरुषों की संख्या लगभग दोगुनी है।

तपती गैस, महंगा तेल......
स्वीट्स' के मैनेजर विष्णु कुमार 20 रुपये प्रति नग के रेट पर ही बिक्री कर रहे हैं, ताकि ग्राहक न टूटें। न्यू भारत स्वीट्स ने भी अभी दाम नहीं बढ़ाए हैं। लेकिन सभी मानते हैं कि आने वाले दिनों में दाम बढ़ाना मजबूरी होगी।
भिलाई (दुर्ग): शहर में नाश्ता 50 फीसदी तक महंगा हो गया है। सुपेला चौक स्थित 'पूजा नाश्ता सेंटर' और रामनगर स्थित 'छोटू स्वीट्स' सहित कई दुकानों में नई दरें लागू कर दी गई हैं। यहां 20 रुपये में मिलने वाली समोसा-कचौरी की प्लेट अब 30 रुपये की हो गई है।
धमतरी: शहर के होटलों में समोसा प्रति प्लेट 5 रुपये महंगा हो गया है। प्रीति स्वीट मार्ट के संचालक पवन जाधव, 'जनार्दन होटल' के संचालक और 'भगवती होटल' के रूपेश राजपूत का कहना है कि कमर्शियल सिलेंडर 2325 से बढ़कर 3328 रुपये का हो गया है, ऐसे में 25 रुपये प्लेट मिलने वाला समोसा अब 30 रुपये में बेचना मजबूरी है।
कांकेर: जिला मुख्यालय में 'वृंदावन होटल' के संचालक भरत केशवानी और 'जय हिंद होटल' के गोलू मंगलानी ने बताया कि वे पहले से ही 30 रुपये प्लेट समोसा बेच रहे हैं, इसलिए फिलहाल दाम नहीं बढ़ाए हैं। वहीं 'यादव होटल' के किशन यादव और 'मोहब्बतें होटल' के संचालक अब भी 25 रुपये के पुराने रेट पर ही नाश्ता दे रहे हैं।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- बैंकिंग एवं फाइनेन्स की ऑनलाइन ट्रेनिंग हेतु 5 महिला ट्रेनिंग को ऑर्डिनेटर की आवश्यकता है। कार्य समय 8घंटे। योग्यता ग्रेजुएट, CS प्रैक्टिकल अनुभव 2वर्ष। सैलरी @12000 पीएम CV ऑन 9425256597 (40737)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड चाहिए (1) कोनी में 8घंटे ड्यूटी वेतन 10000 (2) सरकंडा में 8घंटे ड्यूटी वेतन 10000 (3) सिरगिट्टी में 12घंटे ड्यूटी वेतन 11000 सम्पर्क करें एस.एस. सिक्यूरिटी बिलासपुर 7974691463 (40736)

आवश्यकता है-किराना दुकान में काम करने के लिये कर्मचारी की महिला एवं पुरुष कीआवश्यकता है, वेतन योग्यता आनुसार सम्पर्क करें- किशनचंद किराना स्टोर करबला रोड बिलासपुर 8817018694 (40748)

आवश्यकता है- आपरेटर की आवश्यकता है (1) अजाक्स मशीन (2) ट्रेक्टर ग्रेडर मशीन चलाने हेतु कुशल, अनुभवी आपरेटर की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जादवानी कंस्ट्रक्शन बिलासपुर/ रायपुर 98271 26666, 9300820009 (40741)

आवश्यकता है- सलवार सूट, ब्लाऊज सिलाई हेतु महिला पुरुष की आवश्यकता है विशेष- 2माह में ब्लाऊज, सलवार सूट की कटिंग सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाता है। सम्पर्क करें- मंगला चौक बिलासपुर 8856922891 (40738)

आवश्यकता है- बिजी सॉफ्टवेयर के अनुभवी कम्प्यूटर जानकार एकाउंटेंट की आवश्यकता है। अनुभव न्यूनतम 2वर्ष बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- गजानन ग्लास मामा भांजा तालाब पुराना हाईकोर्ट रोड शिव टॉकीज बिलासपुर 9111067200 (40727)

आवश्यकता है- ऑटो पार्ट्स दुकान में काम करने के लिए लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- गोल बाजार बिलासपुर 9691061066 (40753)

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है विजयापुरम कालोनी सरकंडा में एक कुशल कार ड्राइवर की आवश्यकता है सरकंडा क्षेत्र के रहवासी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 8319667673 (40744)

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट हेतु फ्राई पेन मिस्त्री, तंदूर रोटी कारीगर, मार्केटिंग स्टोर हेतु युवक (स्वयं का वाहन), वेटर, हेल्पर लड़के/ लड़कियां चाहिए। (खाना रहना फ्री) सम्पर्क करें- मुर्ग मसल्लम रेस्टोरेन्ट बिलासपुर 78791 21999 (40745)

आवश्यकता है-पेन्ट, सेनेटरी दुकान में काम करने वाले लड़कों की एवं बिजी एकाउंटिंग में काम करने वाले लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें-महर्षि ट्रेडर्स महर्षि चौक बिलासपुर 98271 14024, 8770886636 (40734)

आवश्यकता है-लॉज में कार्य हेतु वेटर की आवश्यकता है 10वी पास उम्र 28 से 40वर्ष ग्रामीणों को प्राथमिकता सम्पर्क करे- होटल शिवम अपोलो हास्पिटल के बाजू में लिगियाडीह बिलासपुर 8839112590, 9301577993 (40747)

आवश्यकता है- घर के लिए अनुभवी ड्राइवर, गोडाउन में काम करने के लिए 10वीं पास लड़कों एवं मार्केट में काम करने वाले लड़के चाहिए कम से कम 12वीं पास सम्पर्क करें- 9009555541 (40750)

Required - Wanted Office Assistant Full time job in a CA firm. Must know Tally, Excel and Word. Experience preferred. whats app resume at- 7566660120 (40732)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में कार्य करने हेतु सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करे- छेदीलाल मोतीलाल ज्वैलर्स सदर बाजार बिलासपुर 98271 81112 (40729)

आवश्यकता है- चॉकलेट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है। रूम बिजली की सुविधा फ्री। पता- बंजारी मन्दिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534 (40722)

आवश्यकता है- बिलासपुर में आवश्यकता है रहकर या आना जाना करके ड्राईवर, चौकीदार, घरेलू कार्य हेतु पुरुष, महिला कर्मचारी दिन ड्यूटी करने रहने हेतु घर सुविधा देंगे स्थान जरहाभाटा सम्पर्क करें- 9479258223 (40735)

आवश्यकता है- जयपाल टॉवर-2, अग्रसेन चौक मगरपारा रोड स्टार चिल्ड्रन अस्पताल के पीछे बिलासपुर में चौकीदार चाहिए। वेतन 7500/- रहने की सुविधा पता- आर्या कंस्ट्रक्शन दुकान नं.-8, सम्पर्क करें- 8103002273 (40751)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर के सहयोग से संचालित लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत सेल्फ हेल्प एजुकेशन एंड रिसर्च संस्थान बिलासपुर (NGO) द्वारा बिलासपुर में निम्न पद की आवश्यकता है ANM- 1पद योग्यता- GNM/ ANM वेतन 12500/- यात्रा भत्ता- 300 एवं 1पद पुरुष आउटरीच वर्कर (ORW) वेतन 10500/- यात्रा भत्ता- 1500 नोट- आवेदन करने की अंतिम दिनांक 06/05/2026 पता- होटल इंटरसिटी के सामने, थायरोकेयर सेन्टर के बाजू जगमल चौक तोरवा बिलासपुर 8319427212, 9691154876 e m a i l - searchti2017@gmail.com (40742)

आवश्यकता है- सिक्योरिटी एजेंसी में कार्य हेतु इच्छुक व्यक्ति, जो शोरूम में गाड़ियों की एंट्री की सके तथा डे/ नाइट में काम करने हेतु चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9981630084, 9425534940 (40754)

आवश्यकता है- राइस मिल के संचालन हेतु सुपरवाइजर, कांटा घर के लिए ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है। इस मिल में कार्य का अनुभव रखने वालों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9584887766 (40749)

आवश्यकता है- साकेत अपार्टमेंट, होटल ईस्ट पार्क के पीछे अग्रसेन चौक बिलासपुर, में अनुभवी, जिम्मेदार सुरक्षागार्ड की आवश्यकता है। सुबह 10बजे से दोपहर 2बजे तक सम्पर्क करें- (गार्ड रूम के पास) 8871582000 (40746)

आवश्यकता है- ट्रक वर्कशॉप के लिए अनुभवी मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, ऑफिस स्टाफ एवं छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अशोक लीलैंड गतौरी बिलासपुर 8896200007, 7583808008 (40752)

आवश्यकता है- गेस्ट हाउस में ऑफिस हेतु दो लड़के, रूम सर्विस हेतु दो लड़के, खाना बनाने हेतु एक मिस्त्री सफाई हेतु एक लड़का चाहिए रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- 9243591860, 89888 88542 (40763)

आवश्यकता है-ज्वेलरी शॉप हेतु आवश्यकता है सदर बाजार, मेन रोड बिलासपुर स्थित kAMLA सतीश्री ज्वेलर्स (हनुमान मन्दिर के बगल में, बर्तन लाइन) में अनुभवी मैनेजर 1पद, HR- 1पद, ऑफिस boy (10वीं पास)- 2पद, वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी ही सम्पर्क करें- 9827174256, 99079 01110 (कृपया कॉल करके आयें) (40721)

आवश्यकता है- फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 7869919759 (40714)

आवश्यकता है- लुब्रिकेंट आयल हेतु सेल्स ऑफिसर की आवश्यकता है वेतन- 10000/- से 20000 सम्पर्क करें- प्लस आटोमोबाइल शीतला माता मन्दिर के पास, शारदा मन्दिर के सामने, तारबाहर बिलासपुर (40730)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- महामाया बैग हाउस शॉप नम्बर बी-4 वृन्दावन परिसर तेलीपारा बिलासपुर (40719)

आवश्यकता है- भोजनालय में कार्य करने के लिए कुक, वेटर, हेल्फर लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सांई भोजनालय मंगला चौक बिलासपुर 9755592108, 9589480555 (40725)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है जिसे सभी प्रकार की गाड़ी चलानी आती हो। सम्पर्क करें 8839405065 (नया या फ्रैश लाइसेंस वाले सम्पर्क ना करें) (40709)

Required - Teacher Requirement (for coaching class) 11th, 12th Physics, Chemistry, Bio, Maths 9th, 10th Sst, Social Science, Maths, 5th to 8th All Subjects (Only CBSE Maths stream) Note- Atleast 3 years experienced holder Address- Krishna Academy, Indu chowk Jarhabhatta Bilaspur 7999848993 (40683)

आवश्यकता है- गूगल एडवर्ड, गूगल प्रमोशन, गूगल अड प्रमोशन फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम सोशल मीडिया ऐड प्रमोशन हेतु अनुभवी लड़के लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू में गोडपारा बिलासपुर 8602111111 (40710)

आवश्यकता है- कपड़े की दुकान में कार्य करने के लिये हेल्पर एवं सेल्समैन यंग लड़के और लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नेमा कम्पनी सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827104451 (40724)

आवश्यकता है- बिलासपुर के ऑटोमोबाइल शोरूम में फिल्ड एक्जीक्यूटिव, हाऊस कीपिंग स्टाफ, वॉशिंग बॉय, PDI एक्जीक्यूटिव स्पेयर पार्टस बिलिंग एक्जीक्यूटिव, इंश्योरेंस कोऑर्डिनेटर, नेटवर्क मैनेजर (सर्विस) की तत्काल आवश्यकता है। रिज्यूमे शेयर करें एवं सम्पर्क करें- 93990 21703 (40712)

आवश्यकता है- होटल, लॉज में काम करने हेतु हाउस कीपिंग- 2, साफ सफाई स्टाफ- 2, की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सरकंडा बिलासपुर 7869380124 (40720)

आवश्यकता है- मैनेजर/ सुपरवाइजर 1पद आयु 30वर्ष से अधिक वेतन 10000 एवं मोबाइल दुकान में कार्य हेतु लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898 (40718)

आवश्यकता है- (1) वेलनेस एवं FMCG प्रोडक्ट्स की फील्ड मार्केटिंग हेतु कम्प्यूटर अनुभवी लड़का योग्यता- फार्मा, MBA, PGDCA (2) वेलनेस, आयुर्वेद प्रोडक्ट्स शॉपी हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए योग्यता बीफार्मा, BAMS सम्पर्क- 7067124226 (40673)

आवश्यकता है- Civil Site Supervisor एवं engineer (autocad and structural knowledge) अनुभवी साइट चलाने योग्य। सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 (40707)

आवश्यकता है- तुलसी बाराडेरा एवं पिरदा रायपुर में अंग्रेजी माध्यम विद्यालय हेतु अनुभवी PG/BED शिक्षिकाओं, ऑफिस इंचार्ज (PGDCA अनिवार्य) वेतन 7000-15000 एवं महिला कर्मी (रहन की सुविधा) Guru Ramdas School Raipur 7898776765 (159)

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 700 तक गारंटीड कमाई बिना कमीशन और 2000 तक जॉइनिंग बोनस पाएं। कॉल करें - 8929449955 (63172)

आवश्यकता है- वेल्डर, हेल्पर, इलेक्ट्रीशियन 1- वेल्डर (2MM एम.एस. शीट के लिए आर्क वेल्डिंग), 2- इलेक्ट्रीशियन (पैनल वायरिंग के लिए), 3- हेल्पर कृपया संपर्क करें: 9920752657, 7477239283 (164)

बेचना है

बेचना है-सकरी आसमां पेट्रोल पम्प के पीछे मेन रोड के अत्यंत समीप, लगानी, डायवर्टेड प्लाट 4246 वर्गफीट फ्रन्ट 70 (नगर निगम/ डायवर्सन का 2026 तक का टैक्स पटा है) तत्काल बेचना है सम्पर्क- के.एल. साहू 93296 46270 (40684)

बेचना है- रिंग रोड नं.-2 में मेन रोड पर उत्तर मुखी कमर्शियल प्लॉट noble हॉस्पिटल के बाजू वाली लाइन में पल्लव भवन के सामने 40×60 (2400 वर्गफीट) बेचना है। सम्पर्क करें- 9244196841 (40740)

बेचना है-न्यू बस स्टैण्ड तिफरा के समीप यदुनन्दन नगर में 2BHK मकान, एक दुकान, गार्डन सहित प्लाट एरिया 1500 वर्गफिट, 2400 वर्गफिट का tncp प्लाट डबल रोड कार्नर का संम्पर्क- 98263 14444 (40692)

बेचना है- मुंगेली नाका बिलासपुर में डीएसएस कॉम्प्लेक्स में ग्राउंड फ्लोर पर स्थित 12×20 साइज की दुकान बेचना है सम्पर्क करें-98930 78422, 9329493110 (40739)

बेचना है- राजनांदगांव से चिचोला मेन रोड, NH-53 पर महाराजपुर राइस मिल के बाजू में प्लाट बेचना है 10000 से 20000 वर्गफीट एरिया, फ्रंट 100 फीट उचित लेनदार ही सम्पर्क करें- 9229255000, 7089955000 (160)

बेचना है- पुराने प्रताप टॉकीज और कम्पनी गार्डन के पास डबरीपारा चौक में शानदार चार दुकान के लायक चार प्लॉट, एरिया 22'6×62' बेचना है। सम्पर्क करें- अग्रवाल 93004 16538 (40728)

बेचना है- सर्वमंगला पैट्रोल पम्प के पास, उसलापुर सकरी रोड में डेलीनीड्स किराये की दुकान का निम्न सामान बेहतर एवं चालू स्थिति में एक साथ अथवा अलग अलग तत्काल बेचना है (1) स्टील शीट निर्मित 8'×4' फास्ट फूड काउंटर केबिन (2 बर्नर, बेसिन निर्मित)- 175000/- (2) केक फ्रिज (Celfrost Brand)- 130000/- (3) स्टोरेज फ्रिज (Celfrost Brand)- 30000/- (4) आइसक्रीम फ्रिज (Voltas Brand)- 30000/- (5) बीजी फ्रिज ग्लास सिंगल डोर (Haier Brand)- 30000/- (6) प्लाई सनमाइका निर्मित ग्लास लगा सेल्फ (एल आकार में)- 250000/- नोट- क्रय करने के इच्छुक व्यक्ति ही अवलोकन/ सम्पर्क करें 9522236524, 97525 36524 (40733)

बेचना है-अनुभवी इंजीनियर द्वारा निर्मित, नर्मदा विहार यदुनन्दन नगर, तिफरा में मकान नं 21, TNC एप्रूव्ड, दो मंजिला मकान प्लाट एरिया 1650 वर्गफिट निर्मित एरिया भूतल 1350 वर्गफिट, प्रथम तल 1000 वर्गफिट एवं शेड 200 वर्गफिट कुल निर्मित एरिया 2550 वर्गफिट बेचना है। सम्पर्क करें- 9424146997, 78986 87010 (40699)

बेचना है- नगर मरवाही प.ह.नं.-4 में स्थित भूमि रकबा 46 डिसमिल कृषि भूमि मरवाही चिचगोहना रोड पर, लगभग 200 फिट फ्रण्ट भूमि अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9826194499 (40726)

बेचना है- प्लाट एरिया 1500 वर्गफीट पूर्णतः विकसित एवं डायवर्टेड बाउंड्री वाल से घिरा हुआ अतुल्य इस्टेट रहंगी बिल्हा बिलासपुर में बेचना है सम्पर्क करें- 9425531525 (40715)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे- BA, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, MA, M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Poly-technic B.Tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4146)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

आज दोपहर 3.30 बजे से कमिंस और रहाणे की टीमों में भिड़ंत

नाइट राइडर्स के खिलाफ दबदबा बनाए रखने उतरेगा सनराइजर्स

एजेंसी ▸▸| हैदराबाद

अपने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से खिताब के दावेदारों में शामिल हुई सनराइजर्स हैदराबाद की टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी।

सनराइजर्स की टीम लगातार 5 मैच जीत चुकी है और अंकतालिका में 9 मैचों में 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। उसने अब तक 6 मैच जीते हैं जबकि 3 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर की टीम अभी तक संघर्ष करती रही है, लेकिन उसने अपने आखिरी दो मैच जीते हैं। दस टीमों के इस टूर्नामेंट में वह आठवें स्थान पर है।

सनराइजर्स के पास शानदार बल्लेबाज

सनराइजर्स के पास टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे और तीसरे स्थान पर काबिज अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन हैं। ईशान किशन के रूप में सनराइजर्स के पास एक और विस्फोटक बल्लेबाज है, जो किसी भी दिन अपने दम पर मैच का रुख बदल सकता है और उन्होंने इस सत्र में इसे साबित भी किया है।

ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने भी सनराइजर्स के पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 76 रन बनाकर फॉर्म में शानदार वापसी की। नीतीश कुमार रेड्डी और सलिल अरोड़ा ने जरूरत पड़ने पर बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है।

एलन और सीफर्ट नहीं उतरे उम्मीदों पर खरे

फिन एलन और टिम सीफर्ट भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं, जबकि अंगकृष रघुवंशी, कैमरन ग्रीन और रोवमैन पॉवेल जैसे खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। केकेआर को कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती का नहीं चल पाने से भी नुकसान उठाना पड़ा है। गेंदबाजी में उसकी टीम मुख्य रूप से अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा और कार्तिक त्यागी जैसे घरेलू खिलाड़ियों पर निर्भर है।

कमिंस की वापसी से सनराइजर्स को मिली मजबूती

सनराइजर्स की गेंदबाजी की बात करें तो कप्तान पैट कमिंस की वापसी से उसे मजबूती मिली है। उनके अलावा प्रफुल्ल हिंगे, ईशान मलिंगा, रेड्डी और साकिब हुसैन भी अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। सनराइजर्स ने इन दोनों टीम के बीच खेले गए पिछले मैच में 65 रन से जीत हासिल की थी, जिससे वह अधिक आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी।

कप्तान के रूप में रहाणे के फैसले संदिग्ध

केकेआर की टीम को अभी तक 5 मैच में हार का सामना करना पड़ा जबकि इसका एक मैच बारिश के कारण रद्द करना पड़ा था। केकेआर ने 2025 में निराशाजनक अभियान के बावजूद रहाणे को कप्तान बनाए रखा लेकिन यह बल्लेबाज अभी तक टीम को प्रेरित करने में नाकाम रहा है। उन्होंने एक बल्लेबाज के रूप में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन कप्तान के रूप में उनके कुछ फैसले संदिग्ध रहे हैं। यह देखना बाकी है कि क्या केकेआर आखिरकार रचिन रविंद्र को टीम में शामिल करता है या नहीं, क्योंकि वह काफी समय से बेंच पर बैठे हैं। **मैच का समय : दोपहर 3.30 बजे**

आज शाम 7.30 बजे गिल और अय्यर होंगे आमने-सामने

वापसी को बेताब पंजाब किंग्स गुजरात की हैट्रिक पर नजर

एजेंसी ▸▸| अहमदाबाद

पिछले मैच में पंजाब किंग्स का जीत का सिलसिला टूट गया और वह लगातार तीसरी जीत हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगा।

राजस्थान रॉयल्स ने इस सप्ताह के शुरू में पंजाब किंग्स के अजेय अभियान पर रोक लगा दी थी। हालांकि पंजाब किंग्स की टीम 8 मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स उससे सिर्फ एक अंक पीछे हैं।

पंजाब किंग्स की गेंदबाजी चिंताजनक

पंजाब किंग्स की गेंदबाजी विभाग को लेकर कुछ चिंताएं हैं। पंजाब के बल्लेबाजों की तरह उसके गेंदबाज अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाए हैं। उसके बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के कारण गेंदबाजों की कमियां खुलकर सामने नहीं आई हैं लेकिन टूर्नामेंट अब महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच चुका है और ऐसे में कोई कमजोरी टीम पर भारी पड़ सकती है। गेंदबाजों की असफलता के कारण पंजाब के बल्लेबाजों पर दबाव पड़ रहा है, क्योंकि या तो उन्हें बड़े लक्ष्य हासिल करने पड़ रहे हैं या फिर पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना पड़ रहा है। ऐसे में पंजाब को अब अधिक स्पष्ट रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा।

गुजरात का गेंदबाजी आक्रमण अनुशासित

पिछले मैच में गुजरात के लिए एक और उत्साहजनक संकेत उसकी गेंदबाजी रही। गेंदबाजी आक्रमण अधिक अनुशासित दिखाई दिया। लेंथ पर बेहतर नियंत्रण और महत्वपूर्ण चरणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए उन्होंने आरसीबी को 155 रन पर आउट कर दिया था। **मैच का समय : शाम 7:30 बजे**

बल्लेबाजी पंजाब की सबसे बड़ी ताकत

पंजाब की फील्डिंग भी अच्छी नहीं रही है और उसने कई कैच छोड़े हैं। टीम प्रबंधन को इस विभाग में भी काम करने की जरूरत है। हालांकि बल्लेबाजी अब भी पंजाब की सबसे बड़ी ताकत है। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरुआत दी है, वहीं कूपर कोनोली ने भी रन बनाए हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाला मध्य क्रम मजबूत स्कोर बनाने या लक्ष्य का पीछा करने में सक्षम साबित हुआ है।

उतार-चढ़ाव वाला टाइटन्स का अभियान

दूसरी ओर गुजरात टाइटन्स की टीम लगातार दो मैच जीतकर इस मैच में उतर रही है, हालांकि उसका अभियान उतार चढ़ाव वाला रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स और फिर आरसीबी के खिलाफ लगातार जीत के बाद टाइटन्स 10 अंकों के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर हैं। गुजरात की बल्लेबाजी उसके शीर्ष तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर के इर्द-गिर्द घूमती रही है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	8	6	1	13
बेंगलुरु	9	6	3	12
हैदराबाद	9	6	3	12
राजस्थान	10	6	4	12
गुजरात	9	5	4	10
दिल्ली	9	4	5	8
चेन्नई	8	3	5	6
कोलकाता	8	2	5	5
मुंबई	8	2	6	4
लखनऊ	8	2	6	4

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

लोकेश राहुल
433 रन
दिल्ली

भुवनेश्वर कुमार
17 विकेट
बेंगलुरु

चेन्नई ने मुंबई को सीजन में दूसरी बार हराया

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को मुंबई इंडियंस पर 8 विकेट की जीत हासिल की है। टीम ने मुंबई को सीजन में दूसरी बार हराया है। सुपर किंग्स ने 23 अप्रैल को मुंबई में खेले गए मैच में 103 रन से हराया था। चेपॉक स्टेडियम में मुंबई ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और 20 ओवर में 7 विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में चेन्नई ने 18.1 ओवर में 2 विकेट पर टारगेट चेज कर लिया। कार्तिक शर्मा ने ट्रेंट बोल्ट की पहली बॉल पर चौका लगाकर जीत दिलाई।

■ कप्तान गायकवाड और कार्तिक शर्मा ने फिफ्टी लगाई, अंशुल कम्बोज को 3 विकेट

गायकवाड और कार्तिक ने अर्धशतक लगाए

160 रन का टारगेट चेज कर रही चेन्नई की टीम ने 13 रन पर संजू सैमसन का विकेट गंवा दिया था। यहां से कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने उर्विल पटेल के साथ 49 रन और कार्तिक शर्मा के साथ नाबाद 98 रन की साझेदारी करके जीत दिला दी। उन्होंने 48 बॉल पर नाबाद 67 रन की पारी खेली। जबकि कार्तिक शर्मा ने 40 बॉल पर नाबाद 54 रन बनाए।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को हराया, सीरीज में की बराबरी

एजेंसी ▸▸| मीरपुर

बेवन जैकब्स के पहले अर्धशतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने खराब शुरुआत से उबरते हुए शनिवार को बारिश से प्रभावित तीसरे टी20 मैच में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

जैकब्स की 31 गेंदों पर खेली गई 62 रन की नाबाद पारी में पांच चौके और तीन छक्के शामिल थे। उनकी पारी ने टीम को 11.4 ओवर में चार विकेट 104 रन के स्कोर तक पहुंचाकर जीत दिलाने में मदद की। बांग्लादेश की टीम इससे पहले 14.2 ओवर में 102 रन के ऑल आउट हो गई थी। बांग्लादेश ने पहला मैच छह विकेट से जीता था। दूसरा मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था।

वैभव को आउट कर जश्न पड़ा भारी जेमीसन को चेतावनी और दंड

एजेंसी ▸▸| जयपुर

दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को आईपीएल मैच के दौरान राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद उनके प्रति आक्रामक अंदाज अपनाने के लिए एक डिमैरिट अंक का दंड दिया गया है। आईपीएल ने बयान में कहा, 'काइल जैमीसन ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आईपीएल की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन किया, जिसके लिए उन्हें एक डिमैरिट अंक दिया गया और उन्हें चेतावनी भी दी गई।'

तेज गेंदबाज ने किया आचार संहिता का उल्लंघन

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'ऐसी भाषा, कार्यों या इशारों का उपयोग करने से संबंधित है, जो किसी अन्य खिलाड़ी का अपमान करते हैं या उससे आक्रामक प्रतिक्रिया को उकसा सकते हैं।' यह घटना राजस्थान रॉयल्स की पारी के दूसरे ओवर में घटी, जब 15 वर्षीय सूर्यवंशी को आउट करने के बाद जैमीसन आक्रामक अंदाज में उनके पास गए। सूर्यवंशी ने हालांकि किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं की लेकिन वह ऐसा कर सकते थे।

फिनिशर की भूमिका का ले रहा हूं आनंद : आशुतोष

जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने कहा कि वह मौजूदा आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाने का आनंद ले रहे हैं और टीम की जीत में योगदान देकर उन्हें बहुत खुशी होती है।

राशिफल

मेष आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

सात साल के इशांक ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड 10 घंटे में एक देश से तैरकर पहुंचे दूसरे देश

नई दिल्ली। रांची के 7 वर्षीय इशांक सिंह ने श्रीलंका और भारत के बीच पाक स्ट्रेट में 29 किलोमीटर तैराकी का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला है। 7 साल के इशांक सिंह ने श्रीलंका के तलैमन्नार से तैरना शुरू किया और भारत के धनुषकोडी पहुंचे। गजब की बात यह रही कि उन्होंने यह दूरी 9 घंटे 50 मिनट में तय कर ली। रिपोर्ट्स के अनुसार 7 वर्षीय इशांक सिंह दुनिया के सबसे युवा तैराक बन गए हैं, जिन्होंने पाक स्ट्रेट मार्ग को पार किया है। यह अपने आप में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया है। इस मार्ग को पार करना बहुत मुश्किल माना जाता है क्योंकि यहां समुद्र की ऊंची-ऊंची लहरें और पानी के तेज बहाव होता है। इसके बावजूद इशांक ने 9 घंटे 50 मिनट में यह दूरी पार की।

सर्वश्रेष्ठ तैराक का मिला अवॉर्ड

इस उपलब्धि के लिए इशांक सिंह को यूनिवर्सल रिकॉर्ड फोरम की ओर से 'सबसे कम उम्र का और सबसे तेज पाक जलडमरूमध्य तैराक का अवॉर्ड मिला है। कोच अमन कुमार जायसवाल और बजरंग कुमार ने इस कठिन चुनौती के लिए इशांक को तैयार किया था।

परिस्थितियों को देखकर चुनेंगे सर्वश्रेष्ठ टीम : साउथी

हैदराबाद। कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजी कोच टिम साउथी ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच में श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को अंतिम एकादश में शामिल करने को लेकर संशय बरकरार रखते हुए कहा कि टीम प्रबंधन परिस्थितियों को देखकर सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन करेगा। पथिराना टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16 फरवरी को खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह आईपीएल की शुरुआती मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे लेकिन अब वह फिट हो गए हैं। साउथी ने कहा, ' वह कुछ समय से टीम के साथ है। हम परिस्थितियों को देख कर अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन करेंगे।

केनरा बैंक Canara Bank
सिंडिकेट Syndicate
साख समीक्षा एवं निगरानी अनुभाग, अंचल कार्यालय, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, साकेत नगर बागसेवनिया भोपाल- 462020
स्टॉक ऑडिटर को सूचीबद्ध करने हेतु
केनरा बैंक रायपुर, बिलासपुर और जबलपुर में शैक्षिक योग्यता और अनुभव संबंधी मानदंडों को पूर्ण करने वाले स्टॉक ऑडिटर नियुक्त कर रहा है। केनरा बैंक केवल कृषि भूमि के लिए वेल्युअर्स/कंपनी सेक्रेटरी को भी नियुक्त कर रहा है।
आवेदन निम्न पते पर प्रेषित करें :-
साख समीक्षा एवं निगरानी अनुभाग, सर्कल ऑफिस, भोपाल: प्लॉट नंबर 04 पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेतनगर, भोपाल 462020, rmscobpl@canarabank.com
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10.05.2026 है।
अंचल प्रमुख
केनरा बैंक
अंचल कार्यालय भोपाल

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
मौजूदा स्काडा प्रणाली का उन्नयन हेतु निविदा सूचना
निविदा संख्या : टीआरडी-बीएसपी-EPC-02-26-27 दिनांक : 23.04.2026
कार्य का नाम : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में मौजूदा स्काडा प्रणाली का उन्नयन।
निविदा मूल्य : ₹ 18,53,07,070.00/-। बयाना राशि : ₹ 37,06,200.00/-।
निविदा जमा करने की तिथि व समय : दिनांक 21.08.2026 के 15:00 बजे तक।
पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (TRD)
सीपीआर/10/67 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य हेतु निविदा सूचना
निविदा संख्या:-759-ST-CON-R-LC-Closure. दिनांक: 24.04.2026.
कार्य का नाम : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रायपुर डिवीजन के राजिम और केंद्री स्टेशन पर मौजूदा ईआई के संशोधन के साथ (1) राजिम स्टेशन पर रोड ओवर ब्रिज सह आरयूबी के निर्माण के संबंध में मानव युक्त लेवल क्रॉसिंग संख्या एआर-12 को बंद करने और (2) केंद्री स्टेशन पर आरयूबी के निर्माण के संबंध में मानव युक्त लेवल क्रॉसिंग संख्या आरडी-22 को बंद करने के लिए सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य।
निविदा मूल्य : ₹ 91,22,587.50/- (रुपये इक्यानबे लाख बाईस हज़ार पाँच सौ सत्तासी और पचास पैसे मात्र)। अमानत राशि : ₹ 1,82,500/- (रुपये एक लाख बयासी हज़ार पाँच सौ मात्र)। निविदा बंद होने की तिथि: 16.05.2026 को 11:30 बजे।
अधिक जानकारी/पात्रता, मानदंड और उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण के लिए, कृपया उप-मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें/डाउनलोड करें।
उप मुख्य सिग. एवं दूर. इंजी./निर्माण
सीपीआर/10/64 द.पू.म. रेलवे, रायपुर
South East Central Railway @secrail

शब्द पहेली - 6214

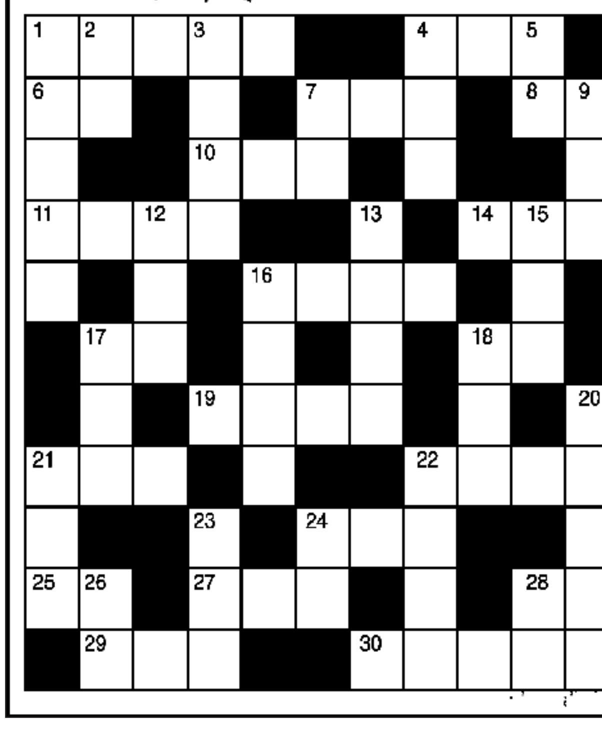

बाएँ से दाए-
1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट, शर्ट-3
6. लाख, गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान, रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा, उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष, बरस-2
18. लय, स्वर-2
19. गदर, बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरूर, घमंड-4
24. राजा, सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ, फिजूल-3
28. चतुर्थ, चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत, जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर, थाती-4
15. तरंग, हिलोर-3
16. निरंकुश, मुंहजोर-4
17. किनारा, तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया, जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान, शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर, भगवान-2
28. प्रेम, लगन-2

शब्द पहेली -6213 का हल

सूडोकु नवताल - 6224

★★★☆☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6223 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

100 साल पुराने दुर्लभ फूलदान ने तोड़े नीलामी के रिकॉर्ड, 53 लाख में बिका

कोट्सवोल्ड। सभी फूलदान फूलों को रखने और घर की सजावट करने के ही काम आते हैं। हालांकि, कुछ को इतनी खूबसूरती से बनाया जाता है कि उनकी कीमत हजारों नहीं, बल्कि लाखों में लगती है। ऐसा ही एक फूलदान बीते दिन नीलाम हुआ है, जिसने नीलामी के पिछले रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। हम बात कर रहे हैं 100 साल पुराने मूरक्रॉफ्ट के फूलदान की, जो 53 लाख रुपये में बिका है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह दुर्लभ फूलदान लगभग 1925 के आसपास बनाया गया था। इसे मूरक्रॉफ्ट के संस्थापक विलियम मूरक्रॉफ्ट द्वारा डिजाइन किया गया था। मूरक्रॉफ्ट एक प्रसिद्ध ब्रिटिश कंपनी है, जो मिट्टी के बर्तन बनाती है। इस खास फूलदान का निर्माण इंग्लैंड के स्टोक-ऑन-ट्रेंट नामक शहर में किया गया था, जो अपने मिट्टी के बर्तनों के उद्योग के लिए जाना जाता है। इसे फूल रखने के बजाय प्रदर्शित करने के लिए बनाया गया था। इस फूलदान की ऊंचाई 38.5 सेंटीमीटर है और इसे गहरे नीले रंग में बनाया गया है। पूरे फूलदान पर एक खूबसूरत-सा ज्वाला परिदृश्य पैटर्न बनाया गया है, जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करता है। इसमें गहरे नीले, हल्के नीले, गहरे हरे, हल्के हरे और गुलाबी जैसे कई रंगों का इस्तेमाल हुआ है, जिन्होंने मिलकर परिदृश्य को जीवंत बनाया है।

दुनिया के कुछ होनहार और बुद्धिमान कुत्ते, जिनके नाम दर्ज हैं गिनीज विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। कुत्ते सबसे समझदार पालतू जानवरों में से एक होते हैं, जो अपनी वफादारी के लिए जाने जाते हैं। ये सही प्रशिक्षण के साथ न केवल अनुशासित जीवन जीते हैं, बल्कि कुछ हैरतअंगेज कारनामे भी कर दिखाते हैं। आज के लेख में हम आपको कुछ ऐसे कुत्तों के बारे में बताएंगे, जिन्होनें विश्व रिकॉर्ड कायम किए हैं। ये सभी रिकॉर्ड उनके कौशल या फिर अनोखे रूप के चलते उनके नाम किए गए हैं।

वीडियो गेम खेलने वाला कुत्ता

इंसानों के दोस्त कहलाए जाने वाले कुत्तों को खेलना-कूदना पसंद होता है। हालांकि, क्या आपने कभी वीडियो गेम खेलने वाले कुत्ते के बारे में सुना है? पांच साल का एक चतुर शीबा इनु कुत्ता आपने मालिक के साथ वीडियो गेम खेलता है। इस कुत्ते का नाम पीनट बटर है और यह गायरोमाइट नामक गेम को सबसे जल्दी पार करने वाला जानवर बन गया है। बता दें कि उसने केवल 23 मिनट 9 सेकंड में यह खेल खत्म कर दिया था।

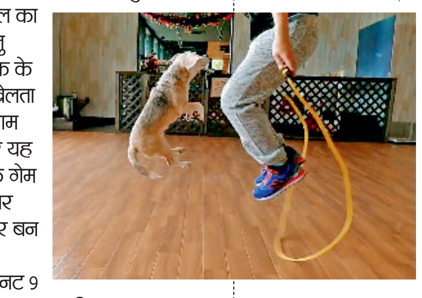

रस्सा कूदने वाले कुत्ते

रस्सा कूदना बच्चों का पसंदीदा खेल होता है। हालांकि, इसे कुत्ते कर दिखाएं तो हैरान होना लाजमी है। दरअसल, चीन के रहने वाले झू योंगमिंग नामक व्यक्ति ने अपने 10 कुत्तों के साथ रस्सा कूदकर अनोखा विश्व रिकॉर्ड बना डाला है। उन्होंने एक मिनट में सबसे ज्यादा रस्सा कूदने का रिकॉर्ड बनाकर गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। योंगमिंग ने कुत्तों को चारों ओर एक घेरे में खड़ा किया और खुद रस्सा घुमाया।

दुनिया का सबसे छोटा कुत्ता

आमतौर पर एक आइसक्रीम की डंडी का आकार 5 इंच से ज्यादा होता है, लेकिन दुनिया का सबसे छोटा कुत्ता इससे भी छोटा है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह कुत्ता आपकी जेब में भी फिट हो सकता है। इसका नाम पर्ल है, जो फ्लोरिडा का एक मादा चिहुआहुआ है। वह 3.59 इंच लंबी है और उसे वैनेसा सेम्लर नाम की महिला पाल रही हैं। इस कुत्ते को दुनिया के सबसे छोटे कुत्ते का गिनीज विश्व रिकॉर्ड मिला है।

स्केटबोर्डिंग करने वाला कुत्ता

आपने शायद ही किसी ऐसे कुत्ते के बारे में सुना होगा, जो स्केटबोर्डिंग कर लेता हो। हालांकि, पेरू का एक बुलडॉग अपने नन्हें-नन्हें पंजों से स्केटबोर्ड पर कमाल के करतब किया करता था। उसने 2015 में स्केटबोर्ड पर सवार हो कर गई सबसे लंबी मनुष्य टनल (30 लोग) पार की थी। इसके बाद उसका नाम गिनीज बुक में शामिल किया गया था। वह अपने स्केटबोर्डिंग, सर्फिंग और सैंडबोर्डिंग कौशल के लिए मशहूर हुआ करता था।

Ajay 9827144371

Ajay Advt.

अब तक बेची गई सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी, जिनकी कीमत करोड़ों में

फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है, जिसे वैश्विक स्तर पर अनुमानित 400 करोड़ लोग देखते हैं। लिहाजा, फुटबॉल खिलाड़ियों की प्रसिद्धि भी आसमान छूती है। इन खिलाड़ियों ने जिन भी जेर्सी को एक बार पहन लिया, वे बेशकीमती हो जाती हैं। उन्हें खरीदने के लिए लोग लाखों क्या, करोड़ों रुपये खर्च करने से भी पीछे नहीं हटते हैं।

डिएगो माराडोना की 'हैंड ऑफ गॉड' जर्सी

डिएगो माराडोना अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर थे, जिन्हें इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने 1986 फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जो जर्सी पहनी थी, वह इस सूची में पहले स्थान पर है। उन्होंने इसे अपने प्रसिद्ध 'हैंड ऑफ गॉड' गोल के दौरान पहना था। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस जर्सी की कीमत 87 करोड़ रुपये से ज्यादा लगी है।

सर जेफ हर्स्ट की जर्सी

सर जेफ हर्स्ट एक दिग्गज अंग्रेजी फुटबॉलर हैं, जो विश्व कप फाइनल में हैट्रिक बनाने वाले पहले और एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी 1966 वाले विश्व कप फाइनल के दौरान पहनी गई जर्सी इस सूची में चौथे स्थान पर है। इसे साल 2000 में 1.13 करोड़ रुपये में नीलाम किया गया था।

मेसी की विश्व कप फाइनल की जर्सी

लियोनल मेसी को बच्चा-बच्चा जानता है। जाहिर सी बात है कि उनका नाम इस सूची में जरूर शामिल होगा। मेसी की 2022 के विश्व कप फाइनल की जर्सी दुनिया की दूसरी सबसे महंगी बिकने वाली जर्सी है। इस प्रतिष्ठित जर्सी की कीमत 75 करोड़ रुपये से ज्यादा लगी थी।

पेले की फाइनल की जर्सी

पेले का नाम फुटबॉल के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाता है। उन्हें लोग प्यार से 'राजा' कहकर पुकारते थे। 1970 के विश्व कप फाइनल में पेले द्वारा पहनी गई जर्सी ब्राजील के फुटबॉल के स्वर्णिम युग का प्रतीक है। यह दुनिया की तीसरी सबसे महंगी बिकने वाली जर्सी है, जो 1.94 करोड़ रुपये में बेची गई थी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com